@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 29 मार्च 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 143 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

बंगाल चुनाव

ममता बनर्जी के खिलाफ भाजपा की चार्जशीट

• अमित शाह बोले- ये टीएमसी के 15 साल के काले कारनामों का संकलन

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी सरकार के खिलाफ चार्जशीट जारी की है। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह चार्जशीट टीएमसी सरकार के 15 सालों के काले कारनामों का संकलन है। भाजपा ने 40 पन्नों की चार्जशीट 'टीएमसी के 15 साल, पश्चिम बंगाल लहूलुहान' में तृणमूल कांग्रेस सरकार के 15 साल की खामियों को गिनाया है। इसमें घुसपैठ, व्यापक भ्रष्टाचार और संस्थागत पतन, वित्तीय कुप्रबंधन, प्रशासनिक विफलता, कानून व्यवस्था, महिला सुरक्षा, कृषि संकट, स्वास्थ्य सेवा का पतन और घोटालों का जिक्र है। चार्जशीट में आरोप लगाए गए हैं कि टीएमसी समर्थित सिंडिकेट घुसपैठियों को 'वोट बैंक' बनाने में मदद करने के लिए नकली आईडी कार्ड उपलब्ध करा रहे हैं, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा और जनसांख्यिकी खतरे में पड़ रही है। पश्चिम बंगाल की 2,216.7 किलोमीटर लंबी सीमा में से 569 किलोमीटर सीमा पर अभी भी बाड़ नहीं लगी है, जिसका कारण टीएमसी सरकार की ओर से घुसपैठ को बढ़ावा देने के लिए जमीन अधिग्रहण में की गई देरी है।

'बंगाल में सिंडिकेट राज' का आरोप लगाते हुए भाजपा ने कहा है कि कोयला, पीडीएस, एसएससी और मनरेगाजैसे क्षेत्रों में संस्थागत भ्रष्टाचार व 'कट-मनी' (कमीशन) की संस्कृति सभी नागरिक सेवाओं में फैल चुकी है। भाजपा ने चार्जशीट में दावा किया कि बंगाल में 2016 से अब तक 300 राजनीतिक हत्याएं और 13,000 से ज्यादा हत्या के प्रयास हुए। मुर्शिदाबाद, मोमिनपुर और महेशतला में बार-बार सांप्रदायिक अशांति फैली।

महिलाओं के खिलाफ अपराधों का जिक्र करते हुए भाजपा ने आरोप लगाया कि पार्क स्ट्रीट से लेकर संदेशखाली तक न्याय दिलाने में सरकार विफल रही है।

बंगाल में अकेले 2023 में महिलाओं के खिलाफ 34,738 अपराध दर्ज किए गए। भाजपा ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल से 6,688 कंपनियों का पलायन और 18,450 एमएसएमई बंद हुए हैं। इसी कारण बड़े पैमाने पर पूंजी का पलायन हुआ है। वहीं, बेरोजगारी दर के कारण 40 लाख से ज्यादा युवाओं को पलायन करने पर मजबूर होना पड़ा है।

'विक्टिम कार्ड' की पॉलिटिक्स खेलती हैं ममता- शाह

तंज कसते हुए गृह मंत्री ने कहा कि ममता बनर्जी ने हमेशा विक्टिम कार्ड की पॉलिटिक्स खेली हैं। कभी उनका पैर टूट जाता है, कभी उनके सिर पर पट्टी बंध जाती है, कभी वह बीमार पड़ जाती हैं और कभी वह चुनाव आयोग के सामने खड़ी होकर बेबसी का नाटक करती हैं। चुनाव आयोग को गालियां देती हैं। लेकिन मैं उन्हें यह बताने आया हूं कि बंगाल के लोग अब विक्टिम कार्ड की इस पॉलिटिक्स को अच्छी तरह समझ चुके हैं।

'मोदी-ट्रंप के बीच कॉल में शामिल नहीं था कोई तीसरा'

• मस्क से जुड़ी खबरों को विदेश मंत्रालय ने किया खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली । विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने 24 मार्च को हुई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन वार्ता को लेकर सामने आई खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। प्रवक्ता ने कहा कि हमने इस खबर को देखा है। 24 मार्च को हुई टेलीफोन बातचीत केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच ही हुई थी। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि इस बातचीत के दौरान पश्चिम एशिया की स्थिति पर दोनों नेताओं के बीच विचारों का आदान-प्रदान हुआ। दरअसल यह खबरें चल रही थी कि इस बातचीत में दिग्गज उद्यमी एलन मस्क भी जुड़े थे। मस्क के शामिल होने का दावा अमेरिकी अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स ने किया है। अमेरिकी अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार इस कॉल में एलन मस्क भी शामिल थे। यह जानकारी दो अमेरिकी अधिकारियों ने दी। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं है कि मस्क ने बातचीत में कुछ कहा या सिर्फ सुन रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

• ओडिशा में दर्दनाक हादसा

नयागढ़ में टूरिस्ट बस पलटी, पांच की मौत

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा में शनिवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे और तेज तूफान ने मिलकर तबाही मचा दी। नयागढ़ जिले में एक टूरिस्ट बस के पलटने से पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 40 से अधिक यात्री घायल हो गए। वहीं, मयूरभंज और पुरी जिलों में आए तेज आंधी-तूफान के कारण तीन लोगों की जान चली गई। पुलिस के मुताबिक, यह हादसा रात करीब 2 बजे हनुमान घाटी रोड पर दासपल्ला इलाके में हुआ, जब 55 यात्रियों से भरी बस मोड़ लेते समय अनियंत्रित होकर पलट गई। शुरुआती जांच में तेज रफ्तार को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है। मृतकों की पहचान हरी पात्रा, लक्ष्मी पात्रा, सुप्रभा साहू, सुमति और चालक प्रवीण कुमार साहू के रूप में हुई है, जो सभी बरहामपुर के निवासी थे। घायलों को तुरंत बचाव दल ने बाहर निकालकर दासपल्ला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

आरबीआई का बड़ा कदम

रुपए में गिरावट और सट्टेबाजी रोकने के लिए बैंकों को दिया रोजाना लिमिट लागू करने का निर्देश

• केंद्रीय बैंक ने कहा है कि सभी कमर्शियल बैंक इस रोजाना लिमिट को 10 अप्रैल तक लागू करें।

एजेंसी

नई दिल्ली । रुपए में गिरावट को रोकने और सट्टेबाजी (स्पेकुलेटिव ट्रेडिंग) पर लगाम लगाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को नया निर्देश दिया है। आरबीआई ने अधिकृत डीलर के रूप में काम करने वाले बैंकों को कहा है कि वे दिन के अंत तक रुपए में अपनी ओपन पोजीशन को 100 मिलियन डॉलर तक सीमित रखें। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब अमेरिकी-इजरायल और ईरान के बीच तनाव के कारण व्यापार घाटा बढ़ा है और रुपए पर दबाव बढ़ गया है। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि सभी कमर्शियल बैंक इस रोजाना लिमिट को 10 अप्रैल तक लागू करें। साथ ही, जरूरत पड़ने पर बाजार की स्थिति के अनुसार यह लिमिट बदली भी जा सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर रुपए में गिरावट जारी रहती है तो आरबीआई आगे और भी सख्त कदम उठा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि रुपए को सहारा देने के लिए आरबीआई ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार (फॉरेक्स रिजर्व) का काफी इस्तेमाल किया है, जिससे उसकी हस्तक्षेप करने की क्षमता कुछ सीमित हो गई है।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने उलिहातु में बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

वंशजों से की मुलाकात

एजेंसी

खूंटी। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन शनिवार को झारखंड के खूंटी जिले स्थित भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातु पहुंचे। उनके साथ झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार भी मौजूद रहे।

उपराष्ट्रपति और राज्यपाल ने उलिहातु पहुंचकर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने बिरसा मुंडा के वंशजों से मुलाकात की और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। यह कार्यक्रम श्रद्धा और सम्मान के माहौल में आयोजित किया गया। अपने दौरे के दौरान उपराष्ट्रपति ने वहां उपस्थित बच्चों से संवाद भी किया। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने, अपने लक्ष्य निर्धारित करने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद उपराष्ट्रपति बिरसा कॉम्प्लेक्स पहुंचे, जहां उन्होंने पुनः बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। यहां उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और हालात के बारे में जानकारी ली।

सपा वालों ने नोएडा को बनाया था अपनी लूट का एटीएम : प्रधानमंत्री मोदी

• कांग्रेस और उत्तर प्रदेश की पिछली सरकारों ने इस एयरपोर्ट की नींव तक नहीं पड़ने दी थी- मोदी

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा । गौतम बुद्ध नगर जिले के जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पहले सपा वालों ने नोएडा को अपनी लूट का एटीएम बना लिया था। कांग्रेस और उत्तर प्रदेश की पिछली सरकारों ने इस एयरपोर्ट की नींव तक नहीं पड़ने दी थी। उन्होंने कहा कि 2003 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने इस एयरपोर्ट को मंजूरी दी थी, लेकिन एयरपोर्ट नहीं बना।2004 से 2014 तक यह एयरपोर्ट फाइलों में ही दबा रहा। जब हमारी सरकार बनी तो उस समय उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार की थी। शुरू के दो तीन सालों में सपा वालों ने इस पर काम नहीं होने दिया, लेकिन जैसे ही यहां भाजपा की सरकार बनी, तो जेवर एयरपोर्ट की नींव पड़ी, निर्माण भी हुआ और आज उद्घाटन भी हो गया है। पीएम मोदी ने कहा, 'नोएडा को पहले अंधविश्वास के कारण अपने हाल पर छोड़ दिया गया था, कुर्सी जाने के डर से पहले के सत्ताधारी यहां आने से डरते थे। मुझे याद है, जब यहां सपा सरकार थी और मैंने नोएडा आने का कार्यक्रम बनाया, तो मुख्यमंत्री इतने डरे हुए थे कि वे उस कार्यक्रम में नहीं आए।

मुझे भी डराने की कोशिश की गई, कहा गया कि 'नोएडा मत जाइए मोदी जी, अभी-अभी प्रधानमंत्री बने हैं।' मैंने कहा कि 'मैं उस धरती का आशीर्वाद लेने जा रहा हूं, जो मुझे लंबे अरसे तक सेवा करने का मौका देगी।' आज वही इलाका पूरी दुनिया का स्वागत करने के लिए तैयार है। यह पूरा क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त कर रहा है। '

नालंदा विश्वविद्यालय में 31 मार्च को दूसरा दीक्षांत समारोह

• राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु होंगी मुख्य अतिथि

एजेंसी

पटना। विश्व प्रसिद्ध नालंदा विश्वविद्यालय के राजगीर स्थित स्थायी परिसर में 31 मार्च को दूसरा दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर राष्ट्रपति एवं विश्वविद्यालय की विजिटर द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। यह समारोह कई मायनों में खास होगा, क्योंकि नव उद्घाटित स्थायी परिसर में आयोजित होने वाला यह पहला दीक्षांत समारोह है। इस आधुनिक परिसर का उद्घाटन जून 2024 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया था। विश्वविद्यालय के पुनरुद्धार के बाद यह दूसरा दीक्षांत समारोह है, जबकि पहला समारोह वर्ष 2016 में आयोजित हुआ था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का राजगीर और नालंदा विश्वविद्यालय का राष्ट्रपति के रूप में यह पहला दौरा होगा। इस दौरान वे दीक्षांत भाषण देंगी, छात्रों को उपाधियां प्रदान करेंगी और मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से सम्मानित करेंगी। साथ ही वे विश्वविद्यालय के नवनिर्मित 2000 सीटों वाले सभागार 'विश्वमित्रालय' का उद्घाटन भी करेंगी। समारोह में पोस्ट-ग्रेजुएट और डॉक्टरेट प्रोग्राम के छात्रों को व्यक्तिगत रूप से डिग्री प्रदान की जाएगी। इस दीक्षांत समारोह की विशेषता इसकी अंतरराष्ट्रीय भागीदारी भी है, जिसमें अर्जेंटीना, वियतनाम, भूटान, इंडोनेशिया, केन्या, लाओस, म्यांमार, सर्बिया, घाना, थाईलैंड, नेपाल, बांग्लादेश और जिम्बाब्वे सहित कई देशों के छात्र शामिल होंगे।

खाड़ी में युद्ध समाप्त करने को प्राथमिकता दें : मनीष तिवारी

• 'होर्मुज स्ट्रेट का फिर से खोलना सुनिश्चित करें'

एजेंसी

चंडीगढ़ । कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने शनिवार को खाड़ी में बिगड़ती स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि चल रहे संघर्ष के समाप्त होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं और इसका असर भारत की आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ना शुरू हो गया है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने बात करते हुए कहा, 'स्थिति काफी गंभीर है। खाड़ी में युद्ध खत्म होता नजर नहीं आ रहा है और इसका भारत की आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। इससे देश की ईंधन आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है और एलपीजी की कतार लंबी होती जा रही हैं।' उन्होंने नागरिकों, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के सामने आ रही कठिनाइयों पर सरकार को विचार करने का कहा, जहां एलपीजी की कमी और भी बदतर हो गई है। उन्होंने कहा, 'एलपीजी सिलेंडर आसानी से उपलब्ध नहीं हैं। सरकार को ठोस व्यवस्था करनी चाहिए, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में जहां आपूर्ति में 45 दिनों तक की देरी हो सकती है। स्थिति को सामान्य बताने के दावों और जमीनी हकीकत में स्पष्ट अंतर है।

नोएडा एयरपोर्ट सिर्फ आधुनिक नहीं, भारतीय संस्कृति का प्रतीक भी : नायडू

• 'एयरपोर्ट के डिजाइन में उत्तर प्रदेश की पारंपरिक हवेलियों की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई देगी।'

एजेंसी

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट केवल एक आधुनिक एयरपोर्ट नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपरा का जीवंत प्रतीक बनने जा रहा है। इसके वास्तु और इंटीरियर डिजाइन में उत्तर प्रदेश की विरासत को विशेष रूप से शामिल किया गया है, जिससे यात्रियों को एक अनूठा सांस्कृतिक अनुभव मिलेगा। यह बातें केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने शनिवार को एयरपोर्ट के पहले चरण (फेज-1) के उद्घाटन के अवसर पर कही। केंद्रीय मंत्री ने कार्यक्रम में कहा कि एयरपोर्ट के डिजाइन में उत्तर प्रदेश की पारंपरिक हवेलियों की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई देगी। वास्तुकला में उपयोग किए गए डिजाइन जैसे मेहराब, आंगन और पारंपरिक संरचनाएं यात्रियों को प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि टर्मिनल को गंगा घाट की थीम पर मल्टी-लेवल संरचना में विकसित किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को वाराणसी और हरिद्वार के घाटों जैसा अनुभव मिलेगा। सीढ़ीनुमा डिजाइन, खुले स्पेस और प्रकाश व्यवस्था इस तरह तैयार की गई है कि यह आध्यात्मिक और शांत वातावरण का एहसास कराए। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट के सौंदर्यीकरण में देश के विभिन्न राज्यों के पारंपरिक हस्तशिल्प का उपयोग किया गया है। यह पहल न केवल भारत की विविध कला परंपराओं को प्रदर्शित करेगी, बल्कि स्थानीय और राष्ट्रीय कारीगरों को भी एक वैश्विक मंच प्रदान करेगी।

दुष्कर्म मामलों में पीड़िता की पहचान उजागर करने पर अदालत सख्त

• सभी हाईकोर्ट को दिए कड़े निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने दुष्कर्म मामलों में पीड़िता की पहचान उजागर किए जाने पर कड़ा रुख अपनाते हुए इसे सबसे कड़े शब्दों में निंदनीय बताया है। शीर्ष अदालत ने सभी हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि कोर्ट के आदेशों में पीड़िता या उसके परिवार की पहचान किसी भी रूप में सामने न आए।न्यायमूर्ति संजय करोल और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि 2018 के निपुण सक्सेना बनाम यूनियन ऑफ इंडिया फैसले में स्पष्ट किया गया था कि किसी भी माध्यम (प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक या सोशल मीडिया) में पीड़िता की पहचान उजागर नहीं की जा सकती।

कानून का पालन न होने पर जताई चिंता

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इसके बावजूद निचली अदालतों में इस नियम का पालन नहीं हो रहा है। इसके पीछे अदालतों की उदासीनता और इस तरह के अपराधों से जुड़े सामाजिक कलंक के प्रति जागरूकता की कमी को जिम्मेदार बताया गया।

कानूनी प्रावधानों पर जोर

अदालत ने बताया कि 1983 में भारतीय दंड संहिता में संशोधन कर धारा 228A जोड़ी गई थी, जिसका उद्देश्य दुष्कर्म पीड़िताओं की पहचान को सार्वजनिक होने से रोकना है। इससे पहले ऐसा कोई स्पष्ट कानूनी प्रतिबंध नहीं था, जिससे पीड़िताओं को सामाजिक बहिष्कार और मानसिक आघात का सामना करना पड़ता था।

किसानों और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लिए पेट्रोल, डीजल और डीएपी की आपूर्ति पर तुरंत कदम उठाएं: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 28 मार्च। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने भारत सरकार से पेट्रोल, डीजल और डीएपी खाद की बढ़ी हुई तथा निर्बाध आपूर्ति तुरंत सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पंजाब 140 लाख मीट्रिक टन गेहूं की कटाई के लिए तैयार है। उन्होंने चेतावनी दी कि तेल की उपलब्धता में किसी भी प्रकार की बाधा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा को सीधे प्रभावित कर सकती है। लोगों से अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी चीज़ की कोई कमी नहीं है और घबराने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन कटाई और अनाज की ढुलाई को सुचारु रूप से जारी रखने के लिए केंद्र सरकार द्वारा समय पर कार्रवाई अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पंजाब देश की जरूरतों को पूरा करने के लिए 181 लाख मीट्रिक टन गेहूं और 139 लाख मीट्रिक टन धान उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह तैयार है। यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, प्रधानमंत्री के साथ एक वर्चुअल बैठक के दौरान मैंने बताया कि इस वर्ष पंजाब में 140 लाख मीट्रिक टन गेहूं उत्पादन की संभावना है। फसल की सुचारु कटाई और ढुलाई सुनिश्चित करने के लिए पेट्रोल और डीजल की नियमित आपूर्ति बेहद आवश्यक है। कटाई के दौरान बड़ी संख्या में ट्रैक्टर, ट्रॉलियां, हार्वेस्टर और ट्रक इस्तेमाल किए जाते हैं, इसलिए व्यापक जनहित में तेल आपूर्ति बढ़ाई जानी चाहिए। यह समय की मांग है कि देश की खाद्य सुरक्षा हर हाल में बरकरार रखी जाए। लोगों को भरोसा दिलाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। इस समय राज्य में 12 से 14 दिनों का पेट्रोल और डीजल तथा लगभग छह दिनों का एलपीजी स्टॉक उपलब्ध है, जो सामान्य रूप से पूरे वर्ष समान रहता है। आपूर्ति लगातार जारी है।

शेष पृष्ठ 3 पर

भारतीय सेना को मिली 2,000 स्वदेशी 'प्रहार', एलएमजी 1 किमी तक दुश्मन को करेगी ढेर

नई दिल्ली। देश की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए भारतीय सेना लगातार अपने हथियारों को आधुनिक बना रही है। इसी दिशा में 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत बनी 'प्रहार' लाइट मशीन गन (एलएमजी) की पहली खेप सेना को सौंप दी गई है। अब पुरानी 5.56×45 मिमी इंसास एलएमजी की जगह नई 7.62×51 मिमी 'प्रहार' एलएमजी को शामिल किया जा रहा है। हालांकि इस समय एलएसी और एलओसी पर स्थिति अपेक्षाकृत शांत है, लेकिन सुरक्षा को लेकर कोई ढिलाई नहीं बरती जा रही है। सेना अपनी मारक क्षमता बढ़ाने के लिए पुराने हथियारों को तेजी से बदल रही है। शनिवार को अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने 2,000 'प्रहार' एलएमजी की पहली खेप भारतीय सेना को सौंपी। यह डिलीवरी ग्वालियर स्थित अदाणी स्मॉल आर्म्स कॉम्प्लेक्स से रवाना की गई। इस मौके पर रक्षा मंत्रालय और कंपनी के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

रणथंभौर में सफारी करने के बाद होटल पहुंची विदेशी पर्यटक की खाना खाने के बाद मौत

सवाई माधोपुर (एजेंसी)। राजस्थान के सवाई माधोपुर स्थित रणथंभौर में सफारी करने के कुछ घंटे बाद एक विदेशी पर्यटक की मौत हो गई। आयरलैंड की निवासी टूरिस्ट एक ग्रुप के साथ घूमने आई थी। गुरुवार रात को होटल में अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई। सरकारी हॉस्पिटल में चेकअप के बाद उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। टूरिस्ट का पोस्टमॉर्टम आयरलैंड एम्बेसी के अप्रूवल के बाद ही होगा। कुण्डेरा थाने के एएसआई ने बताया कि आयरलैंड की मरियन फ्रांसिस (40) दोस्तों के साथ 25 मार्च को रणथंभौर आई थी। उनका ग्रुप हेरिटेज हवेली होटल में रुका था। सभी ने 26 मार्च को सुबह-शाम के स्लॉट में सफारी की थी। इसके बाद वे होटल आ गए थे। गुरुवार देर रात खाने के बाद करीब 2.30 बजे मरियन की तबीयत बिगड़ी थी। मरियन के दोस्तों ने होटल स्टाफ को सूचित किया। इसके बाद मरियन को अपेक्स सेविका हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। रात करीब तीन बजे मरियन को सवाई माधोपुर के जिला हॉस्पिटल रेफर किया गया। इस दौरान पुलिस भी निजी हॉस्पिटल पहुंच गई थी। पुलिसकर्मियों के साथ मरियन के दोस्त उन्हें सरकारी हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। इमरजेंसी में मौजूद डॉक्टर सौरभ गुप्ता ने मरियन की जांच की। कुछ देर बाद उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया। डॉक्टर सौरभ गुप्ता ने बताया कि महिला टूरिस्ट की ईसीजी कराई थी, लेकिन रिजल्ट फ्लैट था। इसके बाद उनका फिर से चेकअप किया गया, लेकिन कोई रिस्पॉन्स नहीं था। मौत का सही कारण पोस्टमॉर्टम के बाद ही सामने आएगा। वहीं, पुलिस का कहना है महिला की मौत की जानकारी आयरलैंड एम्बेसी को दी गई है। अब दूतावास की परमिशन का इंतजार है।

अजित पवार हादसे के बाद डीजीसीए ने जारी की नई गाइडलाइन... फ्लाइट क्रू पर कोई दबाव ना डाला जाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। वीआईपी और वीवीआईपी (जैसे मुख्यमंत्री, राज्यपाल आदि) को ले जाने वाले नॉन-शेड्यूल्ड विमान और हेलिकॉप्टर ऑपरेटर्स के लिए नई गाइडलाइन जारी कर दी गई है। डीजीसीए ने दो टूक कहा कि फ्लाइट क्रू पर किसी भी तरह का दबाव नहीं डाला जाए, ताकि किसी भी प्रकार की सुरक्षा से समझौता न हो। डीजीसीए के मुताबिक वीआईपी की जरूरत के नाम पर आखिरी वक्त में हो रहे बदलाव सीधे क्रू से नहीं, सिर्फ ऑपरेटर्स मैनेजमेंट के द्वारा कराए जाएं। मौसम से जुड़े नियमों का पालन करना होगा। क्रू के फैसले का सम्मान करना होगा। डीजीसीए की नई गाइडलाइन में ध्यान रखा गया है कि वीआईपी मूवमेंट के चक्कर में पायलट थकावट का शिकार न हों। अब अगर कोई नेता दबाव डालता है, तब पायलट सीधे मना कर सकता है और इसकी जवाबदेही मैनेजमेंट की होगी, न कि व्यक्तिगत पायलट को जबावदार माना जाएगा। दरअसल, 28 जनवरी को बारामती एयरपोर्ट पर प्लेन क्रैश में अजित पवार सहित 5 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद से डीजीसीए ने वीआईपी मूवमेंट्स को लेकर नियमों में बदलाव किया है।

डिजिटल एडिक्शन से बच्चों की आत्महत्या के मामले बढ़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में डिजिटल एडिक्शन का मुद्दा गंभीरता से उठाया गया, जिसमें बच्चों और युवाओं में बढ़ती मोबाइल लत पर चिंता जताई गई। चर्चा के दौरान दावा किया गया कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम और सोशल मीडिया के दबाव के कारण मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। आंकड़ों के मुताबिक कई बच्चे रोजाना 7 से 8 घंटे मोबाइल पर बिता रहे हैं, जिससे पढ़ाई, सामाजिक जीवन और नींद प्रभावित हो रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल लत अवसाद, चिंता और अकेलेपन की भावना को बढ़ा सकती है। कुछ मामलों में यह स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि बच्चे आत्मघाती कदम उठा लेते हैं। सदस्यों ने सरकार से इस विषय पर व्यापक चर्चा और ठोस नीति बनाने की मांग की है। साथ ही अभिभावकों को बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखने और मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर संवाद करने की सलाह दी गई है।

सक्रिय हो रहा वेदर सिस्टम... आज से देश के कई राज्यों में आंधी और बारिश की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में मौसम तेजी से बदल रहा है और कई राज्यों में बारिश, ओलावृष्टि और बर्फबारी की संभावना जाहिर की गई है। राजस्थान में शनिवार से नया वेदर सिस्टम सक्रिय हुआ है, जिसका असर राज्य के सभी जिलों में देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के अनुसार, बारिश के साथ ओले गिरने की भी आशंका है। बीते 24 घंटों में जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, अजमेर और बीकानेर में मौसम साफ और धूप तेज रही, लेकिन अब बदलाव शुरू हो गया है। मध्यप्रदेश में 29 मार्च से लगातार तीन दिन तक आंधी और बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम सक्रिय रहेगा। भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर सहित करीब 40 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि, शनिवार को प्रदेश में गर्मी का असर बना रहेगा। उत्तर प्रदेश में भी मौसम बदला हुआ है। लखनऊ और कानपुर समेत कई जिलों में रुक-रुककर बारिश हो रही है, और अगले पांच दिनों तक यही स्थिति बनी रह सकती है। कहीं-कहीं ओलावृष्टि की भी संभावना है। बिहार में पटना सहित कई जिलों में आंधी के साथ बारिश दर्ज की गई, और आज 38 जिलों में अलर्ट जारी है। पहाड़ी राज्यों में भी मौसम का असर दिख रहा है। हिमाचल प्रदेश में अगले छह दिनों तक बर्फबारी की संभावना है। वहीं जम्मू और कश्मीर में श्रीनगर-लेह हाईवे पर एवलांच की घटना में 7 लोगों की मौत हो गई, जिससे स्थिति गंभीर बनी हुई है। आने वाले दो दिनों में पूर्वोत्तर राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में तेज बारिश की संभावना है। वहीं महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक और केरल में हल्की बारिश हो सकती है। 30 मार्च को पश्चिम बंगाल, सिक्किम, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी हल्की बारिश के आसार हैं।

लॉकडाउन लगेगा या नहीं शाह ने साफ कर दी सरकार की मंशा, कई अफवाहों को खारिज किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव और वैश्विक अस्थिरता के बीच भारत में लॉकडाउन की चर्चाओं पर केंद्र सरकार ने पूर्ण विराम लगा दिया है। सोशल मीडिया और विभिन्न माध्यमों पर ईंधन की कमी के तर्क के साथ लॉकडाउन लगाए जाने की अफवाहों को सरकार ने सिरे से खारिज कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि देश में एलपीजी सिलेंडर या अन्य ईंधन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भू-राजनीतिक तनाव के कारण वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में आए उछाल के बावजूद भारत अपनी आपूर्ति श्रृंखला और कीमतों को स्थिर बनाए रखने में पूरी तरह सफल रहा है। अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए कहा कि जब दुनिया भर में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतें आसमान छू रही हैं, तब भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां कीमतों में वृद्धि नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए आयात के स्रोतों का विस्तार किया है। पहले

भारत अपनी ईंधन जरूरतों के लिए 27 देशों पर निर्भर था, लेकिन अब यह दायरा बढ़ाकर 42 देशों तक कर दिया गया है। गृह मंत्री ने साफ किया कि प्रधानमंत्री ने आश्वासन दिया है कि देश में कोई लॉकडाउन नहीं लगेगा और सामान्य कामकाज निर्बाध रूप से जारी रहेगा। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ डिजिटल माध्यम से एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। पश्चिम एशिया संघर्ष से उत्पन्न चुनौतियों पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आर्थिक स्थिरता, ऊर्जा सुरक्षा और नागरिकों के हितों की रक्षा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने केंद्र और राज्यों के बीच टीम इंडिया की भावना से काम करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों को निर्देश दिया कि वे राज्यों में आपूर्ति श्रृंखलाओं के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करें और जमाखोरी व मुनाफाखोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से गलत सूचनाओं और अफवाहों के प्रसार के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने जिस तरह सामूहिक शक्ति से वैश्विक बाधाओं का सामना किया था, वही समन्वय आज भी हमारी सबसे बड़ी ताकत है। इस बैठक में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आंध्र प्रदेश के एन चंद्र बाबू नायडू, तेलंगाना के रेवंत रेड्डी और पंजाब के भगवंत मान समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री मौजूद रहे। यह पहली बार था जब प्रधानमंत्री ने 28 फरवरी को शुरू हुए इस अंतरराष्ट्रीय संघर्ष के प्रभाव को लेकर राज्यों के साथ सीधा संवाद किया।

सूरत में फर्जी पेट्रोल पंप का हुआ भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

-अमरोली इलाके में चाय की टपरी के पास चल रहा था अवैध धंधा, 800 लीटर घटिया डीजल व टैंकर जब्त

सूरत (एजेंसी)। गुजरात के सूरत में पुलिस ने अवैध रूप से संचालित एक फर्जी पेट्रोल पंप का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई शहर के अमरोली इलाके में की गई, जहां चाय की एक टपरी के पास लंबे समय से सस्ते दामों पर घटिया गुणवत्ता का डीजल बेचा जा रहा था।

पुलिस के अनुसार, अमरोली-वेलंजा रोड स्थित अंजनी इंडस्ट्रीज कैनाल के पास आरोपियों ने अवैध रूप से पेट्रोल पंप जैसा सेटअप तैयार कर रखा था। यहां ग्राहकों को कम कीमत का लालच देकर खराब क्वालिटी का डीजल बेचा जाता था। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की और पूरे रैकेट का खुलासा किया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से करीब 800 लीटर डीजल जब्त किया, जिसकी अनुमानित कीमत 61,600 रुपये बताई गई है। इसके अलावा दो टैंकर और मोबाइल फोन भी बरामद किए गए। जब्त किए गए सामान की कुल कीमत लगभग 22.70 लाख रुपये आंकी गई है। इस मामले में 43 वर्षीय भरत केरासिया और 32 वर्षीय महेश खिसडिया को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में सामने आया है कि इस अवैध कारोबार में दो अन्य लोग भी शामिल हैं, जो फिलहाल फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। अमरोली पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, आरोपी लंबे समय से इस अवैध धंधे को अंजाम दे रहे थे और सस्ते ईंधन के नाम पर लोगों को ठग रहे थे। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि यह डीजल कहां से लाया जा रहा था और इस नेटवर्क का दायरा कितना बड़ा है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। इस कार्रवाई से इलाके में अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्ती का संदेश गया है और स्थानीय लोगों ने पुलिस की तत्परता की सराहना की है।

मुंबई में 75 लोगों ने इच्छामृत्यु के लिए दिए आवेदन, बीएमसी ने सुरक्षित रखे

-मेयर बोलीं- हमें दस्तावेजों को रखने की अनुमति, उन्हें लागू करने का अधिकार नहीं

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में इच्छामृत्यु को लेकर एक नई बहस छिड़ गई है। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को 75 लोगों ने इच्छामृत्यु के लिए आवेदन दिए हैं। यह घटनाक्रम देश के पहले कोर्ट से मंजूर इच्छामृत्यु मामले के बाद सामने आया है, जिसने लोगों को इस दिशा में सोचने पर मजबूर कर दिया है। इन आवेदनों में लोगों ने साफ लिखा है कि अगर वे किसी गंभीर बीमारी का शिकार हो जाएं या किसी हादसे के बाद कोमा जैसी स्थिति में चले जाएं, जहां ठीक होने की कोई उम्मीद न हो, तो उन्हें इच्छामृत्यु का विकल्प दिया जाए। इसके लिए उन्होंने लिविंग विल भी तैयार कर नोटरी करवाई है और संबंधित अधिकारियों के पास जमा किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई की महापौर रितु तावड़े ने इस मुद्दे पर कहा कि बीएमसी इन आवेदनों को सिर्फ सुरक्षित रख रही है। उन्होंने कहा कि जो भी मरीज इच्छामृत्यु के लिए पत्र देता है, हम उसे सुरक्षित रखते हैं, लेकिन उसे लागू करने का अधिकार हमारे पास नहीं है। यह जिम्मेदारी परिवार की होती है। कोर्ट ने हमें इन दस्तावेजों को रखने की अनुमति दी है, लेकिन उन्हें लागू करने का अधिकार नहीं दिया है। बता दें सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के बाद, जिसमें भारत में निष्क्रिय इच्छामृत्यु को कानूनी मान्यता दी गई, बीएमसी ने हर वार्ड में मेडिकल अधिकारियों को लिविंग विल पर नजर रखने की जिम्मेदारी दी है। जो भी व्यक्ति लिविंग विल जमा करना चाहता है, उसे नोटरी फॉर्मेट में दस्तावेज तैयार कर अपने वार्ड ऑफिस में जमा करना होता है।

रिपोर्ट के मुताबिक फिलहाल बीएमसी के पास कुल 75 आवेदन आ चुके हैं। प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए राज्य सरकार एक ऑनलाइन पोर्टल या ऐप तैयार करने पर काम कर रही है, ताकि लोग आसानी से आवेदन कर सकें। इस पूरे मामले की पृष्ठभूमि में हरीश राणा का केस भी है, जो भारत में कोर्ट से मंजूर इच्छामृत्यु पाने वाले पहले इंसान थे। 31 साल के हरीश राणा का निधन दिल्ली के एम्स में हुआ, जहां उन्हें पेलिएटिव केयर दी जा रही थी। हरीश राणा 2013 से कोमा में थे। वह उस समय इंजीनियरिंग के छात्र थे और चौथी मंजिल से गिरने के बाद उन्हें सिर की चोट लगी थी। लंबे समय तक कोमा में रहने के बाद उनके माता-पिता ने जीवनरक्षक उपकरण हटाने की अनुमति मांगी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने मंजूरी दी। यह फैसला भारत के कानूनी और मेडिकल इतिहास में एक अहम मोड़ माना गया।

सीएम ममता पर आयोग की नजर, एसआई को निलंबित कर भाषण की मांगी कॉपी

बड़ी रैलिया के साथ ही डोर-टू-डोर संपर्क अभियान चलाएगी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तारीखों के नजदीक आते ही राज्य में राजनीतिक सरगर्मियां और चुनावी हिंसा को लेकर तनाव चरम पर पहुंच गया है। भारत निर्वाचन आयोग ने निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाते हुए एक तरफ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विवादित भाषण पर रिपोर्ट तलब की है, वहीं दूसरी तरफ कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में एक पुलिस इंस्पेक्टर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। राज्य में दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को मतदान होना है, जिसके परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उस भाषण पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है, जो उन्होंने दार्जिलिंग के नक्सलबाड़ी स्थित

एक जनसभा के दौरान दिया था। आरोप है कि मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों को कथित तौर पर धमकाया। वीडियो साक्ष्यों के आधार पर दावा किया जा रहा है कि उन्होंने महिलाओं और लड़कियों से मतदान केंद्रों पर डटे रहने को कहा और जरूरत पड़ने पर किसी भी स्थिति से निपटने के लिए घरेलू रसोई के उपकरणों का इस्तेमाल करने की बात कही। आयोग इस मामले में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के पहलुओं की जांच कर रहा है।

समानांतर कार्रवाई करते हुए, चुनाव आयोग ने दक्षिण 24 परगना जिले के बासंती पुलिस स्टेशन के प्रभारी इंस्पेक्टर अविजित पॉल को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई 26 मार्च को बासंती बाजार इलाके में हुई हिंसक घटना के बाद की गई है। आयोग के अनुसार, भाजपा उम्मीदवार विकास सरदार के चुनाव प्रचार के दौरान हुई इस हिंसा में पुलिसकर्मी और कई अन्य लोग घायल हुए थे। आयोग ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि पर्याप्त केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की उपलब्धता के बावजूद इंस्पेक्टर ने सुरक्षा की मांग नहीं की और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह विफल रहे, जो ड्यूटी में गंभीर कोताही को दर्शाता है। इस घटनाक्रम पर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी तेज हो गए हैं। भाजपा सांसद बिप्लब कुमार देब ने इस हमले को सुनियोजित बताते हुए राज्य सरकार और तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने दावा किया कि ज्ञात हमलावरों ने पार्टी कार्यकर्ताओं और बीच-बचाव करने आए सुरक्षा बलों को निशाना बनाया। देब ने राज्य में हिंसा के माहौल के लिए सीधे तौर पर मुख्यमंत्री को जिम्मेदार ठहराया। हालांकि, सत्तारूढ़ दल इन आरोपों को चुनावी हथकंडा बता रहा है। फिलहाल, चुनाव आयोग की इन सख्त कार्रवाइयों ने स्पष्ट कर दिया है कि चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की हिंसा या भड़काऊ बयानबाजी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

असम में चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस एक ही कम्युनिटी की पार्टी बन जाएगी : सीएम सरमा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस पर सिर्फ एक समुदाय की पार्टी होने का आरोप लगाया। हिमंता ने कहा कि करीब 99 फीसदी हिंदू कांग्रेस छोड़ना चाहते हैं। राज्य में इसके टूटने का प्रोसेस पहले ही शुरू हो चुका है। नतीजों के बाद कांग्रेस एक ही कम्युनिटी की पार्टी बन जाएगी। असम में 9 अप्रैल को सिंगल फेज में चुनाव हैं। 30 मार्च को पीएम मोदी नमो ऐप के जरिए एक रैली को वर्चुअली संबोधित करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राज्य बीजेपी ने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं और नागरिकों से इस अनोखी और इंटरैक्टिव पहल में हिस्सा लेने के लिए ऐप डाउनलोड करके रजिस्टर करने की बात कही है। असम में 126 सीटों वाली विधानसभा के लिए मौजूदा बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार और कांग्रेस के बीच मुकाबला होगा। सरमा के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार लगातार तीसरा कार्यकाल हासिल करने की कोशिश करेगी जबकि कांग्रेस का लक्ष्य सत्ता में फिर वापसी का है।

शंकराचार्य पर केस करने वाले ब्रह्मचारी को पाकिस्तान से मिली धमकी कहा- बम से उड़ा देंगे

शामली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के शामली जनपद के कांधला क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट (मथुरा) के अध्यक्ष आशुतोष ब्रह्मचारी को जान से मारने की धमकी दी गई है। आशुतोष महाराज ने आरोप लगाया है कि उन्हें और उनके अधिवक्ता को बम से उड़ाने की सीधी चेतावनी दी गई है। इस मामले ने तब और भी गंभीर रूप अख्तियार कर लिया जब पुलिस की प्रारंभिक जांच में वह मोबाइल नंबर पाकिस्तान का पाया गया। अंतरराष्ट्रीय नंबर से आई इस कॉल ने सुरक्षा एजेंसियों और स्थानीय प्रशासन के कान खड़े कर दिए हैं। इस पूरे विवाद की जड़ स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से जुड़ा एक कानूनी मामला बताया जा रहा है। आशुतोष ब्रह्मचारी ने उच्च न्यायालय द्वारा स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को दी गई अग्रिम जमानत को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है और वहां एक विशेष अनुमति याचिका दाखिल की है। महाराज के अनुसार, जैसे ही उन्होंने 25 मार्च को देश की शीर्ष अदालत में इस मामले की पैरवी तेज की, उन्हें डराने-धमकाने का सिलसिला शुरू हो गया। शुक्रवार शाम लगभग 5:53 बजे उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आई, जिसमें फोन करने वाले ने स्पष्ट शब्दों

में कहा कि यदि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से अपनी याचिका वापस नहीं ली, तो उन्हें और उनके वकील को बम से उड़ा दिया जाएगा। घटना की सूचना मिलते ही कांधला थाना पुलिस और भारी बल मौके पर पहुंचा। शामली के पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल सर्विलांस टीम को सक्रिय किया। जांच में पुष्टि हुई है कि जिस नंबर से धमकी भरी कॉल आई थी, उसका कंट्री कोड पाकिस्तान का है। एसपी ने बताया कि तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर गहन जांच जारी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस अंतरराष्ट्रीय कॉल के पीछे स्थानीय स्तर पर कौन लोग शामिल हो सकते हैं। आशुतोष ब्रह्मचारी ने पुलिस को शिकायती पत्र सौंपकर अपनी और अपने सहयोगियों की जान को खतरा बताते हुए अतिरिक्त सुरक्षा की मांग की है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वे धर्म और न्याय की इस लड़ाई से पीछे नहीं हटेंगे। फिलहाल, पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और कांधला स्थित उनके आवास के आसपास सतर्कता बढ़ा दी गई है। खुफिया एजेंसियां भी इस कॉल के मूल स्रोत और किसी संभावित साजिश की जांच में जुट गई हैं।

असम में मिया वाले बयान से गरमाई सियासत, जुबानी जंग के भरोसे लड़ा जा रहा विस चुनाव

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम विधानसभा चुनाव के करीब आते ही राज्य की राजनीति में जुबानी जंग और तीखी हो गई है। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल के एक ताजा बयान ने राज्य के सियासी गलियारों में हलचल मचा दी है। गुवाहाटी में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए अजमल ने दावा किया कि आगामी चुनाव के बाद असम की राजनीति में मिया समुदाय का दबदबा काफी बढ़ जाएगा और वर्तमान मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का प्रभाव कम हो जाएगा। उनका कहना है कि चुनाव परिणामों के बाद राज्य का सत्ता संतुलन पूरी तरह बदल जाएगा।

असम की राजनीति में मिया शब्द का प्रयोग बंगाली भाषी मुसलमानों के लिए किया जाता है। राज्य की करीब 3.12 करोड़ की आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी लगभग 34 प्रतिशत है, जिसमें से बड़ा हिस्सा बंगाली भाषी

मुसलमानों का है। अजमल का यह बयान मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के उस पिछले विवादित बयान के जवाब के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें मुख्यमंत्री ने कहा था कि पिछले पांच वर्षों में उनकी सरकार ने मियाओं के हाथ-पैर तोड़े हैं और अगले पांच वर्षों में उनकी कमर तोड़ दी जाएगी। इन बयानों के बाद राज्य में ध्रुवीकरण की राजनीति और तेज होने की संभावना है।

इस चुनावी समर में एआईयूडीएफ को असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी का भी साथ मिल रहा है। अजमल ने जानकारी दी है कि ओवैसी 2 और 3 अप्रैल को असम के दौरे पर रहेंगे, जहां वे विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में कम से कम आठ जनसभाओं को संबोधित करेंगे। खुद बदरुद्दीन अजमल इस बार बिन्नाकांडी सीट से मैदान में हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में धुबरी सीट से मिली करारी हार के बाद अजमल के लिए यह चुनाव साख की लड़ाई बन गया है। पार्टी के चुनावी इतिहास पर नजर डालें तो 2016 में एआईयूडीएफ ने 13 सीटें जीती थीं, जबकि 2021 में कांग्रेस के साथ गठबंधन कर यह आंकड़ा 15 तक पहुंचा था। इस बार 2026 के चुनाव में पार्टी ने 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। असम की सभी 126 विधानसभा सीटों के लिए 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होगा, जबकि चुनाव के नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। इस चुनाव के परिणाम यह तय करेंगे कि असम की सत्ता की चाबी किसके हाथ में होगी।

खाड़ी युद्ध से गहराते पेट्रोलियम संकट के बीच यूपी में गोबर गैस बनेगी राहत का जरिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य पूर्व में ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में हलचल पैदा कर दी है। युद्ध की इन परिस्थितियों के कारण पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति बाधित होने का खतरा मंडरा रहा है। इस संभावित संकट को भांपते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों पर बड़े पैमाने पर काम शुरू कर दिया है। सरकार की योजना प्रदेश भर की गौशालाओं में गोबर गैस प्लांट (बायोगैस) स्थापित कर एलपीजी रसोई गैस का एक ठोस विकल्प तैयार करने की है।

इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत उत्तर प्रदेश में संचालित सभी 7,527 गौशालाओं और गो-आश्रय स्थलों को ऊर्जा उत्पादन के केंद्रों में बदला जाएगा। वर्तमान में राज्य के इन केंद्रों में लगभग 12.39 लाख गोवंशीय पशु मौजूद हैं। अब तक इन गौशालाओं से प्राप्त गोबर का मुख्य उपयोग केवल जैविक खाद या कंपोस्ट बनाने तक सीमित था, लेकिन अब इसके एक-एक अंश का उपयोग ईंधन उत्पादन के लिए किया जाएगा। वर्तमान में 80 बड़ी गौशालाओं में बायोगैस प्लांट पूरी तरह क्रियाशील हैं, जिन्हें सफलता के मॉडल के रूप में देखा जा रहा है। उत्तर प्रदेश गो-सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस परियोजना को मिशन मोड पर चलाने के निर्देश दिए हैं। योजना का उद्देश्य न केवल ईंधन के मामले में आत्मनिर्भरता हासिल करना है, बल्कि ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों को रसोई गैस की कीमतों में संभावित बढ़ोतरी से राहत दिलाना भी है। यह पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक क्रांतिकारी कदम साबित होगी।

रणनीति के अनुसार, पहले चरण में सरकारी और संरक्षित गौशालाओं में प्लांट लगाए जाएंगे। इसके बाद दूसरे चरण में व्यक्तिगत पशुपालकों को भी इस दायरे में लाया जाएगा। आंकड़ों पर गौर करें तो प्रदेश में 6,433 अस्थायी गौशालाओं में 9.89 लाख, 518 वृहद गो-संरक्षण केंद्रों में 1.58 लाख और कान्हा व कांजी हाउस जैसे केंद्रों में हजारों गोवंश पल रहे हैं। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत भी लाखों गोवंश पशुपालकों के पास हैं, जिन्हें इस श्रृंखला से जोड़ने की तैयारी है। विशेषज्ञों का मानना है कि खाड़ी देशों में छिड़ा युद्ध यदि लंबा खींचता है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है, तो उत्तर प्रदेश का यह स्वदेशी विकल्प आम जनता के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच का काम करेगा। इससे न केवल कचरे का सही प्रबंधन होगा, बल्कि गांवों में ऊर्जा के सस्ते और सुलभ स्रोत उपलब्ध होंगे।

किसानों और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लिए पेट्रोल, डीजल और डीएपी की आपूर्ति . . .

प्रथम पृष्ठ का शेष

देश के 41 देशों के साथ आयात समझौते हैं और राष्ट्रीय स्तर पर 60 दिनों का पेट्रोल-डीजल तथा 30 दिनों का एलपीजी स्टॉक पहले से सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि जमाखोरी या घबराहट में खरीदारी करने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि मुख्य सचिव स्वयं आपूर्ति पर नजर रख रहे हैं। जमाखोरी और कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, एलपीजी रीफिल के लिए 71,000 अनुरोध प्राप्त हुए थे, जिनमें से 69,000 की डिलीवरी की जा चुकी है। राज्य में किसी भी प्रकार के लॉकडाउन की कोई संभावना नहीं है और सभी कार्य सामान्य रूप से चल रहे हैं। कुल 1,497 स्थानों पर जांच की गई, जिसमें 301 एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि कृषि और उद्योग दोनों को किसी प्रकार की बाधा का सामना न करना पड़े। एलपीजी, पेट्रोल और डीजल से संबंधित समस्याओं के लिए हेल्पलाइन नंबर 0172-3321001 शुरू किया गया है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा में पंजाब की भूमिका का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, वर्तमान स्थिति में पंजाब अपने गोदामों से 41 लाख मीट्रिक टन गेहूं देने के लिए तैयार है, जबकि इस वर्ष 140 लाख मीट्रिक टन गेहूं उत्पादन की उम्मीद है। इसके अलावा, देश की सेवा के लिए पंजाब 139 लाख मीट्रिक टन धान उपलब्ध कराने के लिए भी तैयार है। राज्य ने हमेशा जरूरतमंदों और गरीबों की मदद की है। यदि देश को 181 लाख मीट्रिक टन गेहूं और 139 लाख मीट्रिक टन धान की आवश्यकता है, तो इसे किसी भी समय उठाया जा सकता है। पंजाब इस समय भी देश का साथ देने की अपनी गौरवशाली परंपरा को बनाए रखेगा। तेल कीमतों के संबंध में केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदम का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा, पेट्रोल और डीजल पर अतिरिक्त कर कम करने का निर्णय विश्वास बढ़ाने वाला कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार को प्राथमिकता के आधार पर डीएपी खाद की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए, क्योंकि पंजाब में धान की बुवाई 1 जून से शुरू हो रही है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में एलपीजी रीफिल की प्रतीक्षा अवधि को 45 दिनों से घटाकर शहरी क्षेत्रों के बराबर 25 दिन किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री के साथ अपनी बातचीत का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, वर्चुअल बैठक के दौरान मैंने पंजाब से जुड़े सभी महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। मैंने प्रधानमंत्री से अपील की कि वे कूटनीतिक माध्यमों का सक्रिय रूप से उपयोग करें, ताकि देश को किसी भी प्रकार की कमी का सामना न करना पड़े। भले ही हम 'विश्व गुरु' बनने का दावा करते हैं, लेकिन आवश्यक संसाधनों को सुरक्षित करने में आत्मनिर्भरता और रणनीतिक क्षमता ही हमारी वास्तविक ताकत को दर्शाती है।

फरीदकोट नशा विरोधी अभियान में पंजाब के शीर्ष जिलों में शामिल

फरीदकोट, 26 मार्च। भगवंत मान सरकार के नशा विरोधी अभियान के तहत फरीदकोट जिला एक मजबूत उदाहरण बनकर सामने आया है। जिले में कुल अपराध में 37% की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि लूटपाट के मामलों में 97% रिकवरी दर हासिल हुई है। यह युद्ध नशेयां विरुद्ध और 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत लगातार चल रही कार्रवाई का परिणाम है। फरीदकोट में यह बदलाव सख्त कार्रवाई, तकनीक आधारित निगरानी और मजबूत जनभागीदारी के संयोजन से संभव हुआ है। इन प्रयासों ने स्थानीय स्तर पर नशा नेटवर्क को कमजोर किया है और कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाया है। भगवंत मान सरकार का नशे के तंत्र को खत्म करने का अभियान अब जिला स्तर पर साफ दिखाई देने लगा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ग्राम रक्षा समितियों गैर-सरकारी संगठनों और सामाजिक संस्थाओं के साथ नियमित बैठकों से जमीनी स्तर की खुफिया जानकारी मजबूत हुई है। इसके चलते लोग अब नशा तस्करों और असामाजिक तत्वों की जानकारी सक्रिय रूप से साझा कर रहे हैं, जिससे पुलिस को तेजी और सटीकता से सख्त कार्रवाई करने में मदद मिल रही है। अभियान की निगरानी कर रहीं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रज्ञा जैन, आईपीएस ने कहा, लोगों का पुलिस पर भरोसा बढ़ा है क्योंकि सूचनादाताओं की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाती है और तुरंत कार्रवाई की जाती है। हर आयु वर्ग के लोग इस अभियान में सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह विश्वास नशे और अपराध के खिलाफ कार्रवाई में एक महत्वपूर्ण ताकत बनकर उभरा है। इस

बदलाव में तकनीक की भी अहम भूमिका रही है। फरीदकोट के प्रमुख स्थानों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों ने निगरानी और प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत किया है। ढिलवां कलां गांव में एक व्यापक सीसीटीवी नेटवर्क स्थापित किया गया है, जो लिंक सड़कों और आसपास के राजमार्गों को कवर करता है। इस प्रणाली की रियल-टाइम निगरानी गांव प्रशासन और पुलिस दोनों के पास उपलब्ध है, जिससे संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। स्थानीय लोगों ने भी इन प्रयासों के असर को स्वीकार किया है। गांव के सरपंच सुखजीत सिंह ने बताया कि सीसीटीवी निगरानी के जरिए नशा तस्करी से जुड़ी संदिग्ध गतिविधियों का समय रहते पता चल रहा है, जिससे पुलिस तुरंत कार्रवाई कर पा रही है और अपराध होने से पहले ही आरोपियों को पकड़ा जा रहा है। सिविल सोसायटी के प्रतिनिधियों ने भी इस बदलाव को सकारात्मक बताया है। सहारा सेवा सोसाइटी के चेयरमैन प्रवीण काला ने कहा कि सख्त कार्रवाई से जिले में नशा तस्करी के नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है और पुलिस के साथ लोगों का सहयोग लगातार बढ़ रहा है। अधिकारियों ने बताया कि सख्त कार्रवाई के साथ-साथ जागरूकता अभियान, स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय और पर्यावरण व पौधारोपण जैसी सामुदायिक पहल भी चलाई जा रही हैं, ताकि नशे के खिलाफ दीर्घकालिक सामाजिक बदलाव सुनिश्चित किया जा सके। भगवंत मान सरकार के युद्ध नशेयां विरुद्ध अभियान के तहत सख्त पुलिसिंग, तकनीक का प्रभावी उपयोग और मजबूत जनभागीदारी के साथ फरीदकोट एक आदर्श जिले के रूप में उभर रहा है। यह दिखाता है कि समन्वित प्रयासों से नशा नेटवर्क को कमजोर किया जा सकता है और कानून-व्यवस्था में जनता का विश्वास और मजबूत किया जा सकता है।

इंडिया गेट पर वोका से होंगे चालान, मथुरा रोड और आसपास भी लगाए जाएंगे आरएलवीडी कैमरे

नई दिल्ली। अगर आप इंडिया गेट घूमने जा रहे हैं तो अपने वाहन को पार्किंग में ही पार्क करें। अगर आपने वाहन को नो पार्किंग जोन में पार्क किया तो वोका-वॉयलेशन ऑन कैमरा (कैमरे पर उल्लंघन) के जरिये तुरंत चालान हो जाएगा। इसके अलावा इंडिया गेट पर जनता को तीन और पार्किंग मिलीं हैं। ये पार्किंग इंडिया वॉटर चैनल के दोनों तरफ हैं। अभी तक एक बस की व दो अन्य पार्किंग थीं। दिल्ली यातायात पुलिस की नई दिल्ली रेंज के पुलिस उपायुक्त शोभित सक्सेना ने बताया कि इंडिया गेट और कर्तव्य पथ के आस-पास भीड़ कम करने और ट्रैफिक को सुचारू बनाने की योजना पर काम चल रहा। आने वाले दिनों में इंडिया गेट तथा कर्तव्य पथ इलाके में छात्रों परिवारों और पर्यटकों की भारी भीड़ को देखते हुए भीड़ कम करने का एक अभियान चलाया जा रहा। इसका मकसद सही पार्किंग सुनिश्चित करना, गाड़ियों की आवाजाही को व्यवस्थित रखना, ट्रैफिक नियमों का पालन करवाना और गलत पार्किंग तथा गलत दिशा में गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना है। उन्होंने बताया कि मार्च, 2026 के महीने में इंडिया गेट के आस-पास के इलाके में कुल 2253 चालान हुए। इनमें अवैध पार्किंग के 1720, वोका के 293 और बिना हेलमेट के 60 चालान किए गए। वहीं 180 को टो किया गया। पुलिस उपायुक्त सक्सेना ने बताया कि रेड लाइट उल्लंघन का पता लगाने वाले (आरएलवीडी) कैमरे इंडिया गेट, कर्तव्य पथ और नेशनल म्यूजियम, वॉर मेमोरियल जैसी दर्शनीय जगहों पर लगाए जा रहे हैं। रेड लाइट जंप करने के मामलों का अपने-आप चालान करने के लिए मथुरा रोड-भैरों मार्ग, रिंग रोड-भैरों रोड, जनपथ-टॉल्स्टॉय मार्ग पर 10 आरएलवीडी कैमरे लगाए जा रहे हैं। वोका-वोका का मतलब है वॉयलेशन ऑन कैमरा (कैमरे पर उल्लंघन)। अगर कोई गाड़ी रुकती नहीं है या नो-पार्किंग जोन में खड़ी/छोड़ दी जाती है, तो एक पुलिसकर्मी उसका वोका एप से चालान कर देगा। ये फोटो पुलिस हेडक्वॉटर जाएगी और वहां चालान हो जाएगा। ड्राइवर के मोबाइल पर चालान का नोटिस आ जाएगा। उल्लंघन करने वालों को उल्लंघन के लिए जुर्माना भरने हेतु अदालत के माध्यम से बुलाया जाएगा। अकेले मार्च के महीने में, इंडिया गेट और उसके आस-पास 293 वोका जारी हुए हैं। उपायुक्त शोभित सक्सेना ने बताया कि सार्वजनिक पार्किंग की जगहें इंडिया गेट के आस-पास पी1, पी2 व पी3 पार्किंग जगहों के अलावा (जिनमें मान सिंह रोड-नेशनल म्यूजियम के पास से प्रवेश और निकास होता है) के पास थी। अब तीन पार्किंग जनपथ-पी5 (वॉटर चैनल के दोनों ओर) और रफी मार्ग-पी6 (सेंट्रल सेक्रेटेरिएट मेट्रो स्टेशन के पास) पर भी पार्किंग की जगहें उपलब्ध हैं। यात्री बसों को पी1 पर पार्क किया जाता है। दोपहिया और चारपहिया गाड़ियां ऊपर बताई गईं अन्य सभी पार्किंग जगहों पर पार्क की जा सकती हैं। उन्होंने जनता से सलाह दी कि वह अपने वाहन उन पार्किंग स्थलों पर पार्क करें। नई पार्किंग मान सिंह रोड, जनपथ और रफी मार्ग पर जल चैनलों के किनारे उपलब्ध हैं। सेंट्रल विस्टा के कारण अभी तक ये पार्किंग बंद थीं। बस पार्किंग स्थल-पिकनिक पर जाने वाले छात्रों या बसों में आने वाले पर्यटकों के बड़े समूहों के लिए पी1 (मान सिंह रोड की ओर से) पर पार्किंग स्थल चालू किए गए हैं।

अब आसान टेस्ट से होगी क्रॉनिक डायरिया की सही पहचान

नई दिल्ली। लंबे समय से दस्त (क्रोनिक डायरिया) से परेशान मरीजों के लिए राहत की खबर है। अब एक साधारण मल (स्टूल) टेस्ट से बीमारी का पता लगाया जा सकेगा। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के अध्ययन में यह खुलासा हुआ है। डॉ. गोविंद के. मखारिया के नेतृत्व में अध्ययन किया गया, जो इंडियन जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ता शुभम मेहता, समग्र अग्रवाल, आदित्य विक्रम पचीसिया और विकास सचदेव के अनुसार, यह तरीका भविष्य में बड़े स्तर पर अपनाया जा सकता है। अध्ययन में सामने आया है कि बाइल एसिड मालएब्जॉर्प्शन (बीएएम) का पता अब आसान तरीके से लगाया जा सकता है। यह पित्त अम्ल कुअवशोषण एक पाचन संबंधी विकार है, जो पुराने दस्त का एक आम लेकिन अक्सर अनजाना कारण है। अब तक बीएएम की जांच के लिए जो टेस्ट उपलब्ध थे, वे काफी जटिल थे। नए शोध में मल के एक ही सैंपल में बाइल एसिड (एफबीए) की मात्रा मापी जाती है। इसके लिए एंजाइम आधारित स्पेक्ट्रोफोटोमेट्री तकनीक का इस्तेमाल किया गया। अध्ययन में पाया गया कि यदि एफबीए का स्तर 2.8 माइक्रोग्राम प्रति ग्राम या उससे अधिक होता है, तो बीएएम की पहचान काफी सटीक तरीके से की जा सकती है। इस टेस्ट की संवेदनशीलता 89.5 प्रतिशत और विशिष्टता 92 प्रतिशत पाई गई।

शूटिंग पर 3 करोड़ तक सब्सिडी, एवीजीसी और एआई पर खास फोकस

नई दिल्ली। दिल्ली को मीडिया और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री का बड़ा केंद्र बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। आईएफएफडी में दिल्ली पर्यटन और प्रसार भारती के बीच समझौता हुआ, जिससे फिल्म, टीवी और डिजिटल कंटेंट के लिए एक बड़े हब के रूप में विकसित किया जाएगा। शुक्रवार को भारत मंडपम में फिल्म फेस्टिवल के दौरान अहम एमओयू साइन हुआ। समझौता दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम और प्रसार भारती के बीच हुआ है। पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि इस पहल के तहत दिल्ली में एक इंटीग्रेटेड फिल्म, टेलीविजन और मीडिया हब बनेगा, जहां फिल्म, एनीमेशन, वीएफएक्स, गेमिंग और डिजिटल कंटेंट से जुड़े सभी काम एक ही जगह हो सकेंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि ये पहल मेक इन इंडिया और क्रिएटिव इकोनॉमी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी। इससे दिल्ली को ग्लोबल मीडिया हब बनाने में मदद मिलेगी और युवाओं के लिए नए रोजगार के मौके पैदा होंगे। इस प्रोजेक्ट के तहत आधुनिक स्टूडियो, पोस्ट-प्रोडक्शन सुविधाएं और एवीजीसी (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स) हब तैयार किया जाएगा। जल्द आ रही नई फिल्म पॉलिसी = आईएफएफडी इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में कपिल मिश्रा ने दिल्ली एज क्रिएटिव कैपिटल का विजन पेश करते हुए कहा कि राजधानी में फिल्म शूटिंग को बढ़ावा देने के लिए नई फिल्म पॉलिसी लाई जा रही है। इसके तहत शूटिंग करने वालों को 3 करोड़ रुपये तक की सब्सिडी दी जाएगी।

19,778 प्रीपेड मीटर की बत्ती बंद, पानी तक को तरसे

लखनऊ। बिजली महकमे ने शनिवार सुबह आठ बजे से माइनस बैलेंस वाले बकायेदारों के प्रीपेड मीटरों की बत्ती बंद करना शुरू किया। एक घंटे के भीतर 19,778 घरों, दुकानों व कार्यालयों में अंधेरा हो गया। माइनस बैलेंस के मिले मेसेज के आधार पर बकायेदारों ने रकम को जमा कर दिया। मगर, उसमें भी 30 फीसदी बकायेदारों की बिल जमा होने पर ऑटोमेटिक बत्ती चालू नहीं हुई। ऐसे बकायेदारों ने हुसैनगंज कॉल सेंटर सहित सभी कलेक्शन कार्यालयों में हंगामा किया। शनिवार को 6294 कनेक्शन अमौसी, 3269 गोमतीनगर, 4207 जानकीपुरम व 6008 कनेक्शन लखनऊ मध्य जोन में कटे। दोपहर दो बजे तक बकायेदारों ने 2.17 करोड़ के बिल भी जमा किए। हालांकि, शाम छह बजे तक हुसैनगंज कॉल सेंटर, इंद्रलोक हाइडिल कॉलोनी, पुरनिया उपकेंद्र व मंत्री आवास उपकेंद्र स्थित कार्यालयों में बिल जमा करने कटी बिजली को चालू कराने के लिए जूझते रहे। इससे लोगों को बिजली के संग पानी को भी तरसना पड़ा। लखनऊ मध्य जोन के मुख्य अभियंता रवि कुमार अग्रवाल ने बताया कि जिन बकायेदारों की बिल जमा करने के बाद भी बिजली ऑटोमेटिक चालू नहीं हो रही उनका बैलेंस प्लस नहीं होगा। प्लस बैलेंस का मेसेज सिस्टम पर पहुंचते ही इंटेली स्मार्ट कंपनी के ऑपरेटर कमांड देकर उन्हें जोड़ देते हैं। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की है कि बिल जमा करने से पहले अपने पास के कार्यालय या हेल्पडेस्क पर जाकर जमा होने वाली रकम की जानकारी हासिल कर लें। उपभोक्ता के खाते में बैलेंस प्लस होते ही बत्ती चालू हो जाएगी।

प्रॉपर्टी विवाद में बुजुर्ग महिला को राहत, लेकिन घर खाली कराने से इन्कार

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के शकरपुर इलाके से एक अहम मामला सामने आया है, जिसमें 83 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक राज पोपली ने अपने नाती और उसकी पत्नी पर उत्पी ?न का आरोप लगाते हुए घर खाली कराने की मांग की थी। इस मामले में जिला मजिस्ट्रेट (ईस्ट) अमोल श्रीवास्तव की अदालत ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। सुनवाई के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि विवादित मकान की मालिक राज पोपली ही हैं। हालांकि, अदालत ने पाया कि उत्पीड़न से जुड़े आरोप पर्याप्त रूप से स्पष्ट और प्रमाणित नहीं हैं। इसी आधार पर अदालत ने घर खाली कराने का आदेश देने से इन्कार कर दिया। फिर भी अदालत ने बुजुर्ग महिला की उम्र और स्वास्थ्य को देखते हुए उनकी सुविधा के लिए विशेष निर्देश दिए। आदेश में कहा गया कि उन्हें तुरंत ग्राउंड फ्लोर पर शिफ्ट किया जाए, ताकि उन्हें दैनिक जीवन में आसानी हो सके। इसके अलावा, शकरपुर थाना पुलिस को निर्देश दिया गया है कि एक महीने तक हर सप्ताह बीट कांस्टेबल भेजकर महिला की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और स्थिति पर नजर रखी जाए। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रॉपर्टी विवाद के समाधान के लिए आवेदक संबंधित सिविल कोर्ट का रुख कर सकती हैं। आवेदक राज पोपली ने आरोप लगाया था कि उनके नाती कुणाल गांधी और उसकी पत्नी सपना गांधी उन्हें मानसिक रूप से परेशान करते हैं, गाली-गलौज करते हैं और मकान अपने नाम कराने के लिए दबाव बनाते हैं। वहीं, प्रतिवादियों ने इन सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया।

डीजे बजाने को लेकर विवाद में दो पक्षों के बीच विवाद, चाकू से वार कर नाबालिग की हत्या, दोस्त घायल

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के रानीबाग में एक शादी समारोह में डीजे बजाने को लेकर विवाद में दो पक्षों के बीच झगड़े में 17 साल के नाबालिग की हत्या कर दी गई, जबकि उसका दोस्त घायल हो गया। हमलावरों ने दोनों पर चाकू से हमला किया। मृतक की शिनाख्त निखिल यादव और घायल की पहचान सनी के रूप में हुई है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि देर रात चाकूबाजी की घटना की जानकारी के बाद रानीबाग थाना पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक परिवार वाले घायलों को पास के अस्पताल ले जा चुके थे। अस्पताल में डॉक्टरों ने निखिल को मृत घोषित कर दिया। उसके सीने पर चाकू के घाव था। पूछताछ में मृतक के दोस्त ने बताया कि निखिल अपने साथियों के साथ रानी बाग स्थित एक शादी समारोह में गया था। जहां उनका दूसरे कुछ ल ?कों से विवाद हो गया और दूसरे पक्ष ने निखिल और सनी पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्जकर लिया। पुलिस ने रात में दबिश देकर मुख्य आरोपी समेत सात नाबालिगों को पकड़ लिया है और उनसे पूछताछ कर रही है।

NAME CHANGE

I hitherto known as Raj Kumari W/o Brijpal Singh R/o B-55, Sadarpur Colony, Sector 45, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 have changed my name and shall hereafter be known as Bimlesh Devi.

NAME CHANGE

I hitherto known as Savita Devi W/o Nand Ram R/o B-28, Shastri Nagar Bagwali Colony, Kavi Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201002 have changed my name and shall hereafter be known as Babita Devi.

NAME CHANGE

I, Simran D/o Satender Kumar R/o A-114, Paramhans Vihar, Loni Dehat, Loni Ghaziabad, Uttar Pardesh-201102 declare that name of mine and my father have been wrongly written as KM Simran and Satender in my 10th Class Educational Documents and name of my father has been Satender in my Voter Card No. AWX5325584. Correct names are Simran and Satender Kumar

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Akansha Batra is the absolute owner of Freehold Residential Property area adm. 14 Marla i.e. 420 Sq. Yards, Comprised in Khewat No. 583 Khatoni No. 642 Khasra No. 247/1(0-14) adm. 14 Marla its full share i.e. 14 Marla i.e. 420 Sq. Yards Situated at Mauja-Qutubpur Molla Rewari, Tehsil & District- Rewari, Haryana. by virtue, Transfer Deed No. 7572 dated 25.02.2026, in the chain documents below mentioned documents not available i.e. (1) Original Transfer Deed No. 2385 dated 19.07.2018 executed by Mr. Jitender Yadav, Mr. Rakesh, Mrs. Suman in favour of Mrs. Kamla (2)Original Transfer Deed No. 3384 dated 31.08.2018 executed by Mrs. Kamla in favour of Mr. Piyush Yadav (3)Original Transfer Deed No. 8976 dated 27.02.2020 executed by Mr. Omsagar in favour of Mr. Piyush Yadav now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same has been finance by Piramal Finance Ltd. Branch: Gurugram Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, जिसका शाखा कार्यालय लक्ष्मी नगर, नई दिल्ली में स्थित है, श्री अर्पित अग्रवाल को निर्मित एकल मंजिला संपत्ति संख्या जे-295/ए, जिसका भूमि क्षेत्र 50 वर्ग गज (अर्थात 41.80 वर्ग मीटर) है, के बदले वित्तीय सहायता प्रदान करने का इरादा रखती है। यह संपत्ति खसरा संख्या 800 में स्थित है और गांव घोंडा गुजरां खादर की गली संख्या 1, तीसरे पुस्ता के पास, करतार नगर, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110053 में स्थित है। उक्त संपत्ति श्री हरसरन शर्मा के स्वामित्व में थी, जिन्होंने श्री किशोरी लाल द्वारा दिनांक 05.12.1989 को निष्पादित नोटरीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी और दिनांक 05.12.1989 को निष्पादित नोटरीकृत विक्रय समझौते के आधार पर इस पर अपना स्वामित्व प्राप्त किया था। श्री हरसरन शर्मा का 17.03.2018 को बिना वसीयत किए निधन हो गया। उनके पीछे निम्नलिखित कानूनी वारिस हैं- 1) श्री मनोज कुमार शर्मा (पुत्र), 2) श्री देवेंद्र शर्मा (पुत्र), 3) श्रीमती ममता शर्मा (पुत्री) और 4) श्रीमती संतोष देवी (पत्नी)। यह सार्वजनिक सूचना उक्त संपत्ति के संबंध में स्वर्गीय श्री हरसरन शर्मा के कानूनी वारिसों का पता लगाने और किसी भी प्रकार के दावे और आपत्ति आमंत्रित करने के लिए जारी की जा रही है। उक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी प्रकार का अधिकार, हक, हित, दावा या आपत्ति रखने वाले या श्री हरसरन शर्मा के कानूनी वारिस होने का दावा करने वाले किसी भी व्यक्ति से अनुरोध है कि वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर एडवोकेट ऋषि माहेश्वरी (मोबाइल- +91-9340118309) को अपने दावे और सहायक दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करें। यदि निर्धारित अवधि के भीतर कोई दावा या आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो यह मान लिया जाएगा कि उक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी व्यक्ति का कोई दावा या आपत्ति नहीं है, और पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड बिना किसी और संदर्भ के, अपने जोखिम और जिम्मेदारी पर प्रस्तावित वित्तीय सुविधा प्रदान करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाएगी।

ऋषि माहेश्वरी (अधिवक्ता)
कार्यालय का पता- आरजेड-29, ऊपरी भूतल,
भगवती गार्डन जैन रोड,
द्वारका मोड़ के पास, नई दिल्ली 110059।
संपर्क नंबर- +91- 9340118309

Public Notice

I Madhu rani D/O SH. Tikaram HN. 69 Village Nawada Uttam Nagar West Delhi Pin Code 110059, UNDERTAKE THAT I Madhu Rani CHANGE MY NAME Manvik Bhardwaj AND GENDER AS MALE. I Madhu Rani HENCEFORTH BE KNOWN AS Manvik Bhardwaj S/O Tikaram. THE ABOVE STATEMENT MADE BY ME IS TRUE AND CORRECT TO THE BEST OF MY KNOWLEDGE AND BELIEF. IF ANY LEGAL ISSUE ARISES IN THIS REGARD AT ANY STAGE, I WILL BE PERSONALLY RESPONSIBLE FOR THE SAME AND THE DEPARTMENT OF PUBLICATION WILL NOT BE LIABLE AS FOR ANY CONSEQUENCES ARISING THEREFROM.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, जिसका शाखा कार्यालय सोनीपत, हरियाणा में है, श्री रोहित को डीडीए द्वारा निर्मित फ्लैट संख्या 86-ए, भूतल, श्रेणी जनता, ब्लॉक और पॉकेट एएफ, जिसका आधार क्षेत्र 25 वर्ग मीटर है, जो शालीमार बाग, दिल्ली-110088 में स्थित है, की प्रतिभूति के बदले ऋण सुविधा प्रदान करने का प्रस्ताव करता है (जिसे इसके बाद उक्त संपत्ति कहा गया है)। उक्त संपत्ति मूल रूप से श्री मदन लाल के स्वामित्व में थी, जो दिनांक 24.03.2014 के एक हस्तांतरण विलेख के अनुसार है, जो दस्तावेज़ संख्या 4474, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 5132, पृष्ठ संख्या 28 से 30 पर दिनांक 25.03.2014 को विधिवत पंजीकृत है, और उप रजिस्ट्रार VII दिल्ली में विधिवत पंजीकृत है, जिसे भारत के राष्ट्रपति द्वारा डीडीए के माध्यम से निष्पादित किया गया है। श्री मदन लाल का वसीयतनामे के बिना निधन हो गया है। उनके पीछे निम्नलिखित कानूनी वारिस हैं- 1) श्री दीपक (पुत्र), 2) श्रीमती मोनिका (पुत्री), 3) श्रीमती सोनिया (पुत्री), 4) श्रीमती सुनीता (पुत्री), 5) श्रीमती सुशीला (पत्नी) और 6) श्री विकास (पुत्र)। यह सार्वजनिक सूचना उक्त संपत्ति के संबंध में स्वर्गीय श्री मदन लाल के कानूनी वारिसों का पता लगाने और किसी भी प्रकार के दावे और आपत्ति आमंत्रित करने के लिए जारी की जा रही है। उक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी प्रकार का अधिकार, हक, हित, दावा या आपत्ति रखने वाले या श्री मदन लाल के कानूनी वारिस होने का दावा करने वाले किसी भी व्यक्ति से अनुरोध है कि वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर एडवोकेट ऋषि माहेश्वरी (मोबाइल- +91-9340118309) को अपने दावे और सहायक दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करें। यदि निर्धारित अवधि के भीतर कोई दावा या आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो यह मान लिया जाएगा कि उक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी व्यक्ति का कोई दावा या आपत्ति नहीं है, और पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड बिना किसी और संदर्भ के, अपने जोखिम और जिम्मेदारी पर प्रस्तावित वित्तीय सुविधा प्रदान करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाएगी।

ऋषि माहेश्वरी (अधिवक्ता)
कार्यालय का पता- आरजेड-29, ऊपरी भूतल,
भगवती गार्डन जैन रोड,
द्वारका मोड़ के पास, नई दिल्ली 110059।
संपर्क नंबर- +91- 9340118309

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोनू उर्फ़ आरिफ** पुत्र शाहिद अहमद, निवासी- बुद्ध विहार, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश और एलवी नगर, इदगाह के पास, लोनी, उत्तर प्रदेश ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 141/2016 धारा 379/356/411/34 भा.द.स, थाना करावल नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोनू उर्फ़ आरिफ** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **मोनू उर्फ़ आरिफ** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **मोनू उर्फ़ आरिफ, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 141/2016 धारा 379/356/411/34 भा.द.स, थाना करावल नगर, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **29.04.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
सुश्री इसरा ज़ैदी
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-04
कमरा संख्या 64, चौथा तल, उत्तर पूर्व ज़िला
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/4012/NE/2026

NAME CHANGE

I hitherto known as SONAM W/O ANIL R/O A-4/113, NAND NAGRI, NORTH EAST DELHI, DELHI110093 have changed my name and shall hereafter be known as PRERNA.It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I Pinki D/o Shriram Sharma and W/o Shiv Kumar R/O RZ-39B, A1, B-Block, Street No-6, Kailashpuri, Palam, New Delhi-110045 have changed my name to Pinki Sharma for future references.

NAME CHANGE

I, Musina alias Musina Parveen W/o Mohd Ravi and D/o Idrees R/o Plot No. 72, G/F, Block R-3 A-2, Mohan Garden, Uttam Nagar, Delhi-110059 have declared that mine, my husband and my father's correct name is Musina, Mohd Ravi and Idrees, and my correct DOB is 01/01/1974, for all purpose in future.

NAME CHANGE

I, Mohd Zahid Ali S/o. Kurban Ali R/o. H.No-E-574, Gali No-11, Nehru Vihar Mustafabad Delhi-110094 have changed my name to Zahid Ali for all future purposes

NAME CHANGE

I,Neeraj Jain R/o. Flat No-164, 7th Floor, Vasundhra Apartment Sector-7, Rohini Delhi-110085 have changed the name of my minor Son's from Armaan Jain to Arman Jain for all future purpose.

NAME CHANGE

I, Rinju Devi Spouse of Sujit Kumar Rai Army No. JC-563384X Rank - NB/SUB Posted at Bihar, REGT Center, C/o 56 APO, Danapur Cantt Parmanent Resident of Village - New Tarachak, Post - Danapur Cantt, Dist. - Patna, State - Bihar Pin-801503 have changed my name From Rinju Kumari to Rinju Devi & DOB From 26 Jan 1983 to 26 June 1983 for All future purposes. Vide Affidavit Dated 28 March 2026 before The Notary Public at Delhi in presence of Advocate Rajkumar.

NAME CHANGE

I, Sujit Kumar Rai Army No. JC-563384X Rank - NB/SUB Posted at Bihar, REGT Center, C/o 56 APO, Danapur Cantt Parmanent Resident of Village - New Tarachak, Post - Danapur Cantt, Dist. - Patna, State - Bihar Pin-801503 have changed my Daughter name From Sareya Kumari to Shreya Kumari & DOB From 30 March 2007 to 30 March 2006 for All future purposes. Vide Affidavit Dated 28 March 2026 before The Notary Public at Delhi in presence of Advocate Rajkumar.

NAME CHANGE

I, Sujit Kumar Rai Army No. JC-563384X Rank - NB/SUB Posted at Bihar, REGT Center, C/o 56 APO, Danapur Cantt Parmanent Resident of Village - New Tarachak, Post - Danapur Cantt, Dist. - Patna, State - Bihar Pin-801503 have changed my Daughter name From Suruti Kumari to Shruti Rai for All future purposes. Vide Affidavit Dated 28 March 2026 before The Notary Public at Delhi in presence of Advocate Rajkumar.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नामः **अर्जुन नाथ, पुत्रः जगन नाथ, निवासीः तिवारी का मकान, गांव भोवापुर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) इसके विरुद्ध **FIR No.82/2017 U/S 380/457/411/34 IPC** के तहत एक मामला **थाना मॉडल टाउन, उत्तर पश्चिम जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया है कि अभियुक्त **अर्जुन नाथ** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **अर्जुन नाथ** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा है कि **FIR No.82/2017 U/S 380/457/411/34 IPC, थाना मॉडल टाउन, उत्तर पश्चिम जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **अर्जुन नाथ** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए दिनांक **12.05.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, श्री हिमांशु सहलोथ
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–03 (उत्तर)
न्यायालय नं.–213, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/3921/NW/2026
(अदालती मामला)

अभियुक्त व्यक्तियों की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **(1) राम बहादुर** पुत्र शेर बहादुर **(2) अनिल बहादुर** पुत्र खुमान सिंह **(3) प्रेम बहादुर** पुत्र गौरख बहादुर **(4) राजेंद्र बहादुर** पुत्र शेर बहादुर, **सभी निवासी** तिवारी का मकान, ग्राम भोवापुर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश तथा **(5) सागर कुमार** पुत्र प्रशांत कुमार निवासी झुग्गी संख्या एन 23, खिलौना बाग, मॉडल टाउन, दिल्ली ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 82/2017** धारा **380/457/411/34 भा.दं.सं.थाना मॉडल टाउन, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उन पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि **उक्त अभियुक्त** मिल नहीं रहे हैं, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि **उक्त अभियुक्त** फरार हो गए हैं (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहे हैं)। इनके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा **धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता** की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्धोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 82/2017** धारा **380/457/411/34 भा.दं.सं.थाना मॉडल टाउन, दिल्ली** के **उक्त अभियुक्तों (1) राम बहादुर, (2) अनिल बहादुर, (3) प्रेम बहादुर, (4) राजेंदर बहादुर और (5) सागर कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **12.05.2026** को हाजिर हों।

आदेशानुसार: श्री हिमांशु सहलोथ,
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी-03,
उत्तर, न्यायालय संख्या 213,
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली।

DP/3802/NW/2026

Public Notice

I SAYJAL CHAUDHARY D/O NARENDRA CHAUDHARI R/O GEETA PURI, KHATAULI DEHAT, KHATAULI ,MUZAFFARNAGAR, UTTAR PRADESH - 251201 UNDERTAKE THAT I SAYJAL CHAUDHARY CHANGE MY GENDER AS MALE. I SAYJAL CHAUDHARY HENCEFORTH BE KNOWN AS SAYJAL CHAUDHARY S/O NARENDRA CHAUDHARI. THE ABOVE STATEMENT MADE BY ME IS TRUE AND CORRECT TO THE BEST OF MY KNOWLEDGE AND BELIEF. IF ANY LEGAL ISSUE ARISES IN THIS REGARD AT ANY STAGE, I WILL BE PERSONALLY RESPONSIBLE FOR THE SAME AND THE DEPARTMENT OF PUBLICATION WILL NOT BE LIABLE AS FOR ANY CONSEQUENCES ARISING THEREFROM.

NAME CHANGE

I, AV SANDHYA mother of JC-879999L, Rank-NB SUB, Name-SUMESH AV residing at VILL-CHERUTHAZHAM, PO-VILAYANCODE, TEH- PAYYANUR, DISTT-KANNUR, KERLA-670504, have changed my name from AV SANDHYA to AVARONTHAN VEETTIL SANTHAKUMARI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1963 instead of my correct date of birth as 23/11/1959 Vide Affidavit dated 28/03/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, PREM CHANDER JOSHI S/O K C JOSHI residing at H NO-45-C, STREET NO-10, NEW GOVIND PURA, KRISHNA NAGAR, SHAHDARA, DELHI-110051 have changed my name to PREM JOSHI for all future purpose.

NAME CHANGE

I, SREE LAKSHMI wife of JC-340599A, Rank-SUB, Name-BASHYAM KIRAN MADHAV presently residing at VILL-RUDRAVARAM, PO-JUTUR, TEHSIL-ATMAKUR, DIST-NANDYAL, ANDHRA PRADESH-518501, have changed my name from SREE LAKSHMI to BASHYAM SREELAKSHMI for all future purposes vide Affidavit dated 28/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD NASEER S/O MOHAMMAD SULEMAN residing at B-97 JOSHI COLONY PATPARGANJ I P EXTENSION SHANKARPUR DELHI-110092 have changed my name to MOHD NASEER for all future purpose.

NAME CHANGE

I, NANDANI D/O SURESH CHOUDHARY residing at N-249/11 SAURABH VIHAR BADARPUR, JAIT PUR, DELHI-110044 have changed my name to NANDANI CHAUDHARY for all future purpose.

कौमी पत्रिका

संपादक–गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

कैथल में गैस किल्लत के बीच प्रशासन की अपील, पीएनजी कनेक्शन चालू करवाएं

एजेंसी

कैथल। जिले में गैस किल्लत की समस्या को देखते हुए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने शहरी क्षेत्र के उपभोक्ताओं से अपील की है कि जिन घरों में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की फिटिंग पूरी हो चुकी है, वे अपनी सिक्योरिटी फीस जमा करवाकर कनेक्शन चालू करवा लें। जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक वरिंद्र सिंह ने बताया कि इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड द्वारा जिले में अब तक 33 हजार 396 घरेलू कनेक्शन की फिटिंग की जा चुकी है। इनमें से 10 हजार 617 कनेक्शन सक्रिय हैं, जबकि लगभग 22 हजार 779 उपभोक्ता ऐसे हैं जिनके यहां मीटर लगने के बावजूद गैस का उपयोग शुरू नहीं हुआ है। विभाग ने इसे गंभीरता से लेते हुए उपभोक्ताओं से कहा कि वे अपनी सिक्योरिटी जमा करवाते हुए इसे चालू करवाएं। उन्होंने कहा कि पीएनजी गैस, एलपीजी की तुलना में अधिक किफायती और सुरक्षित है। पीएनजी की कीमत लगभग 56.70 रुपये प्रति किलोग्राम है, जबकि एलपीजी की कीमत 65.30 रुपये प्रति किलोग्राम है। इसके अलावा पीएनजी की सप्लाई 24 घंटे निरंतर उपलब्ध रहती है, जिससे उपभोक्ताओं को सिलेंडर खत्म होने की चिंता नहीं रहती।

मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव साकेत कुमार ने किया अनाज मंडी का दौरा

कैथल। मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव एवं जिला के प्रशासनिक सचिव डॉ. साकेत कुमार ने कहा है कि रबी सीजन के दौरान गेहूं व अन्य फसलों की खरीद को समुचित रूप से की जाए। किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। सरकार ने गेहूं खरीद के लिए जो भी नए प्रावधान किए हैं, उनके पालन के लिए सभी मंडियों में व्यापक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। मंडियों में सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं। बारदाने की पूरी व्यवस्था की जाए और फसल खरीद के बाद उसका समयबद्ध उठान किया जाए, ताकि मंडी में जाम जैसी स्थिति पैदा न हो। मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. साकेत कुमार अनाज मंडी कैथल में अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक के बाद उन्होंने मंडी का दौरा भी किया। साथ ही आढ़तियों की समस्याएं भी सुनीं। उन्होंने गेहूं खरीद की तैयारियों की बारीकी से समीक्षा की। इस दौरान डीसी अपराजिता व अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि सभी उपकरणों को समयबद्ध दुरूस्त करवाएं। इस कार्य में कोई भी लापरवाही न बरती जाए। गेट पास के बारे में बारीकी से जानकारी प्राप्त ली। जिसमें नए प्रावधान के तहत मंडी में प्रवेश के समय किसानों की फोटो खींचने से लेकर बायोमीट्रिक तक एवं बाद में एजेंसी के रिकॉर्ड में इंद्राज तक की पूरी प्रक्रिया की बारीकी से समीक्षा की।

यमुना को स्वच्छ बनाने बारे यमुना एक्शन प्लान की हुई समीक्षा

गुरुग्राम। यमुना को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त बनाने के उद्देश्य से गुरुग्राम में चल रहे कार्यों को और गति देने के लिए हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव योगेश कुमार ने यहां विकास सदन में समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान ड्रेनों को प्रदूषण मुक्त करने के लिए तैयार कार्य योजना की विस्तार से समीक्षा की गई। सदस्य सचिव योगेश कुमार ने हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तथा गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) के अधिकारियों से कार्यप्रगति की विस्तृत रिपोर्ट लेने के उपरांत निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूरा करते हुए जमीन पर प्रभावी परिणाम सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर विशेष जोर दिया। योगेश कुमार ने निर्देश दिए कि एसटीपी की संयुक्त सैंपलिंग फिर से कराई जाए और 15 दिनों के भीतर इसकी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि लेग-3 से लेग-2 में बिना उपचारित पानी के डायवर्जन को 15 दिनों के भीतर सुनिश्चित किया जाए, ताकि उपचारित पानी का उपयोग सिंचाई कार्यों में किया जा सके।

गंदगी फैलाने वालों पर मानेसर नगर निगम ने ठोंका एक लाख से ज्यादा जुर्माना

गुरुग्राम। नगर निगम मानेसर ने स्वच्छता अभियान के तहत गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। मार्च महीने में अब तक 118 लोगों के चालान किए गए। इन चालान में सबसे अधिक सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल करने वालों के हुए। खुले में कूड़ा डालने वाले 17 लोगों से 51 हजार रुपये से ज्यादा का जुर्माना वसूला गया। आयुक्त प्रदीप सिंह ने कहा कि निगम क्षेत्र में स्वच्छता रखना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ कोई ढील नहीं बरती जाएगी। उन्होंने कहा कि खुले में कूड़ा डालने, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग, अवैध मीट की दुकान और पानी की बर्बादी जैसे उल्लंघनों पर तत्काल चालान किए जाने चाहिए। उन्होंने बताया कि स्वच्छता शाखा की टीम ने इस महीने में 118 लोगों के चालान किए गए है। टीम ने विभिन्न वार्डो, बाजार और गांवों में छापेमारी करके चालान किए। सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल करने वाले 93 लोगों से 73 हजार रुपये, स्वच्छ पानी बर्बाद करने वाले से एक हजार रुपये, दुकानों पर अवैध विज्ञापनकर्ताओं से 3 हजार रुपये, खुले में कूड़ा डालने वाले 17 लोगों से 51 हजार 500 रुपये और एक चालान मीट की दुकान का किया गया। आयुक्त ने कहा कि यह कार्रवाई लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए है, यदि लोग नियमों का पालन करेंगे तो जुर्माना नहीं लगेगा।

हरियाणा में 4,032 सरकारी पेट्रोल पंप सक्रिय : सीएम नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में ईंधन और गैस की उपलब्धता को लेकर प्रदेश सरकार ने स्थिति को पूरी तरह नियंत्रण में बताया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को जानकारी दी कि राज्यभर में 4,032 सरकारी पेट्रोल पंप संचालित हो रहे हैं। इन पंपों पर रोजाना औसतन 4,804 किलोलीटर पेट्रोल और 12,003 किलोलीटर डीजल की बिक्री हो रही है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा को प्रतिदिन करीब 2 लाख गैस सिलेंडर मिल रहे हैं, जबकि लगभग 1.90 लाख सिलेंडर उपभोक्ताओं तक पहुंचाए जा रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई भी लगातार बनाए रखी जा रही है। फिलहाल राज्य में 1.73 लाख कमर्शियल गैस सिलेंडर का स्टॉक उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष कदम उठा रही है कि अस्पतालों, स्कूलों और अन्य जरूरी संस्थानों में गैस की कोई कमी न हो। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने कमर्शियल एलपीजी सेक्टर के लिए 70 प्रतिशत आवंटन का ढांचा तय किया है, वहीं घरेलू एलपीजी उत्पादन में 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है, ताकि आयात पर निर्भरता कम हो सके।

सीएम सैनी ने कालाबाजारी और जमाखोरी के खिलाफ सख्त चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इसके अलावा, उन्होंने पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) को लेकर भी बड़ा फैसला बताया। पहले पाइपलाइन बिछाने के लिए 10 साल का अग्रिम भुगतान करते हुए प्रति किलोमीटर 3 लाख रुपए का लीज रेट लिया जाता था, जिसे अब घटाकर एकमुश्त 1,000 रुपए प्रति किलोमीटर कर दिया गया है। राज्य में पीएनजी सेवाओं के लिए 13,33,603 कनेक्शन देने का लक्ष्य तय किया गया है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक गैस पाइपलाइन के क्षेत्र में हरियाणा मजबूत स्थिति में है।

मुख्यमंत्री ने पेट्रोलियम उत्पादों पर एक्साइज ड्यूटी घटाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार भी जताया। उन्होंने कहा कि इससे आम लोगों के लिए पेट्रोल, डीजल और गैस की कीमतें स्थिर बनी रहेंगी।

महाराष्ट्र पुलिस को पसंद आया है हरियाणा 'अभेद्य ऐप'

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस द्वारा फिरौती मांगने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए हाल ही में शुरू किया 'अभेद्य ऐप' महाराष्ट्र पुलिस को पसंद आ गया है। हरियाणा देश का पहला ऐसा राज्य है जिसने फिरौती की धमकियों पर लगाम लगाने के लिए अभेद्य मोबाइल ऐप लागू किया है। हरियाणा पुलिस की यह योजना महाराष्ट्र पुलिस को पसंद आ गई है। महाराष्ट्र पुलिस ने हरियाणा पुलिस से यह आइडिया तथा इसके आउटकम के बारे में जानकारी मांगी है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में आए दिन फिरौती मांगने की घटनाएं सामने आती रहती हैं।

हरियाणा पुलिस द्वारा हाल ही में इस तरह की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए अभेद्य मोबाइल ऐप लागू किया गया है। सबसे पहले महाराष्ट्र पुलिस ने इस मोबाइल ऐप में दिलचस्पी दिखाई है। हरियाणा में अभी इस मोबाइल ऐप को गूगल प्ले स्टोर पर नहीं डाला गया है। फिलहाल जिले के एसपी के माध्यम से इसका एक्सेस दिया जा रहा है। महाराष्ट्र पुलिस इसे सार्वजनिक करना चाहती है। हरियाणा पुलिस की सोशल मीडिया टीम द्वारा इस मोबाइल ऐप का फीडबैक एकत्र किया जा रहा है। जिसके आधार पर केस रिपोर्ट तैयार की जाएगी। इस रिपोर्ट को महाराष्ट्र समेत अन्य राज्यों से साझा किया जाएगा।

हरियाणा पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने बताया कि हरियाणा में अभी यह ऐप शुरू किया गया है। करीब 15 से 20 दिन प्रदेश के सभी जिलों में चलने तथा इसका प्रेक्टिकल होने के बाद ही इसे अन्य राज्यों के साथ साझा किया जाएगा। ट्रायल रन में आने वाली दिक्कतों को सुलझाया जाएगा। फिलहाल महाराष्ट्र पुलिस ने इसके बारे में जानकारी मांगी है।

वैश्विक महंगाई के बीच पेट्रोल डीजल पर कर कटौती राहत : मोहनलाल बड़ौली

एजेंसी

सोनीपत। वैश्विक स्तर पर बढ़ती महंगाई और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में बड़ी कटौती कर आम जनता को राहत देने का निर्णय लिया है। केन्द्र का यह कदम जनहित में लिया गया साहसिक फैसला है।भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि सरकार ने पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क 13 रुपये से घटाकर तीन रुपये प्रति लीटर कर दिया है, जबकि डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर का शुल्क पूर्ण रूप से समाप्त कर दिया गया है। यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब कच्चे तेल की कीमतें एक महीने में लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 122 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं। इसके कारण विश्व के कई देशों में ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि देखी गई है। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि दक्षिण-पूर्व एशिया में ईंधन कीमतों में 30 से 50 प्रतिशत, उत्तर अमेरिका में लगभग 30 प्रतिशत, यूरोप में 20 प्रतिशत और अफ्रीका में करीब 50 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। ऐसे वैश्विक दबाव के बावजूद भारत ने कर कटौती का रास्ता अपनाकर नागरिकों को राहत देने का निर्णयम् लिया। मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि इस कदम से परिवहन लागत घटेगी, जिससे खाद्य पदार्थों और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। साथ ही तेल कंपनियों पर पड़ने वाला वित्तम् संबंधी दबाव भी कम होगा। सरकार ने डीजल पर 21 रुपये 50 पैसे प्रति लीटर तथा विमान ईंधन (एटीएफ) पर 29 रुपये 50 पैसे प्रति लीटर का निर्यात शुल्क लगाकर देश में ईंधन उपलब्धता सुनिश्चित करने का प्रबंध किया है।

सांसद नवीन जिंदल ने सड़कों की बदहाल स्थिति पर जताई नाराजगी, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

एजेंसी

कैथल। जिले में विकास कार्यों में देरी और लापरवाही पर सांसद नवीन जिंदल ने कड़ा रुख अपनाया है। लघु सचिवालय में आयोजित जिला विकास, समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी सूरत में देरी और गुणवत्ता में कमी स्वीकार नहीं की जाएगी।बैठक में केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। सांसद ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी तालमेल से काम करें और फील्ड में जाकर योजनाओं की निगरानी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि लंबित परियोजनाओं को तय समय सीमा में पूरा करना प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। सांसद ने जिले की सड़कों की खराब स्थिति पर नाराजगी जताते हुए कहा कि कैथल-चीका रोड सहित कई

प्रमुख मार्ग जर्जर हालत में हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। पूंडरी से पाई, ढांड से कुरुक्षेत्र, फ्रांसवाला रोड, कैथल-सिसला धाम मार्ग और तितरम मोड़ से चौधरी छोटू राम चौक सहित कई सड़कों का मुद्दा बैठक में प्रमुखता से उठा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी गड्ढों की जल्द मरम्मत करवाई जाए और जहां नई सड़कें बननी हैं, वहां शीघ्र टेंडर प्रक्रिया पूरी की जाए। बैठक में निर्माणाधीन परियोजनाओं की भी विस्तार से समीक्षा की गई। सांसद ने चीका स्टेडियम का निर्माण कार्य 31 मई तक हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा गांव क्योड़क में बन रहे लुवास के रीजनल सेंटर, राजौंद में सड़क निर्माण और एसटीपी प्लांट के कार्यों में तेजी लाने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले की सभी लंबित परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। सांसद जिंदल ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि सड़कों के निर्माण में आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाए, विशेषकर कंक्रीट सड़कों के लिए मशीनों का प्रयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि सड़कें टिकाऊ बनें और जल निकासी की समस्या भी कम हो। ठेकेदारों की जवाबदेही तय करते हुए उन्होंने कहा कि डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड के दौरान सड़क की मरम्मत की जिम्मेदारी संबंधित ठेकेदार की होगी।

सड़क नेटवर्क को मजबूत करने के साथ-साथ सड़क सुरक्षा के लिए उठाए कई ठोस कदमः नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में सड़क नेटवर्क को मजबूत करने के साथ-साथ सड़क सुरक्षा के लिए कई ठोस कदम उठाए गए हैं। ब्लैक स्पॉट की पहचान और सुधार, ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम का आधुनिकीकरण, जागरूकता अभियान और नई तकनीकों का उपयोग के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री चंडीगढ़ में भारतीय सड़क कांग्रेस (आई.आर.सी) एवं लोक निर्माण विभाग हरियाणा द्वारा 'सड़क सुरक्षा समाधान' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन करने के पश्चात अपना संबोधन दे रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्जवलित कर की। मुख्यमंत्री ने इस दौरान रामनवमी और नवरात्रों की बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी। सेमिनार में भारतीय सड़क कांग्रेस के प्रतिष्ठित सदस्यगण के अलावा 350 से

अधिक विशेषज्ञ, अभियंता. शोधकर्ता, नीति-निर्माता तथा शिक्षाविद शिरकत कर रहे हैं। दो दिनों तक चलने वाली संगोष्ठी में सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार मंथन किया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 'सड़क सुरक्षा समाधान विषय पर आयोजित संगोष्ठी देश के भविष्य का रोडमैप तैयार करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। यहां विचार, तकनीक, अनुभव और संकल्प मिलकर भारत को सुरक्षित, सशक्त और विकसित बनाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि सड़क केवल एक भौतिक संरचना नहीं होती, यह विकास की जीवन रेखा होती है। यह गांव को शहर से जोड़ती है, किसान को बाजार से जोड़ती है, युवा को अवसरों से जोड़ती है और देश को प्रगति के पथ पर अग्रसर करती है। लेकिन, यह भी एक कटु सत्य है कि जहां सड़क विकास का माध्यम है, वहीं सड़क दुर्घटनाएं हमारे समाज के लिए एक गंभीर चिंता का विषय बनी हुई हैं। नियम कितने भी अच्छे क्यों न हों, यदि उनका पालन नहीं तो कोई अर्थ नहीं सड़क दुर्घटनाओं पर गंभीर चिंता जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में हर वर्ष काफी संख्या में लोग सड़क दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं। इन दुर्घटनाओं के पीछे टूटे हुए परिवार, अधूरे सपने और समाज की अपूरणीय क्षति छिपी रहती है। इसलिए सड़क सुरक्षा केवल एक तकनीकी विषय न होकर सामाजिक, मानवीय और नैतिक जिम्मेदारी से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा का एक और महत्वपूर्ण पहलू है, यातायात नियमों के प्रति जन-जागरूकता। नियम कितने भी अच्छे क्यों न हों, यदि उनका पालन नहीं किया जाएगा, तो उनका कोई अर्थ नहीं रह जाता। हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट लगाना, गति सीमा का पालन करना, ये छोटी-छोटी बातें हैं, लेकिन जीवन को बचाती हैं। उन्होंने कहा कि हमें स्कूलों, कॉलेजों और समाज के हर वर्ग तक सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ानी होगी। हमें इसके प्रति और गम्भीर होना होगा।

हरियाणा में गैस और डीजल संकट पर सरकार की विफलता उजागर : कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव कुमारी सैलजा ने हरियाणा में एलपीजी, पीएनजी और डीजल संकट को लेकर भाजपा सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि बिना तैयारी के पीएनजी को अनिवार्य करने के फैसले ने जनता को परेशानी में डाल दिया है। उन्होंने कहा कि लोगों को एलपीजी कनेक्शन छोड़ने के लिए मजबूर किया गया, लेकिन पीएनजी कनेक्शन समय पर उपलब्ध नहीं कराए गए, जिससे हजारों परिवार गैस सुविधा से वंचित हो गए हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि जिन क्षेत्रों में पीएनजी लाइन मौजूद है, वहां भी बड़ी संख्या में आवेदन लंबे समय से लंबित हैं, जो सरकार की लापरवाही को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश में एलपीजी की किल्लत बढ़ गई है और लोगों को सिलेंडर लेने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने डीजल संकट पर चिंता जताते हुए कहा कि पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लग रही हैं और कई जगहों पर डीजल खत्म हो रहा है, जिससे

किसानों को भारी परेशानी हो रही है, खासकर गेहूं की कटाई के समय। कुमारी सैलजा ने सरकार से मांग की कि एलपीजी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, पीएनजी कनेक्शन प्रक्रिया को तेज किया जाए और किसानों के लिए डीजल की आपूर्ति को प्राथमिकता दी जाए।

एमबीबीएस सीटें बढ़ाने की तैयारी में हरियाणाा सरकार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में मेडिकल शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की दिशा में सरकार ने सख्त कदम उठाया है। चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने राज्य के विभिन्न सरकारी मेडिकल कॉलेजों की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्माण एजेंसियों और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में हर हाल में पूरे किए जाएं। अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि राज्य सरकार मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर का तेजी से विस्तार कर रही है, जिससे एमबीबीएस सीटों में वृद्धि के साथ-साथ आम जनता को बेहतर और सुलभ टर्शियरी स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। समीक्षा बैठक में यह भी सामने आया कि कई परियोजनाएं अभी अधूरी हैं, जिनमें तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। डॉ. मिश्रा ने चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और तय समयसीमा में काम पूरा करना अनिवार्य होगा।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सिविल कार्यों को समय-सीमा के भीतर पूरा करना, उपकरणों की खरीद करना और फैकल्टी की भर्ती करना सुनिश्चित करें। कैथल और यमुनानगर में स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज लगभग 80 प्रतिशत पूरे हो चुके हैं। उनको 30 जून, 2026 की डेडलाइन दी गई है।

डॉ. मिश्रा ने अधिकारियों से कहा कि वे बायोमेडिकल उपकरणों और फर्नीचर की खरीद शुरू करें, और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग से सभी ज़रूरी मंज़ूरी प्राप्त करें, ताकि वर्ष 2027-28 के शैक्षणिक सत्र से एमबीबीएस में दाखिले शुरू किए जा सकें। बैठक के दौरान यह जानकारी दी गई कि जींद स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज में जहां संशोधित वित्तीय अनुमानों की मंजूरी अटकी होने के कारण निर्माण कार्य धीमा हो गया है। इसके लिए अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे वित्त विभाग के साथ इस मामले का फॉलो-अप करें। डॉ. सुमिता मिश्रा ने निर्देश दिया कि इन मुद्दों को जल्द से जल्द हल किया जाए। बैठक में यह भी बताया गया कि कुटेल, करनाल स्थित पं. दीन दयाल उपाध्याय स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय का मुख्य परिसर पूरा हो चुका है, जबकि निजी वार्ड प्रोजेक्ट–जिसकी अनुमानित लागत 30.45 करोड़ रुपये है,पर काम अभी लगभग 30 प्रतिशत ही हुआ है। काम करने वाली एजेंसी को निर्देश दिया गया है कि वे 30 सितंबर, 2026 की डेडलाइन को पूरा करने के लिए निर्माण कार्य में तेजी लाएं। डॉ. मिश्रा ने स्पष्ट किया कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरे किए जाने चाहिए, ताकि नए मेडिकल कॉलेज बिना किसी देरी के पूरी तरह से चालू हो सकें। तीन संस्थानों के लिए, स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, कुटेल, पं. नेकी राम शर्मा सरकारी मेडिकल कॉलेज भिवानी और महर्षि च्यवन सरकारी मेडिकल कॉलेज, कोरियावास में, जहां 2025-26 सत्र के लिए 100 एमबीबीएस छात्र पहले ही दाखिला ले चुके है, यह निर्णय लिया गया ।

हरियाणा के रेवाड़ी की हाईटेक जिला जेल से दो बंदी फरार, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

एजेंसी

रेवाड़ी (हरियाणा)। रेवाड़ी की फिदेड़ी स्थित नई और हाईटेक जिला जेल से दो बंदियों के फरार हो जाने से हड़कंप मच गया है। इससे सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए। दोनों बंदियों को दोपहर करीब डेढ़ बजे तक जेल परिसर में देखा गया। इसके बाद दोनों अचानक लापता हो गए। जेल प्रशासन ने आसपास दोनों की तलाश की। देररात तक कोई सुराग नहीं मिलने पर पुलिस को

दोनों बंदी उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। उन पर ऑनलाइन ठगी (साइबर धोखाधड़ी) का आरोप है। इस संबंध में जेलकर्मी मुस्ताक अहमद की तरफ से सदर थाना में शिकायत दर्ज कराई गई है।

शिकायत के अनुसार, 27 मार्च की शाम बंदियों की गिनती की गई। गिनती पूरी होने पर दो बंदी गायब मिले। जांच करने पर उनकी पहचान उत्तर प्रदेश के रामपुरा निवासी 22 वर्षीय फैजान और इटावा निवासी 21 वर्षीय जाहिद के रूप में हुई। जेल कर्मचारी मुस्ताक के अनुसार, सूचना दी गई। सदर थाना ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। सदर थाना प्रभारी राजेंद्र कुमार ने बताया कि फरार बंदियों की गिरफ्तारी के लिए तीन विशेष टीमों का गठन किया गया है। इनमें सदर थाना पुलिस के अलावा रेवाड़ी और धारूहेड़ा सीआईए की टीम शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि रेवाड़ी के इस जेल की गिनती प्रदेश की हाईटेक जेलों में की जाती है। इसका हाल ही में उद्घाटन हुआ है। उद्घाटन के समय यहां अत्याधुनिक सुरक्षा इंतजामों के दावे किए गए थे।

जिले के विकास कार्यों में तेजी लाएं, समयसीमा में पूरा करें प्रोजेक्ट देरी बर्दाश्त नहीं : डॉ. साकेत कुमार

एजेंसी

कैथल। मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव एवं जिला के प्रशासनिक सचिव डॉ. साकेत कुमार ने लघु सचिवालय सभागार में अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों और योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने हुई बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा किया जाए प्रोजेक्ट की विस्तृत रिपोर्ट जल्द प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि किसी परियोजना में तकनीकी अड़चन आती है तो संबंधित विभाग आपसी तालमेल से उसे तुरंत दूर करें, ताकि कार्यों में अनावश्यक देरी न हो। बैठक में नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए इसके अलावा उन्होंने समाधान शिविर, सेवा के अधिकार अधिनियम, सीवरेज, पेयजल आपूर्ति, स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग से संबंधित कार्यों की भी फीडबैक ली और अधिकारियों को जनसेवा से जुड़े सभी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए।

Public Notice

I Karishma D/O Harilal R/O house no.510, gali no.7,vijay Nagar, Ballabgarh, PO:Ballabgarh, DIST: Faridabad ,Haryana-121004 UNDERTAKE THAT I Karishma CHANGE MY NAME Kiyansh Rajput AND GENDER AS MALE. I Karishma HENCEFORTH BE KNOWN AS Kiyansh Rajput S/O Harilal . THE ABOVE STATEMENT MADE BY ME IS TRUE AND CORRECT TO THE BEST OF MY KNOWLEDGE AND BELIEF. IF ANY LEGAL ISSUE ARISES IN THIS REGARD AT ANY STAGE, I WILL BE PERSONALLY RESPONSIBLE FOR THE SAME AND THE DEPARTMENT OF PUBLICATION WILL NOT BE LIABLE AS FOR ANY CONSEQUENCES ARISING THEREFROM.

Public Notice

I Monika D/O SH. Ishwar singh HN. 671,ward no.30 kakroi road , Sonipat , Haryana 131001 .UNDERTAKE THAT I monika CHANGE MY NAME Aditya AND GENDER AS MALE. I Monika HENCEFORTH BE KNOWN AS Aditya S/O Ishwar Singh. THE ABOVE STATEMENT MADE BY ME IS TRUE AND CORRECT TO THE BEST OF MY KNOWLEDGE AND BELIEF. IF ANY LEGAL ISSUE ARISES IN THIS REGARD AT ANY STAGE, I WILL BE PERSONALLY RESPONSIBLE FOR THE SAME AND THE DEPARTMENT OF PUBLICATION WILL NOT BE LIABLE AS FOR ANY CONSEQUENCES ARISING THEREFROM.

कांग्रेस निर्वाचन अधिकारी के खिलाफ चुनाव आयोग में करेगी शिकायत : भूपेंद्र हुड्डा

एजेंसी

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि राज्यसभा चुनाव में धांधली करने वाले निर्वाचन अधिकारी के खिलाफ कांग्रेस चुनाव आयोग में शिकायत करेगी, क्योंकि उन्होंने भाजपा के साथ मिलकर साजिश रची और कांग्रेस के चार वोट रद्द कर दिए। हुड्डा ने मांग की कि चुनाव आयोग इस मामले में तुरंत कार्रवाई करे। हुड्डा शुक्रवार को अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इनेलो को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में हुड्डा ने कहा कि राज्यसभा चुनाव में एक बार फिर साफ हो गया है कि इनेलो कभी भी भाजपा के खिलाफ नहीं जा सकती। उन्होंने कहा कि इस बार इनेलो ने वोट इसलिए नहीं किया क्योंकि उसे पता चल चुका था कि कांग्रेस की जीत निश्चित है। वोट रद्द होने और क्रॉस वोटिंग के बावजूद कांग्रेस के पास 28 वोट थे, जबकि बीजेपी समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार को सिर्फ 16 वोट मिले थे। हुड्डा ने कहा कि अगर इनेलो निर्दलीय के पक्ष में वोट भी डालती तो भी कांग्रेस की जीत पक्की थी। देश में एलपीजी और पेट्रोल-डीजल की किल्लत पर बोलते हुए हुड्डा ने कहा कि बीजेपी सरकार ने कई सालों तक जनता से पेट्रोल-डीजल पर कांग्रेस शासन के मुकाबले डबल टैक्स वसूला। अब एक्साइज ड्यूटी भी इस तरह घटाई जा रही है कि उससे आम जनता को कोई लाभ नहीं मिल रहा है। उल्टा ईंधन के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने नायरा कंपनी द्वारा पेट्रोल-डीजल के रेट बढ़ाने और सिलेंडर की कालाबाजारी का भी मुद्दा उठाया। कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए हुड्डा ने कहा कि भाजपा सरकार में कानून-व्यवस्था का पूरी तरह दिवाला निकल चुका है। पूरे देश में हरियाणा सबसे असुरक्षित राज्य है, ये खुद केंद्र सरकार का सामाजिक प्रगति सूचकांक बताता है। पूर्व मुख्यमंत्री आईडीएफसी बैंक में हुए 590 करोड़ रुपये और पंचकूला नगर निगम में 160 करोड़ के घोटाले का जिक्र करते हुए पूछा कि अभी तक यह नहीं पता चला कि घोटाला किसके हस्ताक्षर से हुआ और कौन जिम्मेदार है। उन्होंने मांग की कि पूरी जांच हो, दोषियों के नाम सामने आएं और उन पर सख्त कार्रवाई की जाए। धान खरीद में हुए हजारों करोड़ के घोटाले का मुद्दा उठाते हुए हुड्डा ने आरोप लगाया कि बड़े पदों पर बैठे लोग इसमें शामिल हैं।

रुपया रिकॉर्ड गिरावट पर, विदेशी भंडार का पहरा आरबीआई संभालेगा

विदेशी दबाव और निवेशक आउटफ्लो के चलते आरबीआई का आर्थिक संतुलन चुनौतीपूर्ण

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) इस समय ऐतिहासिक चुनौती का सामना कर रहा है। ईरान और इजराइल के बीच युद्ध, वैश्विक तेल की बढ़ती कीमतें और विदेशी निवेशकों के अचानक अरबों डॉलर की निकासी ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा दिया है। रुपये की गिरावट रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुकी है, वहीं विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखना भी अनिवार्य हो गया है। आम आदमी की जेब, उद्योग और सरकार–सब इस अस्थिरता से सीधे प्रभावित हैं। आरबीआई के सामने दो विकल्प हैं- या तो रुपये को स्थिर रखें, जिससे घरेलू नकदी और ब्याज दरों पर असर पड़ेगा, या विदेशी मुद्रा भंडार की रक्षा करें, जिससे रुपये में गिरावट आ सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा परिस्थितियों में आरबीआई शायद रुपये की कुछ कमजोरी सहन करके विदेशी मुद्रा भंडार को प्राथमिकता देगा, ताकि लंबी अवधि में देश की आर्थिक स्थिरता सुरक्षित रह सके। ईरान और इजराइल के बीच युद्ध और वैश्विक तेल की बढ़ती कीमतों ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर अप्रत्याशित दबाव डाला है। विदेशी निवेशकों ने मार्च में 12.1 अरब डॉलर निकाल लिए, जो एक महीने में अब तक का सबसे बड़ा आउटफ्लो है। इस वजह से रुपये की गिरावट 74 के स्तर तक पहुंच गई, जबकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को विदेशी मुद्रा भंडार और रुपये की स्थिरता के बीच संतुलन बनाए रखना मुश्किल हो गया है। भारत के कुल विदेशी मुद्रा भंडार 13 मार्च तक 710 अरब डॉलर था, जिसमें मुख्य रूप से विदेशी मुद्राएं, सोना, विशेष निकासी सुविधा (एसडीआर) और आईएमएफ में विशेष ट्रेंच पोजिशन शामिल हैं। सोना लगभग कभी बेचा नहीं गया और एसडीआर या ट्रेंच पोजिशन की सीमा सीमित है। इसका मतलब यह है कि वास्तविक तौर पर आरबीआई के पास विदेशी मुद्राओं का मुख्य भंडार ही इस्तेमाल करने योग्य है। आरबीआई के पास रुपये की गिरावट को रोकने के दो विकल्प हैं। पहला, हाजिर बाजार में विदेशी मुद्रा बेचकर रुपये को खरीदना, जिससे रुपये की कीमत स्थिर हो सकती है लेकिन घरेलू नकदी कम हो जाएगी और ब्याज दरों में वृद्धि का खतरा बढ़ेगा। दूसरा, फॉरवर्ड या फ्यूचर मार्केट में मुद्रा बेचना, जिससे रुपये की गिरावट रोकी जा सकती है और ब्याज दरों पर असर नहीं पड़ेगा। जनवरी से अब तक आरबीआई ने लगभग 68 अरब डॉलर फॉरवर्ड मार्केट में बेचे, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 500 अरब डॉलर तक घट गया। हालांकि रुपये की गिरावट आम आदमी और उद्योग दोनों पर असर डालती है, लेकिन वर्तमान वैश्विक अस्थिरता और उच्च आयात बिल के दबाव में आरबीआई के लिए विदेशी मुद्रा भंडार को बचाए रखना अहम हो गया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि रुपये की गिरावट अभी 97 तक जा सकती है। इसलिए, आरबीआई संभवतः रुपये की कुछ गिरावट सहन कर विदेशी मुद्रा भंडार को प्राथमिकता देगा। इस स्थिति में रुपये में गिरावट का सीधा असर आम आदमी की जेब पर दिखाई देगा। ईंधन, आयातित वस्तुएं और महंगाई बढ़ सकती है। वहीं यदि आरबीआई विदेशी मुद्रा भंडार की रक्षा में सफल रहता है, तो देश लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय भुगतान और आयात बिल की जरूरतों को पूरा कर सकेगा।

लंबी ट्रिप के लिए सुरक्षित और आरामदायक हैं ये 5 दमदार एसयूवी

नई दिल्ली ।

लंबी दूरी और अनजान रास्तों पर भरोसेमंद गाड़ी होना सबसे जरूरी होता है। होंडा एलीवेट अपनी मजबूत इंजीनियरिंग और भरोसेमंद 1.5-लीटर आई-वीटेक पेट्रोल इंजन के लिए जानी जाती है। इसकी केबिन आरामदायक और ड्राइव स्मूथ है, जिससे लंबी दूरी का सफर आसान हो जाता है। टोयोटा फॉर्च्यूनर फुल-साइज एसयूवी में 2.8-लीटर डीजल इंजन और 4×4 विकल्प है, जो दुर्गम रास्तों और कीचड़ वाले इलाके में भी बेहतरीन प्रदर्शन देती है। इसुजु एमयू-एक्स में 1.9-लीटर टर्बोचार्ज्ड डीजल इंजन है। इसकी मजबूती इसे कठिन रास्तों के लिए आदर्श बनाती है। 4गुणा 2 और 4गुणा4 विकल्प लंबी ट्रिप में सुरक्षा और नियंत्रण सुनिश्चित करते हैं।

ईंधन बचाने वाली 5 पेट्रोल-हाइब्रिड कारें बाजार में उपलब्ध

नई दिल्ली ।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के बीच अब बाजार में पेट्रोल-हाइब्रिड कारें आ चुकी हैं, जो माइलेज के मामले में डीजल को भी टक्कर देती हैं। इनमें पेट्रोल इंजन के साथ स्मार्ट इलेक्ट्रिक मोटर होती है, जो ईंधन की बचत करती है। मारुति सुजुकी विक्टोरिस इस लिस्ट में सबसे आगे है। यह कार एक लीटर पेट्रोल में 28.6 किमी तक चलती है। 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर का कॉम्बिनेशन लंबी ट्रिप के लिए इको, नॉर्मल और पावर तीन ड्राइविंग मोड देता है। होंडा सिटी हाइब्रिड 1.5-लीटर इंजन और दो इलेक्ट्रिक मोटरों से 125बीएचपी पावर देती है और 26.5 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। इसमें लेन वॉच असिस्ट जैसे स्मार्ट फीचर्स सुरक्षा में मदद करते हैं। बड़ी फैमिली के लिए टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस हाइब्रिड 23.24 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। इसका 2.0-लीटर इंजन फैमिली और सामान के साथ भी हाईवे पर दमदार प्रदर्शन करता है। इसमें जेबीएल साउंड सिस्टम और बड़ी सनरूफ जैसी लग्जरी सुविधाएं दी गई हैं। टोयोटा कैमरी 2.5-लीटर इंजन के बावजूद 25.49 किमी प्रति लीटर

का माइलेज देती है। इसका इंटीरियर लग्जरी और आरामदायक है, जिसमें सीटें रीक्लाइन करने योग्य हैं। वोल्वो एक्ससी90 अपनी सेफ्टी और रुतबे के लिए लोकप्रिय है। 2.0-लीटर इंजन और 48वी सिस्टम ईंधन बचाने में मदद करता है। इसमें लग्जरी लेदर सीट्स और बेहतरीन सेफ्टी फीचर्स लंबे सफर को सुरक्षित बनाते हैं।

ये पांच पेट्रोल-हाइब्रिड कारें अब हाईवे ट्रिप के लिए बेहतरीन विकल्प बन गई हैं।

ईंधन बचाने वाली 5 पेट्रोल-हाइब्रिड कारें बाजार में उपलब्ध

नई दिल्ली। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के बीच अब बाजार में पेट्रोल-हाइब्रिड कारें आ चुकी हैं, जो माइलेज के मामले में डीजल को भी टक्कर देती हैं। इनमें पेट्रोल इंजन के साथ स्मार्ट इलेक्ट्रिक मोटर होती है, जो ईंधन की बचत करती है। मारुति सुजुकी विक्टोरिस इस लिस्ट में सबसे आगे है। यह कार एक लीटर पेट्रोल में 28.6 किमी तक चलती है। 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर का कॉम्बिनेशन लंबी ट्रिप के लिए इको, नॉर्मल और पावर तीन ड्राइविंग मोड देता है। होंडा सिटी हाइब्रिड 1.5-लीटर इंजन और दो इलेक्ट्रिक मोटरों से 125बीएचपी पावर देती है और 26.5 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। इसमें लेन वॉच असिस्ट जैसे स्मार्ट फीचर्स सुरक्षा में मदद करते हैं। बड़ी फैमिली के लिए टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस हाइब्रिड 23.24 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। इसका 2.0-लीटर इंजन फैमिली और सामान के साथ भी हाईवे पर दमदार प्रदर्शन करता है। इसमें जेबीएल साउंड सिस्टम और बड़ी सनरूफ जैसी लग्जरी सुविधाएं दी गई हैं। टोयोटा कैमरी 2.5-लीटर इंजन के बावजूद 25.49 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। इसका इंटीरियर लग्जरी और आरामदायक है, जिसमें सीटें रीक्लाइन करने योग्य हैं। वोल्वो एक्ससी90 अपनी सेफ्टी और रुतबे के लिए लोकप्रिय है। 2.0-लीटर इंजन और 48वी सिस्टम ईंधन बचाने में मदद करता है।

जेवर एयरपोर्ट से यमुना एक्सप्रेस-वे के आसपास जमीन के दाम बढ़ने की उम्मीद

एसईजेड के कुछ सेक्टरों में दरें पहले ही करीब 8,000 रुपए प्रति वर्ग फुट पहुंची

नोएडा,।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन से यमुना एक्सप्रेस-वे के आसपास जमीन के दाम बढ़ने के आसार हैं। बाजार विश्लेषकों और डेवलपरों का कहना है कि रिहायशी और औद्योगिक दोनों इकाइयों की कीमतों में इजाफा होगा जिसका असर नोएडा और ग्रेटर नोएडा के बाजारों पर भी पड़ेगा। रियल एस्टेट सलाहकार फर्म कॉलियर्स के आंकड़ों के मुताबिक यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में अगले दो सालों में भूखंड के दाम करीब 28 फीसदी और अपार्टमेंट की कीमतें करीब 22 फीसदी बढ़ने की उम्मीद है। जेवर भी इसी इलाके में स्थित है जहां नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन आज यानी शनिवार को होना है।रिपोर्ट के मुताबिक जेवर हवाई अड्डे की घोषणा 2021 में की गई थी। उसके बाद से ही इस क्षेत्र के रियल एस्टेट में काफी हलचल रही है। पिछले पांच सालों में यीडा इलाके के अपार्टमेंट की कीमतें करीब तीन गुना बढ़ चुकी हैं। कीमतें 2020 में 3200 रुपए प्रति वर्ग फुट से बढ़कर 2025 में 9,600 रुपए प्रति वर्ग फुट दर्ज की गईं। नैशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (नरेडको) के अध्यक्ष ने कहा कि यमुना एक्सप्रेस-वे एसईजेड के कुछ सेक्टरों में दरें पहले ही करीब 8,000 रुपए प्रति वर्ग फुट तक पहुंच चुकी हैं। उन्होंने कहा कि यह काफी अहम है। खास तौर पर यह देखते हुए कि जेवर के प्रभाव वाले इलाकों जमीन के दाम पिछले पांच सालों में करीब 40 फीसदी बढ़ चुके हैं।

पेट्रोल, डीजल की कीमतों को बढ़ने से रोकने सरकार ने घटाई एक्साइज ड्यूटी

अगले वित्त वर्ष में सरकार का राजस्व 1.3 लाख करोड़ रुपए हो सकता है कम

नई दिल्ली,। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को देखते हुए सरकार ने शनिवार को पेट्रोल और डीजल पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क में 10 रुपए प्रति लीटर की भारी कटौती की है। पेट्रोल, डीजल की कीमतों को बढ़ने से रोकने के लिए यह फैसला लिया गया है ताकि उपभोक्ताओं पर बोझ नहीं पड़े लेकिन इससे अगले वित्त वर्ष में सरकार का राजस्व करीब 1.3 लाख करोड़ रुपए कम हो सकता है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक पेट्रोल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क 13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है और डीजल पर यह 10 रुपए प्रति लीटर से घटाकर शून्य कर दिया है। कटौती तुरंत लागू हो गई है। सरकार ने पिछले साल अप्रैल पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 2 रुपए प्रति लीटर बढ़ाया था। सरकार ने देसी बाजार में दोनों की पर्याप्त उपलब्धता तय करने के लिए डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर एक बार फिर शुल्क लगा दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीजल निर्यात पर 21.5 रुपए प्रति लीटर और एटीएफ निर्यात पर 29.5 रुपए प्रति लीटर का शुल्क लगाया है। पहले इनके निर्यात पर शुल्क नहीं था। अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 के बीच भारत से 1.4 करोड़ टन पेट्रोल और 2.36 करोड़ टन डीजल का निर्यात किया, जिसमें बड़ा हिस्सा रिलायंस इंडस्ट्रीज का रहा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि पश्चिम एशिया संकट को देखते हुए घरेलू खपत के लिए पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में प्रति लीटर 10 रुपए की कमी की गई है। इससे उपभोक्ता कीमत में इजाफे से बच जाएंगे।सरकार के अधिकारियों का अनुमान है कि शुल्क में कटौती से अगले पंद्रह दिनों में करीब 7,000 करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान होगा, जिसके बाद स्थिति की समीक्षा की जाएगी। इससे संकेत मिलता है शुल्क में यह कटौती कुछ समय के लिए ही है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन ने कहा कि सरकार हर पंद्रह दिनों में डीजल और एटीएफ पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क की समीक्षा करेगी। पेट्रोल की कीमतें रोजाना बदलने वाली मूल्य व्यवस्था से तय की जाती हैं, जो कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमत, विनिमय दर और करों के पिछले 15 दिन के औसत पर काम करती है। अंतिम उपभोक्ता मूल्य में आधार मूल्य, केंद्रीय उत्पाद शुल्क, डीलर कमीशन और राज्य-स्तरीय वैट शामिल होता है।उन्होंने कहा कि शुल्क कटौती से अगले 15 दिन में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन जैसी तेल कंपनियों को करीब 1,500 करोड़ रुपए की अतिरिक्त आय होने की उम्मीद है। अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि कटौती पूरे वित्त वर्ष 2027 में लागू रही तो सरकारी खजाने को 1.3 लाख करोड़ से 1.7 लाख करोड़ रुपए तक की चपत लग सकती है। एक अन्य अर्थशास्त्री ने कहा कि शुल्क में कटौती से तेल कंपनियों को राहत मिलेगी। यदि ऐसा नहीं होता तो कीमतों में वृद्धि का भार उपभोक्ताओं पर डाला जा सकता था।

भारत के लिए ईरानी कच्चे तेल की आपूर्ति सीमित, चीन बन रहा प्राथमिक खरीदार

अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्थिति- ईरान के पास अंतरराष्ट्रीय बिक्री के लिए अतिरिक्त तेल उपलब्ध नहीं

नई दिल्ली।

भारतीय रिफाइनरियों के लिए ईरानी कच्चा तेल अब उपलब्ध तो है, लेकिन मात्रा बेहद सीमित और समय-सीमा बहुत संकीर्ण है। वॉशिंगटन द्वारा फ्लोटिंग स्टोरेज और ट्रांजिट में मौजूद ईरानी तेल की बिक्री के लिए हालिया छूट देने के बाद इसका रुख बदल गया है, और अधिकांश तेल चीन की ओर जा रहा है। भारत मार्च और अप्रैल में डिलीवरी के लिए रूस से स्टोरेज में मौजूद 100 मिलियन बैरल तेल का 60 फीसदी पहले ही खरीद चुका है, जबकि ईरानी तेल के लिए भारत के हिस्से में 10 मिलियन बैरल से कम मिल सकते हैं। एक वरिष्ठ ट्रेडर ने बताया कि डिलीवरी के लिए केवलएक महीने की सीमित समय-सीमा (19 अप्रैल तक) ने भारतीय सरकारी रिफाइनरियों के लिए सप्लाई चेन प्रबंधन को चुनौतीपूर्ण बना दिया है। इस समय में विक्रेताओं की पहचान, उनकी विश्वसनीयता की जांच और शिपिंग व्यवस्था करना मुश्किल हो रहा है। पहले ईरानी कच्चे तेल की बिक्री पूरी तरह नेशनल ईरानियन ऑयल कंपनी (एनआईओसी) के नियंत्रण में थी। लेकिन अब यह बिक्री मुख्य रूप से उन ट्रेडर्स के नियंत्रण में है, जो इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) से जुड़े हैं। ब्रिटेन स्थित एनर्जी इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के अनुसार प्रतिबंधित तेल की आपूर्ति अब संदिग्ध हितों द्वारा की जा रही है, जिनके पास फ्लंट कंपनियों और किराये पर लिए गए जहाजों का नेटवर्क है। एक सीनियर रिफाइनिंग अधिकारी ने कहा कि इस नई व्यवस्था में तेल खरीदना और डिलीवरी सुनिश्चित करना भारतीय रिफाइनरियों के लिए और कठिन हो गया है। मुंबई स्थित ईरानी वाणिज्य दूतावास ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में ईरान के पास अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए अतिरिक्त तेल उपलब्ध नहीं है। अमेरिकी वित्त मंत्री की हालिया टिप्पणियां मुख्य रूप से खरीदारों को आश्वस्त करने और बाजार को स्थिर करने के उद्देश्य से प्रतीत होती हैं। कई वर्षों से ईरानी तेल का खुले तौर पर व्यापार नहीं हुआ है, जिससे इसकी गुणवत्ता और सप्लाई को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। भारतीय रिफाइनर-सरकारी

या निजी ईरानी तेल खरीदने के इच्छुक थे, खासकर तब जब अमेरिका ने 20 मार्च को स्टोरेज और ट्रांजिट में मौजूद तेल पर 30 दिन की छूट दी। लेकिन सीमित समय-सीमा, सप्लाई की कमी और आईआरजीसी से जुड़े नेटवर्क के कारण इस दिशा में आगे बढ़ना मुश्किल हो गया। इस स्थिति में भारत के लिए मुख्य तेल स्रोत अभी भी रूस और अन्य पारंपरिक आपूर्तिकर्ता हैं। ईरानी तेल संभावित स्रोत के रूप में मौजूद है, लेकिन मात्रा कम और जोखिम अधिक है।

नए फोन रियलमी 16 5जी जल्द होगा लॉन्च

नई दिल्ली । चायनीज कंपनी रियलमली जल्द ही अपने नए फोन रियलमी 16 5जी को लॉन्च करने जा रही है, जिसमें भारत का पहला सेल्फी मिरर फीचर दिया गया है। इसे ÷सेल्फी मिरर फोन÷ के नाम से टीज किया गया है। अब यूजर पीछे वाले कैमरे से भी आसानी से शानदार सेल्फी ले सकेंगे। फोन के रियर कैमरा मॉड्यूल के साथ एक छोटा मिरर जुड़ा होगा, जिससे खुद को देखकर हाई क्वालिटी फोटो क्लिक की जा सकेगी। रियलमी 16 5जी का डिजाइन भी यूनिक और प्रीमियम बताया जा रहा है। पीछे की तरफ लंबा कैमरा बार दिया गया है, जो पिक्सल और आईफोन जैसी याद दिलाता है। कंपनी इसे ÷एयर डिजाइन÷ कह रही है, यानी फोन हल्का और पकड़ने में आरामदायक रहेगा। कलर चेंजिंग फिनिश इसे और स्टाइलिश बनाती है। फोन के कैमरा सेटअप पर खास फोकस है। इसमें 50एमपी का सोनी आईएमएक्स 852 मेन कैमरा और 2एमपी सेकेंडरी सेंसर दिए जाने की संभावना है। साथ ही 50एमपी का फ्रंट कैमरा भी मिलेगा। सेल्फी मिरर फीचर के साथ यह सेटअप यूजर्स को नया डिजिटल अनुभव देगा। परफॉर्मेंस के लिए फोन में मीडियाटेक डायमेंसिटी 6400 टर्बो प्रोसेसर का इस्तेमाल हो सकता है।

औद्योगिक सेक्टर के लिए राज्यों को वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन का कोटा बढ़ा

सरकार ने 20 फीसदी की वृद्धि कीश् अब यह कोटा 70 फीसदी हो गया

नई दिल्ली,।

केंद्र सरकार ने इस्पात और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों समेत तमाम औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने के लिए राज्यों को वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन में 20 फीसदी की और वृद्धि की है। इससे अब यह कोटा युद्ध से पहले की मांग का 70 फीसदी हो गया है।पेट्रोलियम सचिव नीरज मित्तल ने राज्य के मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में कहा कि अतिरिक्त आपूर्ति इस्पात, ऑटोमोबाइल, कपड़ा, डाई, रसायन और प्लास्टिक जैसे श्रम वाले उद्योगों को प्राथमिकता दी जाएगी, क्योंकि इनसे ही अन्य कई जरुरत क्षेत्र जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा 50 फीसदी आवंटन के अतिरिक्त अब 20 फीसदी और गैस दी जाएगी, जिससे कुल वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन गैर-घरेलू एलपीजी के युद्ध से पहले की मांग का 70 फीसदी हो जाएगा। तेल मंत्रालय ने इस महीने की शुरुआत में तीन अलग-अलग निर्देशों के जरिए राज्यों को युद्ध-पूर्व वाणिज्यिक एलपीजी कोटे का 40 फीसदी आवंटित किया था।

मंत्रालय ने पीएनजी को बढ़ावा देने के लिए कुछ सुधारों के आधार पर राज्यों को 10 फीसदी अतिरिक्त एलपीजी आवंटित की थी।

अब ताजा फैसले के तहत दी जाने वाली अतिरिक्त 20 फीसदी एलपीजी प्राथमिकता वाले उद्योगों को दी जाएगी। इनमें, प्रक्रिया उद्योगों या उन उद्योगों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिन्हें विशेष ताप उद्देश्यों के लिए एलपीजी की जरुरत होती है, क्योंकि इसके विकल्प के तौर पर कोई और गैस इस्तेमाल नहीं की जा सकती।

बाजार में पावरफुल और मजेदार टर्बो पेट्रोल एसयूवी के विकल्प मौजूद

नई दिल्ली।

यदि आप कम बजट में दमदार एसयूवी खरीदने के बारे में सोच रहे हैं, तो बाजार में आपके पास कई विकल्प मौजूद हैं। इन गाड़ियों में टर्बो पेट्रोल इंजन मिलता है, जो कम इंजन क्षमता के बावजूद बेहतर पावर और स्मूद ड्राइविंग एक्सपीरियंस देता है। इस लिस्ट में टाटा मोटर्स, किआ, महिंद्रा एंड महिंद्रा के मॉडल के साथ-साथ नई रिनॉल्ट डस्टर भी शामिल है, जो एक बार फिर चर्चा में है। आज के ग्राहक सिर्फ माइलेज पर नहीं, बल्कि परफॉर्मेंस और ड्राइविंग अनुभव पर भी ध्यान देते हैं। टर्बो पेट्रोल इंजन वाली एसयूवी शहर और हाईवे दोनों पर मजेदार और रेस्पॉन्सिव ड्राइव देती हैं। स्कोडा कियाक कम बजट में एक शानदार विकल्प है। यह एमक्यूबी एओ इन प्लेटफॉर्म पर तैयार की गई है और इसमें 1.0 लीटर टीएसआई टर्बो पेट्रोल इंजन है, जो 118एचपी पावर और 178एनएम टॉर्क देता है। ट्रांसमिशन के लिए 6-स्पीड मैन्युअल और 6-स्पीड ऑटोमैटिक ऑप्शन उपलब्ध हैं। सुरक्षा के लिहाज से भी यह मजबूत है और इसे भारत एनकैप में 5-स्टार रेटिंग मिली है। कीमत लगभग 7.59 लाख से 12.99 लाख रुपये के बीच है। किआ सोनेट फीचर्स और परफॉर्मेंस का बेहतरीन बैलेंस देती है। इसमें 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन है, जो 118एचपी और 172एनएम टॉर्क जनरेट करता है। आईएमटी और डीसीटी ऑटोमैटिक जैसे एडवांस ट्रांसमिशन विकल्प इसमें उपलब्ध हैं। आरामदायक सस्पेंशन और अलग-अलग वेरिएंट्स इसे 15 लाख रुपये से कम बजट में आकर्षक बनाते हैं। नई रिनॉल्ट

डस्टर भारतीय बाजार में एक बार फिर वापसी कर रही है। इसमें टर्बो पेट्रोल इंजन का विकल्प और नया डिजाइन मिलेगा, जो इसे मौजूदा सेगमेंट में मजबूत प्रतिस्पर्धी बनाएगा।

बाजार में जल्द एंट्री करेंगे आईईआईटी फोक्स्ड म्युचुअल फंड

एनएसई के डेडिकेटेड इंडेक्स लॉन्च से बढ़ी उम्मीद

नई दिल्ली,। इस महीने की शुरुआत में एनएसई के निफ्टी आईईआईटी और रियल्टी इंडेक्स के लॉन्च के साथ ही भारत में रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (आईईआईटी) पर फोक्स्ड पहले म्युचुअल फंड स्कीम्स का रास्ता साफ हो गया है। कई फंड हाउस इस बेंचमार्क से जुड़े पैसिव प्रोडक्ट्स लाने पर विचार कर रहे हैं। उम्मीद है कि ऐसी पहली योजनाएं 2026 की दूसरी छमाही में लॉन्च होंगी, जब नियम फंड हाउस को आईईआईटी-आधारित प्रोडक्ट पेश करने की अनुमति देंगे।एसेट मैनेजमेंट कंपनियों के सीनियर अधिकारियों ने कहा कि वे नए लॉन्च किए गए इस इंडेक्स को ट्रैक करने वाले पैसिव फंड्स पर विचार कर रहे हैं। नवी एएमसी के सीईओ आदित्य मुल्की ने कहा कि हम अभी किसी तत्काल फाइलिंग पर टिप्पणी नहीं कर सकते, लेकिन इस इंडेक्स का गहराई से मूल्यांकन कर रहे हैं, क्योंकि यह रिटेल निवेशकों के लिए एसेट एलोकेशन के विकल्प बढ़ाने के हमारे उद्देश्य के अनुरूप है। डीएसपी इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स में पैसिव इन्वेस्टमेंट्स और प्रोडक्ट्स के हेड अनिल घेलानी ने कहा कि उनका फंड हाउस भी इस इंडेक्स का अध्ययन कर रहा है।यह कदम सेबी के उस फैसले के बाद उठाया गया है, जिसमें जनवरी 2026 में आईईआईटी को इक्विटी के रूप में वर्गीकृत किया गया। इससे 1 जुलाई से इन्हें इक्विटी इंडेक्स में शामिल करने की अनुमति मिल गई। पहले आईईआईटी को हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट माना जाता था, जिसके कारण इक्विटी स्कीम्स में उनकी हिस्सेदारी सीमित थी और एक्टिव फंड्स में इनका एक्सपोजर 10 फीसदी तक ही सीमित रखा जाता था। इस पुनर्वर्गीकरण और इंडेक्स में शामिल किए जाने से आईईआईटी में लिक्विडिटी बढ़ने, उनकी विजिबिलिटी मजबूत होने और म्युचुअल फंड्स की भागीदारी बढ़ने की उम्मीद है। निफ्टी आईईआईटी और रियल्टी इंडेक्स में आईईआईटी और रियल एस्टेट कंपनियों का मिक्स शामिल है। इसमें लिस्टेड पांच आईईआईटी का करीब 64 फीसदी हिस्सा है, जबकि बाकी हिस्सा रियल्टी स्टॉक्स का है, जिनमें डीएलएफ और फोनिक्स मिल्स जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। यह 15 शेयरों वाला इंडेक्स फ्री-फ्लोट मार्केट कैपिटलाइजेशन के आधार पर वेटेड है और किसी भी एक कंपनी का वेट 15 फीसदी से ज्यादा नहीं रखा गया है। पिछले एक साल में इसने 12.4 फीसदी का रिटर्न दिया है और करीब 3.3 फीसदी का डिविडेंड यील्ड भी प्रदान करता है।

ओएमओ से 3.5 लाख करोड़ रुपए के बॉन्ड की खरीद से घटेगा ट्रेजरी घाटा

स्विच ऑक्शन से भी बैंकों को मदद मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली,। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा इस तिमाही में अब तक खुले बाजार परिचालन (ओएमओ) के जरिये 3.5 लाख करोड़ रुपए मूल्य के बॉन्ड की भारी भरकम खरीदारी से बैंकों के ट्रेजरी कारोबार से जुड़ा घाटा कम होने की उम्मीद है। इसके अलावा स्विच ऑक्शन से भी बैंकों को मदद मिलने की उम्मीद है। बॉन्ड यील्ड में उछाल बैंकों के ट्रेजरी कारोबार पर असर हुआ है। 10 साल की अवधि की सरकारी प्रतिभूतियों पर यील्ड जनवरी से अब तक 35 आधार बढ़ चुकी है। अकेले मार्च में इसमें 28 आधार अंक की बढ़ोतरी हुई। चालू तिमाही में 5 साल की अवधि के सरकारी बॉन्ड और 15 साल की अवधि के बॉन्ड पर यील्ड क्रमशः 34 आधार अंक और 32 आधार अंक तक बढ़ गई है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी बैंकों और कुछ बड़े निजी क्षेत्र के बैंकों को अभी भी कुछ मार्क-टू-मार्केट नुकसान का सामना करना पड़ सकता है लेकिन जिन बैंकों ने ओएमओ खरीद या स्विच ऑपरेशन में भाग लिया है वे इसे कम करने की बेहतर स्थिति में होंगे। एक बॉन्ड कारोबारी ने कहा कि नुकसान तो होगा ही क्योंकि मौजूदा यील्ड 2022 में देखे गए उच्चतम स्तर के करीब हैं जब आरबीआई ब्याज दरें बढ़ा रहा था, उनमें अधिकांश अब घाटे में होंगे। अधिकारी ने कहा कि अगर बैंकों ने आरबीआई द्वारा बॉन्ड खरीदने के दौरान मुनाफा कमाया होता तो शुद्ध आधार पर वे अभी भी घाटे में हो सकते थे लेकिन नुकसान कम किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि प्रभावी रूप से मार्क-टू-मार्केट नुकसान का एक बड़ा हिस्सा आरबीआई द्वारा वहन किया गया है। अगर ये ओएमओ नहीं हुए होते तो आज बाजार में भारी नुकसान होता। शुक्रवार को 10 साल की सरकारी बॉन्ड की यील्ड 6.94 फीसदी पर पहुंच गई। पिछले साल मार्च के अंत में 10 साल के सरकारी बॉन्ड पर यील्ड 6.58 फीसदी थी। जानकारों का कहना है कि आरबीआई की तरफ से बॉन्ड खरीदारी ने नुकसान कम करने में अहम भूमिका निभाई है। अनुमान है कि केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष में करीब 9 लाख करोड़ रुपए मूल्य के बॉन्ड खरीदे हैं जिन पर यील्ड मौजूदा स्तरों से करीब 25 आधार अंक कम है। एक बॉन्ड कारोबारी ने कहा कि हाल में यील्ड में आई उछाल को देखते हुए कुछ बैंक खासकर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और कुछ बड़े निजी बैंक इस तिमाही में बॉन्ड कारोबार में नुकसान उठा सकते हैं।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट आधुनिक भारत की नई उड़ान

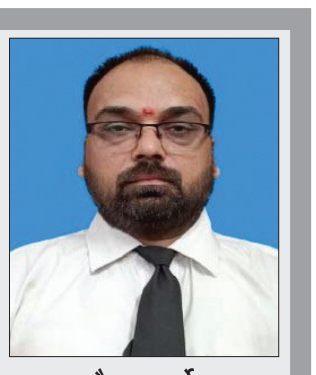

सौरभ वार्ष्णेय

अप्रैल के अंत में फ्लाइट्स शुरू होने के बाद यह देश का पांचवां सबसे बड़ा एयरपोर्ट बन जाएगा। चारों फेज का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद यह देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनेगा। 5000 एकड़ से अधिक के क्षेत्रफल में एयरपोर्ट का विस्तार होगा। पहले फेज के बाद इस एयरपोर्ट पर यात्री क्षमता करीब 1.2 करोड़ होगी। फाइनल फेज पूरी होने के बाद यह 7 करोड़ से अधिक यात्री क्षमता वाला एयरपोर्ट होगा। उड़ानें शुरू होने के बाद तेजी से बढने. की उम्मीद है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट केवल एक हवाई अड्डा नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश और पूरे भारत की विकास यात्रा का एक बड़ा आधार बनने जा रहा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि इसके माध्यम से प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी नई ऊंचाई मिलेगी। इस नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट आधुनिक भारत की नई उड़ान माना जा रहा है। इस विकास से प्रदेश का ही नहीं देश का विकास भी संभव हो सकेगा? देश की तरक्की में कम्युनिकेशन यानी यातायात को सुगम बनाना स्वाभाविक ही वह क्षेत्र और देश स्वयं तरक्की के पंख लगा लेता है। आज उसी अध्याय में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश को बीमारूइ छवि से बाहर निकालेगा। प्रदेश की छवि में चार चांद लगेंगे

जैसा की बताया जा रहा है अप्रैल के अंत में फ्लाइट्स शुरू होने के बाद यह देश का पांचवां सबसे बड़ा एयरपोर्ट बन जाएगा। चारों फेज का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद यह देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनेगा। 5000 एकड़ से अधिक के क्षेत्रफल में एयरपोर्ट का विस्तार होगा। पहले फेज के बाद इस एयरपोर्ट पर यात्री क्षमता करीब 1.2 करोड़ होगी। फाइनल फेज पूरी होने के बाद यह 7 करोड़ से अधिक यात्री क्षमता वाला एयरपोर्ट होगा। उड़ानें शुरू होने के बाद तेजी से बढने. की उम्मीद है। भविष्य का सबसे बड़ा एविएशन हब बनने की पूरी क्षमता रखता है। इससे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश को 'बीमारूइ छवि से बाहर निकालकर 'विकसित प्रदेशइ की दिशा में ले जाने की क्षमता रखता है। और जब देश का सबसे बड़ा राज्य आर्थिक रूप से सशक्त होगा, तो स्वाभाविक है कि भारत की समग्र प्रगति भी तेज होगी।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर एयरपोर्ट) का उद्घाटन होने के बाद अब अप्रैल माह के अंत तक उड़ाने शुरू होने की उम्मीद की जा रही है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट 65 शहरों के लिए उड़ान शुरू किए जाने का दावा है। पहले चरण में देश के 10 शहरों के लिए सेवा शुरू होगी। शुरूआत में केवल घरेलू और कार्गो उड़ानें ही संचालित होंगी। नोएडा एयरपोर्ट के उद्घाटन के साथ ही यूपी पांच इंटरनेशनल एयरपोर्ट वाला देश का पहला राज्य बन गया है। वैसे तो देश में एयरपोर्ट अलग-अलग मानकों के आधार पर तय किए जाते हैं। इनमें यात्री क्षमता, क्षेत्रफल और उड़ानों की संख्या शामिल होती है। देश के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट के आधार पर सबसे बड़ा दिल्ली का इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। वहीं, क्षेत्रफल के लिहाज से हैदराबाद एयरपोर्ट सबसे बड़ा है। उड़ानों की दृष्टि से सबसे बड़ा एयरपोर्ट दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट है। जेवर एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद इसे सबसे बड़ा माना जाएगा। देश के पांच सबसे बड़े एयरपोर्ट होगा।

सबसे पहले, यह एयरपोर्ट पश्चिमी उत्तर प्रदेश को वैश्विक व्यापार और निवेश के नक्शे पर मजबूती से स्थापित करेगा। अभी तक दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर अत्यधिक दबाव रहता है, लेकिन जेवर एयरपोर्ट उस दबाव को कम करेगा और क्षेत्र में हवाई कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा। इससे निर्यात, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन क्षेत्र को बड़ा लाभ मिलेगा। दूसरा, यह परियोजना रोजगार के विशाल अवसर पैदा करेगी। निर्माण चरण से लेकर संचालन तक लाखों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। आसपास के क्षेत्रों–जैसे ग्रेटर नोएडा, बुलंदशहर, अलीगढ़–में औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियां तेजी से बढ़ेंगी। तीसरा, यह एयरपोर्ट 'मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटीइ का केंद्र बनेगा। एक्सप्रेसवे, मेट्रो और रेल नेटवर्क से जुड़कर यह क्षेत्र एक लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित होगा। इससे किसानों, छोटे व्यापारियों और उद्योगों को अपने उत्पाद देश-विदेश तक पहुंचाने में आसानी होगी।चौथा, विदेशी निवेश को आकर्षित करने में यह अहम भूमिका निभाएगा। जब वैश्विक कंपनियां बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर देखती हैं, तो वे निवेश के लिए अधिक इच्छुक होती हैं। इससे 'मेक इन इंडियाइ और 'आत्मनिर्भर भारतइ जैसे अभियानों को मजबूती मिलेगी।

हालांकि, विकास के इस मॉडल में कुछ चुनौतियां भी हैं–जैसे पर्यावरण संतुलन और स्थानीय लोगों के पुनर्वास के मुद्दे। इनका संवेदनशील और संतुलित समाधान जरूरी है, ताकि विकास समावेशी और टिकाऊ बन सके।

उत्तर प्रदेश लंबे समय से अपनी विशाल जनसंख्या, कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था और सीमित औद्योगिक विस्तार के कारण विकास की चुनौतियों से जूझता रहा है। ऐसे में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण न केवल एक बुनियादी ढांचा परियोजना है, बल्कि यह राज्य की आर्थिक तस्वीर बदलने की क्षमता रखने वाला ऐतिहासिक कदम है।सबसे पहले, यह एयरपोर्ट क्षेत्रीय और वैश्विक कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा। दिल्ली-एनसीआर के बढ़ते दबाव को कम करते हुए यह नया हवाई अड्डा अंतरराष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन और निवेश को आकर्षित करेगा। जब दुनिया के बड़े शहरों से सीधी उड़ानें जुड़ेंगी, तो विदेशी कंपनियों के लिए उत्तर प्रदेश में निवेश करना अधिक आसान और लाभदायक होगा।दूसरा महत्वपूर्ण पहलू रोजगार का है। एयरपोर्ट के निर्माण से लेकर उसके संचालन तक लाखों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। होटल, परिवहन, लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग और रिटेल जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाएं खुलेंगी। आसपास के क्षेत्रों में छोटे और मध्यम उद्योगों को भी गति मिलेगी, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।तीसरा, यह परियोजना औद्योगिक विकास को नई दिशा देगी। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के तहत विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्रों को इस एयरपोर्ट से सीधा लाभ मिलेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स, मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स हब के रूप में यह क्षेत्र तेजी से उभर सकता है। हालांकि, हर बड़े विकास के साथ चुनौतियां भी आती हैं। भूमि अधिग्रहण, पर्यावरणीय संतुलन और स्थानीय समुदायों के पुनर्वास जैसे मुद्दों को संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ संभालना होगा। यदि इन पहलुओं की अनदेखी हुई, तो विकास का यह मॉडल असंतुलित हो सकता है। यह कहना अतिश्योक्ति होगा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश के लिए केवल एक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना नहीं, बल्कि आर्थिक पुनर्जागरण का माध्यम बन सकता है। यदि सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर इसे योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाएं, तो यह राज्य को न केवल राष्ट्रीय बल्कि वैश्विक आर्थिक मानचित्र पर नई पहचान दिला सकता है।

यूपी को 'बीमारू छवि से बाहर निकालेगा

उत्तर प्रदेश के जेवर में बन रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश के बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। यह केवल एक हवाई अड्डा नहीं, बल्कि उत्तर भारत के लिए विकास का नया इंजन बनने जा रहा है।सबसे बड़ी विशेषता इसकी वृहद क्षमता और चरणबद्ध विस्तार योजना है। पूर्ण रूप से विकसित होने पर यह एशिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट्स में शामिल होगा। शुरूआत में ही इसकी रनवे क्षमता और यात्री संभालने की व्यवस्था इसे भविष्य के दबाव के लिए तैयार बनाती है। अहम विशेषता है इसकी बेहतरीन कनेक्टिविटी। यह एयरपोर्ट दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के बड़े हिस्सों को सड़क, रेल और मेट्रो नेटवर्क से जोड़ेगा। इससे न केवल यात्रा आसान होगी, बल्कि व्यापार और उद्योग को भी नई गति मिलेगी। अन्य खासियत है इसका ग्रीन और सस्टेनेबल डिजाइन। यह भारत का पहला ऐसा एयरपोर्ट बनने की दिशा में है, जो पूरी तरह से नेट जीरो एमिशन के लक्ष्य को ध्यान में रखकर विकसित किया जा रहा है। सोलर एनर्जी, जल संरक्षण और पर्यावरण-अनुकूल निर्माण इसे भविष्य के एयरपोर्ट्स का मॉडल बनाते हैं। इसके अलावा, यह एयरपोर्ट कार्गो हब के रूप में भी उभरेगा। कृषि, और निर्यात आधारित उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक सीधी पहुंच मिलेगी। इससे स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान मिलेगी और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। सामाजिक दृष्टि से भी यह परियोजना महत्वपूर्ण है। क्षेत्र में रोजगार सृजन, शहरीकरण और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा, जिससे आसपास के जिलों का समग्र विकास संभव होगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट केवल एक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना नहीं, बल्कि नए भारत की आकांक्षाओं का प्रतीक है। यदि इसे समयबद्ध और संतुलित तरीके से पूरा किया गया, तो यह उत्तर प्रदेश ही नहीं, पूरे देश की आर्थिक उड़ान को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार है, समाचार पत्र व पत्रिकाओं में समसमायिक विषयों पर चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

संपादकीय

सोशल मीडिया पर अंकुश

अमेरिका में लॉस एंजेलिस की एक जूरी द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के घातक प्रभावों से त्रस्त एक युवती के पक्ष में सुनाए गए ऐतिहासिक फैसले से दुनिया भर के अभिवावकों को राहत मिली है। दरअसल, सोशल मीडिया की लत लगाने से जुड़े एक मामले में मेटा और यूट्यूब पर 56 करोड़ का जुमार्ना लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि एक युवती ने मेटा और यूट्यूब पर आरोप लगाया था कि इनकी वजह से उसे सोशल मीडिया की घातक लत लगी। हालांकि, अब तक ये कंपनियां दलील देती रही हैं कि वे मात्र सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हैं और इसकी सामग्री के लिये जिम्मेदार नहीं हैं। लेकिन कोर्ट में वकीलों ने पीड़िता के पक्ष में दलील दी कि जानबूझकर इस तरह के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बनाए गए हैं ताकि उपयोगकर्ता कथित सोशल मीडिया की लत के शिकार बन जाएं। शुरूआत से पहचान गुप्त रखने वाली बीस वर्षीय युवती केली के वकीलों की दलील को जूरी ने स्वीकार किया कि इस लत से उसकी मानसिक सेहत को नुकसान हुआ है। जूरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की दलीलों को दरकिनार करते हुए मेटा और यूट्यूब पर साठ लाख अमेरिकी डॉलर यानी छप्पन करोड़ रुपये चुकाने का आदेश दिया है। जूरी ने माना कि गूगल तथा मेटा ने इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के संचालन में अपने मुनाफे के मद्देनजर अनुचित उपायों का सहारा लिया है। जूरी ने इसे अनैतिक भी बताया। जूरी के निर्णय के अनुसार इस मामले में जुमार्ने की सत्तर फीसदी राशि मेटा तथा तीस फीसदी रकम गूगल को चुकानी होगी। उल्लेखनीय है कि पूरी दुनिया में इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के विरुद्ध हजारों मुकदमें चल रहे हैं। जिसमें कई वे लोग भी शामिल हैं जिनके बच्चों ने सोशल मीडिया की लत का शिकार होकर आत्मघाती कदम उठाये हैं। ब्रिटेन समेत कई देशों में अभिभावक इस लत से बच्चों को बचाने के लिये आंदोलन करते रहे हैं। यही नहीं, अमेरिका में ही विभिन्न अदालतों में सोशल मीडिया के घातक प्रभावों से बच्चों को बचाने के लिये सैकड़ों मामले चल रहे हैं। विश्वास किया जा रहा है कि इस मुकदमे के फैसले का प्रभाव उन तमाम मामलों में भी पड़ सकता है, जो दुनिया के विभिन्न देशों में चल रहे हैं। हालांकि, दोषी पाये गए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के कर्ताधर्ता इस फैसले से असहमति जताते हुए इसके खिलाफ अपील करने की बात कर रहे हैं। उनकी दलील है कि किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव के अनेक अन्य कारण हो सकते हैं, जिसके लिये सिर्फ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को ही दोषी नहीं ठहराया जा सकता। यूट्यूब के अधिकारियों का कहना है कि ये सोशल मीडिया साइट नहीं, सिर्फ वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म है। जबकि पीड़ित युवती के वकीलों की दलील थी कि मेटा आदि कंपनियों ने इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की संरचना ऐसी बनायी है कि किशोरों को इसकी आदत लग जाए। हकीकत ये है कि भारत समेत दुनिया के करोड़ों किशोर इसकी लत के शिकार बन रहे हैं।

चिंतन-मनन

दूर करें अध्यात्म विद्या का अभाव

अध्यात्म विद्या के विषय में अधिकांश भौतिक विद्वान शिक्षा को ही विद्या मान बैठते हैं। वे विद्या और शिक्षा के अंतर को भी समझने में असमर्थ हैं जबकि विद्या और शिक्षा में धरती और आसमान का अंतर है। इस विषय को स्पष्ट करते हुए महात्मा परमचेतनानंद ने अपने प्रवचन में कहा कि शिक्षा शब्द शिक्ष धातु से बना है जिसका अर्थ है सीखना। भौतिक शिक्षा अनुकरण के द्वारा सीखी जाती है जिसका संबंध ज्ञानेन्द्रियों, कर्मेंद्रियों व मन बुद्धि तक सीमित है। इसके अतिरिक्त विद्या शब्द विद् धातु से बना है जिसका अर्थ है जानना अर्थात वास्तविक ज्ञान।

यह ज्ञान स्वयं अंदर से प्रकट होता है, इसे ही अध्यात्म ज्ञान कहा जाता है। इसे आत्मा की गहराई में पहुंचने पर ही जाना जाता है। शिक्षा के विद्वान अहंकार से ग्रसित होते हैं, उनमें विनम्रता का अभाव होता है जबकि विद्या का प्रथम गुण विनम्रता है। विद्या वास्तव में मानव की मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है।

इस अध्यात्म विद्या से मानव निष्काम कर्म योगी बनता है जो सभी को समान भाव से देखता है। पहले निष्काम कर्म योगी को ही प्रजा अपना राजा चुनती थी। वे अपने पुत्र तथा अन्य प्रजा के साथ समान रूप से न्याय करते थे। आज के असमय में अध्यात्म विद्या का अभाव होने के कारण राजा और प्रजा दोनों ही अशांत हैं फिर भी इसे ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जबकि अध्यात्म विद्या के वेत्ता तत्वदर्शी संत आज भी मौजूद हैं।

मध्य पूर्व तनाव का असर, लेकिन भारत तैयार: संसाधनों का संयमित उपयोग अनिवार्य

सुनील कुमार महला

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण विश्व के कई हिस्सों में पिछले कुछ समय से तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे ऊर्जा संकट की स्थिति बनती दिखाई दे रही है। ऐसे समय में यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि प्राकृतिक संसाधन सीमित हैं, असीमित नहीं। इसलिए उनका उपयोग सोच-समझकर और जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्हें अनावश्यक रूप से बर्बाद करने का अधिकार किसी को नहीं है।

इसी संदर्भ में भारत सरकार ने 26 मार्च 2026 (गुरुवार) को यह स्पष्ट किया है कि देश में पेट्रोल और एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक और दुष्प्रचारपूर्ण खबरों पर ध्यान न दें, क्योंकि इनका उद्देश्य केवल भय और घबराहट पैदा करना है।पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, भारत के पास कुल 74 दिनों की भंडारण क्षमता है, जिसमें वर्तमान में लगभग 60 दिनों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। इस भंडार में कच्चा तेल, पेट्रोलियम उत्पाद तथा भूमिगत रणनीतिक भंडारण शामिल हैं। मंत्रालय ने यह भी बताया कि मध्य-पूर्व संकट के 27वें दिन तक देश में कहीं भी पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है। सरकार के अनुसार, हर नागरिक के लिए लगभग दो महीने तक निरंतर ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित है, चाहे वैश्विक परिस्थितियां कैसी भी हों। इसके अतिरिक्त, सरकार ने अगले दो महीनों के लिए कच्चे तेल की खरीद पहले से ही सुनिश्चित कर ली है। इतना ही नहीं, मीडिया के हवाले से यह भी खबरें आईं हैं कि सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटा दी है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार पेट्रोल-डीजल पर ?10 की कटौती की गई है, इससे फिलहाल पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ेंगे। यह अच्छी बात है कि केंद्र सरकार ने तेल कंपनियों और आम जनता को राहत देते हुए पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी को 13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपए कर दिया गया है तथा डीजल पर यह ड्यूटी पूरी तरह खत्म यानी जीरो कर दी गई है। बहरहाल, जहां कुछ देशों में ईंधन की कीमतों में वृद्धि, राशनिंग और पेट्रोल पंपों के बंद होने जैसी स्थिति देखने को मिल रही है, वहीं भारत में ऐसी कोई स्थिति नहीं है और किसी आपातकालीन कदम की आवश्यकता भी नहीं पड़ी है।बहरहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि संकट की इस घड़ी में समाज की वास्तविक परीक्षा एकजुटता और जिम्मेदारी में निहित होती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कोई बड़ा संकट आता है-चाहे वह महामारी हो, प्राकृतिक आपदा या आर्थिक मंदी-तब केवल आम जनता ही नहीं, बल्कि प्रशासन और व्यापारिक वर्ग की जिम्मेदारी भी कई गुना बढ़ जाती है। दुर्भाग्यवश, ऐसे समय में कालाबाजारी और मुनाफाखोरी जैसी प्रवृत्तियां भी उभरती हैं, जो कृत्रिम कमी पैदा कर आम लोगों की कठिनाइयों को और बढ़ा देती हैं। वास्तव में,कालाबाजारी और मुनाफाखोरी समाज की आर्थिक व्यवस्था को भीतर से खोखला कर देती हैं।यह न केवल आम जनता की जेब पर बोझ डालती है, बल्कि विश्वास की नींव को भी कमजोर करती है। आवश्यक वस्तुओं की कृत्रिम कमी पैदा कर कीमतें बढ़ाना नैतिक और कानूनी दोनों रूप से गलत है।सच तो यह है कि ऐसे समय में गरीब और मध्यम वर्ग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। ऐसे में सरकार को सख्त कानून और प्रभावी निगरानी व्यवस्था लागू करनी चाहिए। साथ ही, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई से ही इसका सही समाधान संभव है। जनता को भी जागरूक रहकर ऐसे कृत्यों का विरोध करना चाहिए।ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ व्यापार करना ही स्वस्थ समाज की पहचान है।वास्तव में, हमें यह समझना होगा कि वास्तविक शक्ति संसाधनों को जमा करने में नहीं, बल्कि उन्हें जरूरतमंदों तक सही तरीके से पहुंचाने में है। कालाबाजारी भले ही अल्पकालिक लाभ दे, लेकिन यह समाज के विश्वास और नैतिक आधार को कमजोर करती है। इसके विपरीत, यदि व्यापारी, उद्योगपति, प्रशासन और आम नागरिक मिलकर ईमानदारी, पारदर्शिता और सहयोग का मार्ग अपनाएं, तो किसी भी संकट के प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। अंततः, यही समय है जब हमें यह सिद्ध करना होगा कि हमारी सभ्यता स्वार्थ पर नहीं, बल्कि एकता, संवेदना और सहभागिता जैसे मूल्यों पर आधारित है। यही भावना न केवल संकट से उबरने में सहायक होती है, बल्कि एक मजबूत और सुदृढ़ राष्ट्र की नींव भी रखती है।

वैश्विक ऊर्जा संकट बनाम लॉकडाउन की आशंका?

किशन सनमुखदास

क्या दुनियाँ फिर कोविड-19 जैसे दौर की ओर बढ़ रही है या यह केवल भय और अफवाहों का जाल है?

क्या दुनियाँ एक बार फिर लॉकडाउन की ओर बढ़ रही है?- अफवाह बनाम जमीनी हकीक- भय,भ्रम और बदलती वैश्विक वास्तविकता

पीएम की लगातार बैठकें,देश में तेल,गैस और अन्य आवश्यक संसाधनों की आपूर्ति लगातार सुनिश्चित करना -अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी को ध्यान में रखना जरूरी

वैश्विक स्तरपर कोविड -19 महामारी ने दुनियाँ को जिस तरह से झकझोर कर रख दिया था,उसकी स्मृतियाँ आज भी लोगों के मन में ताजा हैं। 2020-21 के दौरान लगाए गए लॉकडाउन,आर्थिक गतिविधियों का ठप होना,सड़कों पर सन्नाटा और अनिश्चित भविष्य ये सब अनुभव आज भी समाज की सामूहिक चेतना में गहराई से बसे हुए हैं।ऐसे में जब 2026 में ऊर्जा संकट, पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और सरकारों की लगातार बैठकों की खबरें सामने आती हैं,तो स्वाभाविक रूप से लोगों के मन में यह सवाल उठता है,क्या दुनियाँ एक बार फिर लॉकडाउन की ओर बढ़ रही है? क्या यह एक नए प्रकार का ऊर्जा लॉकडाउन होगा? या यह केवल अफवाहों औरसोशल मीडिया की उपज है? मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहता हूं कि इस बार संकट का कारण कोई वायरस नहीं,बल्कि ऊर्जा आपूर्ति से जुड़ी अनिश्चितताएँ हैं।पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका ने कई देशों को सतर्क कर दिया है। कुछ देशों में बिजली की खपत कम करने के लिए स्कूल-कॉलेजों को अस्थायी रूप से बंद किया जा रहा है,सरकारी दफ्तरों में सप्ताह में केवल चार दिन काम का मॉडल अपनाया जा रहा है, और वर्क फ्रॉम होम को फिर से प्रोत्साहित किया जा रहा है।यह स्थिति भले ही कोविड जैसी स्वास्थ्य आपातकाल नहीं है, लेकिन इसके सामाजिक और आर्थिक प्रभाव उतने ही गहरे हो सकते हैं।श्रीलंका जैसे देशों में पहले से ही ऊर्जा संकट के कारण सड़कों पर सन्नाटा देखने को मिल रहा है। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि ऊर्जा संकट केवल आर्थिक समस्या नहीं है,बल्कि यह सामाजिक स्थिरता और नागरिक जीवन को भी सीधे प्रभावित करता है।भारत की स्थिति की व्याख्या हम,सतर्कता लेकिन घबराहट नहीं के रूप में कर सकते हैं,भारत भी इस वैश्विक संकट को लेकर सरकार पूरी तरह सतर्क है। पीएम ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ 26 मार्च 2026 को शाम साढ़े छह बजे बैठक कर स्थिति की समीक्षा की है।इन बैठकों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश में तेल,गैस और अन्य आवश्यक संसाधनों की आपूर्ति सुचारू रूप से बनी रहे। रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत के पास लगभग 60 दिनों का ईंधन भंडार उपलब्ध है, जो तत्काल किसी बड़े संकट की संभावना को कम करता है।सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि देश में किसी प्रकार का लॉकडाउन लगाने की कोई योजना नहीं है।वित्त मंत्री संसदीय कार्य मंत्री और पेट्रोलियम मंत्री ने संयुक्त रूप से बयान देकर इन अफवाहों को खारिज किया है। भारत में लॉकडाउन के संदेह का जन्म संसद में पीएम के बयान की गलत व्याख्या,अफवाहों के कारण कुछ जगहों पर पैनिक बाइंग की स्थिति उत्पन्न हुई, इंडियन ऑइल कारपोरेशन और भारत पेट्रोलियम ने सफाई दी हैसरकार का स्पष्ट संदेश है कि देश में पर्याप्त फ्यूल स्टॉक मौजूद है। लॉकडाउन और फ्यूल क्राइसिस की खबरें पूरी तरह भ्रामक है सोशल मीडिया पर फैल रही गलत जानकारी से सतर्क रहने की अपील की गई है। 27 मार्च 2026 को भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि देश में लॉकडाउन की कोई योजना नहीं है और ऐसी अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। केंद्रीयमंत्री ने सोशल मीडिया पर चल रही लॉकडाउन की खबरों को पूरी तरह गलत और हानिकारक बताया है। लोग घबराएं नहीं और न ही अफवाहों पर ध्यान दें, क्योंकि ईंधन और जरूरी वस्तुओं का पर्याप्त भंडार है।

साथियों बात अगर हम सोशल मीडिया और अफवाहों का तंत्रः डर का नया स्रोत इसको समझने की करें तो आज के डिजिटल युग में सूचना जितनी तेजी से फैलती है,उतनी ही तेजी से भ्रम और अफवाहें भी फैलती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर ऊर्जा लॉकडाउन और देशव्यापी बंदी जैसे शब्द ट्रेंड करने लगे,जिससे आम लोगों में डर का माहौल बन गया।पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगने लगीं,गैस सिलेंडर और आवश्यक वस्तुओं की खरीद अचानक बढ़ गई।यह स्थिति बताती है कि संकट केवल वास्तविक नहीं होता, बल्कि उसकी धारणा भी उतनी ही प्रभावशाली होती है। जब लोग यह मान लेते हैं कि कोई बड़ा संकट आने वाला है,तो उनका व्यवहार भी उसी अनुसार बदल जाता है,चाहे वास्तविक स्थिति उतनी गंभीर न हो।

साथियों बात अगर हम भारत की रणनीतिः संतुलन और स्थिरता को समझने की करें तो भारत ने पिछले कुछवर्षों में ऊर्जा क्षेत्र में विविधीकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर और पवन ऊर्जा पर बढ़ता जोर रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार, और आपूर्ति श्रृंखलाओं का विविधीकरण ये सभी कदम भारत को इस प्रकार के संकटों से निपटने में सक्षम बनाते हैं।सरकार का वर्तमान फोकस स्पष्ट हैःआपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखना,कीमतों को नियंत्रित रखना,जनता में घबराहट को रोकना,जनता की भूमिका-संयम और जागरूकता-किसी भी संकट के दौरान सरकार की नीतियों के साथ-साथ जनता का व्यवहार भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि लोग अफवाहों पर विश्वास करके अनावश्यक खरीददारी करते हैं, तो इससे कृत्रिम संकट उत्पन्न हो सकता है।इसलिए यह आवश्यक है कि लोग केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें और किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करें।

साथियों बात अगर हम राजनीतिक बयानबाजी और उसके प्रभाव को समझने की करें तो,इस पूरे घटनाक्रम में राजनीतिक बयानबाजी ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने यह आरोप लगाया कि केंद्र सरकार एक बार फिर लॉकडाउन लगा सकती है और लोगों को घरों में कैद कर सकती है।उन्होंने 2021 के लॉकडाउन और चुनावों का उदाहरण देते हुए अपनी बात रखी।हालांकि, ऐसे बयान अक्सर राजनीतिक दृष्टिकोण से दिए जाते हैं,लेकिन इनका असर आमजनता पर गहरा पड़ता है। जब एक वरिष्ठ नेता इस तरह की आशंका व्यक्त करता है, तो लोगों के मन में अनिश्चितता और भय और अधिक बढ़ जाता है।

साथियों बात अगर हम पीएम के संसद में बयान और उसके गलत अर्थ को समझने की करें तो,सोशल मीडिया पर यह दावा भी किया गया कि पीएम ने संसद में अपने संबोधन के दौरान लॉकडाउन का संकेत दिया था।लेकिन वास्तविकता यह है कि उन्होंने केवल कोविड-19 महामारी का उदाहरण देते हुए यह कहा था कि हमें हर प्रकार की चुनौती के लिए तैयार रहना चाहिए। इस बयान को संदर्भ से हटाकर प्रस्तुत किया गया, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई।यह घटना यह दर्शाती है कि किस तरह आधी-अधूरी जानकारी या संदर्भ से हटाकर प्रस्तुत किए गए बयान बड़े पैमाने पर सटीक रूप से गलतफहमी पैदा कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम,क्या वैश्विक स्तरपर ऊर्जा लॉकडाउन संभव है? इसको समझने की करें तो,ऊर्जा लॉकडाउन का विचार नया है, लेकिन पूरी तरह असंभव नहीं। यदि ऊर्जाआपूर्ति में भारी कमी आती है,तो सरकारें बिजली और ईंधन की खपत को नियंत्रित करने के लिए कुछ प्रतिबंधात्मक उपाय लागू कर सकती हैं।हालांकि, यह कोविड-19 जैसे पूर्ण लॉकडाउन से अलग होगा।ऊर्जा संकट के दौरान संभावित उपायों में शामिल हो सकते हैं:(1)औद्योगिक गतिविधियों को सीमित करना (2) कार्यालयों में वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा देना (3) सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देना (4) बिजली और ईंधन की खपत परनियंत्रण लेकिन इन उपायों का उद्देश्य जीवन को पूरी तरह रोकना नहीं, बल्कि संसाधनों का संतुलित उपयोग सुनिश्चित करना होगा।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में प्रवासियों को बिना जमानत हिरासत में रखने पर बड़ा फैसला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को बड़ी राहत देते हुए फैसला सुनाया है कि सरकार प्रवासियों को बिना जमानत के हिरासत में रख सकती है। यह फैसला 8वीं सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स ने दिया, जिसने पहले के निचली अदालत के आदेश को पलट दिया। पहले कहा गया था कि बिना दस्तावेजों के पकड़े गए लोगों को जमानत सुनवाई का अधिकार मिलना चाहिए। यह मामला मेक्सिको के नागरिक जोकिन हेरेरा एविला से जुड़ा था, जिन्हें 2025 में गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने जमानत की मांग की थी, लेकिन अब अदालत ने कहा कि कानून के तहत सरकार उन्हें हिरासत में रख सकती है। यह दूसरा बड़ा फैसला है जो ट्रंप प्रशासन के सख्त इमिग्रेशन रुख के पक्ष में गया है। अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी ने इसे बड़ी जीत बताया है। हालांकि, मानवाधिकार संगठनों ने इस फैसले पर चिंता जताई है और कहा है कि इससे हजारों लोगों की स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। यह मामला अब अमेरिका में कानूनी और राजनीतिक बहस का विषय बन गया है।

एयर कनाडा सीईओ पर विवाद, फ्रेंच न बोल पाने पर मांगी माफी

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा की बड़ी एयरलाइन एयर कनाडा के सीईओ माइकल रूसो को एक गंभीर विमान हादसे के बाद फ्रेंच भाषा में बात न कर पाने को लेकर भारी आलोचना का सामना करना पड़ा। न्यूयॉर्क में हुए इस हादसे में दो पायलटों की मौत हो गई थी, जिनमें से एक क्यूबेक का फ्रेंच भाषी था। इसके बाद सीईओ ने एक शोक संदेश जारी किया, लेकिन वह पूरी तरह अंग्रेजी में था, जिसमें केवल 'शुभ प्रभात' और 'धन्यवाद' जैसे दो फ्रेंच शब्द ही शामिल थे। इस पर क्यूबेक के नेताओं और आम लोगों ने कड़ी नाराजगी जताई। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने भी इसे संवेदनशीलता की कमी बताया और कहा कि देश की दोनों आधिकारिक भाषाओं का सम्मान जरूरी है। क्यूबेक के प्रीमियर ने तो सीईओ से इस्तीफा तक मांग लिया। अब माइकल रूसो ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगते हुए कहा कि उन्हें दुख है कि उनकी भाषा की कमी की वजह से हादसे से ध्यान हट गया। उन्होंने स्वीकार किया कि कई वर्षों से कोशिश करने के बावजूद वे अभी भी फ्रेंच में सही तरीके से बात नहीं कर पाते हैं, लेकिन वे सीखने की कोशिश जारी रखेंगे। यह मामला इसलिए भी बड़ा बन गया क्योंकि एयर कनाडा का मुख्यालय क्यूबेक में है, जहां लगभग 80% लोग फ्रेंच बोलते हैं। इससे पहले भी माइकल रूसो को इसी मुद्दे पर आलोचना झेलनी पड़ी थी।

अमेरिका में एयरफोर्स बेस के बाहर विस्फोटक मामला, भाई-बहन पर आरोप

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित मैकडिल एयरफोर्स बेस के बाहर विस्फोटक मिलने के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। इस मामले में भाई-बहन एलन झेंग और एन मैरी झेंग के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। एफबीआई के अनुसार, 20 साल का एलन झेंग चीन भाग गया है, जबकि उसकी बहन को हिरासत में लिया गया है। एलन पर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, खतरनाक विस्फोटक बनाने और बिना रजिस्ट्रेशन के हथियार रखने जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। वहीं उसकी बहन पर सबूत छिपाने और मदद करने का आरोप है। यह घटना 16 मार्च को सामने आई थी जब एयरफोर्स बेस के बाहर एक संदिग्ध पैकेट मिला। इसके बाद पूरे इलाके में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया था। यह बेस बेहद संवेदनशील है क्योंकि यहां से अमेरिका की मध्य-पूर्व और एशिया में सैन्य गतिविधियां संचालित होती हैं। इस घटना के बाद एक अन्य व्यक्ति को भी धमकी भरे फोन कॉल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया, हालांकि उसका इस विस्फोटक से कोई सीधा संबंध नहीं बताया गया है। ईरान युद्ध के चलते पहले से ही अमेरिकी सैन्य ठिकानों की सुरक्षा बढ़ाई गई थी, ऐसे में इस घटना ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता और बढ़ा दी है।

स्पेन में 25 साल की महिला ने ली इच्छामृत्यु, देशभर में बहस तेज

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन में 25 साल की नोएलिया कास्टिलो का इच्छामृत्यु लेना पूरे देश में चर्चा का बड़ा मुद्दा बन गया है। नोएलिया कैस्टिलो ने लंबे कानूनी संघर्ष के बाद यह अधिकार हासिल किया और बार्सिलोना में उन्हें जीवन समाप्त करने की अनुमति दी गई। कास्टिलो पिछले कई वर्षों से मानसिक बीमारी और गंभीर शारीरिक समस्याओं से जूझ रही थीं। एक आत्महत्या के प्रयास के बाद वे व्हीलचेयर पर आ गई थीं। उन्होंने 2024 में इच्छामृत्यु के लिए आवेदन किया, जिसे मेडिकल बोर्ड ने मंजूरी दे दी थी। हालांकि, उनके परिवार ने इस फैसले का विरोध किया और मामला कोर्ट तक पहुंच गया। कई अपीलों के बाद स्पेन की सुप्रीम कोर्ट ने कास्टिलो के पक्ष में फैसला सुनाया। मौत से एक दिन पहले उन्होंने कहा कि वे अब और दर्द सहन नहीं कर सकतीं और शांति चाहती हैं। वहीं, उनके परिवार का कहना है कि सरकार ने उनकी बेटी को बचाने में नाकामी दिखाई।

कनाडा में खालिस्तानियों के बुरे दिन! झंडे फहराने पर बैन, मंदिरों के बाहर उपद्रव पर जेल; बिल पास

ओटावा , एजेंसी। कनाडा के हाउस ऑफ कॉमन्स ने बुधवार को एक ऐतिहासिक बिल पास किया है, जिसके तहत बब्बर खालसा जैसे खालिस्तानी समूहों के झंडे और अन्य आतंकवादी प्रतीकों का प्रदर्शन करना गैरकानूनी हो जाएगा। साथ ही, धार्मिक स्थलों के बाहर लोगों को डराना-धमकाना या उनका रास्ता रोकना भी अब अपराध की श्रेणी में आएगा।

प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नेतृत्व वाली कनाडा की लिबरल सरकार का राजनीतिक रूप से विवादास्पद नया घृणा-विरोधी विधेयक (एंटी-हेट बिल) 'हाउस ऑफ कॉमन्स' में अपनी अंतिम बाधा पार कर चुका है और अब इसे मंजूरी के लिए सीनेट में भेजा जाएगा। इस बिल सी-9 को 'कॉम्बैटिंग हेट एक्ट' नाम दिया गया है। यह क्रिमिनल कोड (आपराधिक संहिता) में नए अपराधों का प्रस्ताव करता है। इसके तहत कुछ विशेष घृणा या आतंकवाद से जुड़े प्रतीकों का इस्तेमाल करके सार्वजनिक रूप से पहचान योग्य समूहों के खिलाफ जानबूझकर नफरत को बढ़ावा देना अपराध माना जाएगा। यह विधेयक बुधवार रात को ब्लॉक क्यूबेकोइस पार्टी के समर्थन से तीसरे चरण की वोटिंग (थर्ड रीडिंग) में पारित हो गया। मुख्य विपक्षी दल कंजर्वेटिव और एनडीपी ने इस कानून के खिलाफ मतदान किया।

बिल से जुड़ी मुख्य बातें : कॉम्बैटिंग हेट एक्टः इस बिल को औपचारिक रूप से यही नाम दिया गया है। हाउस ऑफ कॉमन्स से पास होने के बाद अब इसे अंतिम मंजूरी के लिए कनाडाई सीनेट में भेजा जाएगा।

आतंकवाद के महिमामंडन पर रोकः यह नया कानून 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' की आड़ में खालिस्तानी झंडे फहराने और खुलेआम खालिस्तानी साहित्य बांटकर आतंकवाद का महिमामंडन करने पर सख्त पाबंदी लगाता है। आतंकी संगठनों पर नकेलः इस बिल के लागू होने से बब्बर खालसा इंटरनेशनल और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन जैसे संगठनों के लिए सार्वजनिक रूप से काम करना बेहद मुश्किल हो जाएगा। ध्यान रहे कि इन दोनों ही संगठनों को भारत और कनाडा में आतंकवादी संगठन घोषित किया जा चुका है।

'धार्मिक छूट' हटाने पर हुआ समझौता : लिबरल पार्टी को ब्लॉक क्यूबेकोइस का समर्थन एक विशेष शर्त पर मिला। लिबरल्स ने बिल में एक ऐसा क्लॉज शामिल किया है जो कनाडा के हेट स्पीच (घृणा भाषण) कानून से 'धार्मिक छूट' को खत्म कर देगा। वर्तमान में, आपराधिक संहिता में हेट स्पीच के लिए एक छूट का प्रावधान है। इसके अनुसार, 'यदि कोई व्यक्ति सद्भावपूर्ण तरीके से, किसी धार्मिक विषय पर अपनी राय रखता है या किसी धार्मिक ग्रंथ में अपने विश्वास के आधार पर तर्क देकर अपनी बात स्थापित करने का प्रयास करता है' तो उसे हेट स्पीच नहीं माना जाता है। नया बिल इस छूट को खत्म कर देगा।

कंजर्वेटिव्स ने इस धार्मिक छूट को हटाने वाले प्रावधान का कड़ा विरोध करते हुए इसे धार्मिक स्वतंत्रता पर 'हमला' करार दिया है। कई धार्मिक समूहों ने भी इसे हटाए जाने पर गहरी चिंता जताई है। कैनेडियन सिविल लिबर्टीज एसोसिएशन जैसे नागरिक अधिकार समूहों का भी मानना है कि यह बिल शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों को आपराधिक बना सकता है और सरकार से असहमति जताने वाली आवाजों को दबा सकता है। सरकार का पक्ष और अगला कदम इस बिल को पेश करने वाले और ब्लॉक क्यूबेकोइस के साथ समझौता कराने वाले न्याय मंत्री सीन फ्रेजर ने विरोधियों की आलोचनाओं को खारिज किया है। उनका कहना है कि नया कानून किसी की आस्था को अपराध नहीं बनाएगा। अब यह बिल सीनेट (उच्च सदन) के पास जाएगा, जहां कानून बनने से पहले इसका गहन अध्ययन किया जाएगा। सीनेट के पास अभी भी इस कानून में बदलाव के लिए अपने सुझाव देने का अधिकार है। भारतीय-कनाडाई समुदाय के लिए बड़ी राहत इस बिल को भारतीय-कनाडाई समुदाय के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। यह समुदाय पिछले कई दशकों से कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा उत्पीड़न का सामना कर रहा था। खालिस्तानी समर्थकों द्वारा अक्सर हिंदू मंदिरों और अन्य धार्मिक संस्थानों में तोड़फोड़ की जाती रही है और वहां जाने वाले श्रद्धालुओं के रास्ते बंद किए जाते रहे हैं। खालिस्तान आंदोलन और कनाडा में उसका सुरक्षित ठिकाना खालिस्तान आंदोलन का मुख्य उद्देश्य भारत के पंजाब राज्य को अलग कर सिखों के लिए एक स्वतंत्र राष्ट्र बनाना है।

आने वाले महीनों में ऑस्ट्रेलिया की तेल आपूर्ति और मुश्किल होगी : पीएम अल्बनीज

कैनबरा, एजेंसी। झईरान और अमेरिका-इजरायल में जारी हमलों की वजह से जो तनाव पैदा हुआ है, उसने तेल और गैस को लेकर दुनिया के तमाम देशों की चिंता बढ़ा दी है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने शुक्रवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया की फ्यूल सप्लाई शॉर्ट टर्म में अच्छी लग रही है लेकिन आने वाले महीनों में यह और मुश्किल हो जाएगी। देश में बढ़ते फ्यूल संकट पर कैनबरा में पार्लियामेंट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए पीएम अल्बनीज ने कहा कि सरकार सबसे मजबूत योजना बनाने के लिए रात-दिन काम कर रही है और जो भी हो सकता है उसके लिए पूरी तरह तैयार है। अल्बनीज ने मलेशिया और बड़े आसियान इलाके के साथ अपने सकारात्मक संबंधों का जिक्र किया। बता दें, मलेशिया ऑस्ट्रेलिया को तेल का एक अहम सप्लायर है।

जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा मंत्री क्रिस बोवेन ने कहा कि देश में पेट्रोल, डीजल और तेल की सप्लाई वैसी ही बनी हुई है। बोवेन ने कहा, 'सरकार ने हमेशा माना है कि क्षेत्रीय ऑस्ट्रेलिया में असली और स्वीकार ना की जा सकने वाली कमी है क्योंकि डिमांड बहुत बढ़ गई है और उस मजबूत घरेलू सप्लाई में समय लगा है। अल्बनीज तेल के संकट की स्थिति को लेकर चर्चा करने के लिए सोमवार को एक नेशनल कैबिनेट मीटिंग भी बुलाएंगे। इससे पहले दिन में, विपक्ष के नेता एंगस टेलर ने सरकार से तीन महीने के लिए फ्यूल एक्साइज को अस्थायी तौर पर आधा करने की मांग की थी। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार ने बुधवार को माना कि देश भर के करीब 470 सर्विस स्टेशनों में कम से कम एक तरह का फ्यूल खत्म हो गया है। इससे पहले 24 मार्च को, ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (एबीसी) ने रिपोर्ट किया था कि ऑस्ट्रेलिया में अब सिर्फ दो घरेलू रिफाइनरियां चल रही हैं, जबकि इसका 80 फीसदी से ज्यादा पेट्रोल, डीजल और जेट फ्यूल इंपोर्ट किया जाता है, जिसमें से लगभग सारा एशिया से आता है। एबीसी ने यह भी बताया था कि एशियाई रिफाइनर जो कच्चा तेल इस्तेमाल करते हैं, उसका ज्यादातर हिस्सा मिडिल ईस्ट से आता है और इसे मुख्य रूप से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते भेजा जाता है। रिपोर्ट में कहा गया था कि ग्लोबल तेल बाजार में सप्लाई में भारी रुकावट आ रही है और बाजार अभी भी इस झटके के समय और नुकसान को कम आंक रहे हैं। इसमें कहा गया था कि अगर होर्मुज स्ट्रेट फिर से खुल भी जाता है, तो शिपिंग बीमा जल्दी ठीक नहीं हो पाएगा, जिसका मतलब है।

जी7 की बैठक से अलग कनाडा की विदेश मंत्री से मिले जयशंकर, पश्चिम एशिया और होर्मुज संकट पर हुई बात

ओटावा, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संकट और उसके दुनिया पर पड़ रहे असर को लेकर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद के साथ अहम बैठक की। दोनों नेताओं की यह बैठक जी7 की बैठक से अलग हुई। जयशंकर गुरुवार को जी7 के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने फ्रांस पहुंचे। बैठक के बाद कनाडा की विदेश मंत्री ने एक्स पर साझा एक पोस्ट में बताया कि दोनों नेताओं ने इस वर्ष की शुरुआत में पीएम कार्नी के भारत दौरे पर आगे बढ़ाई गई साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की।

पश्चिम एशिया संकट के अलावा इन मुद्दों पर हुई बात : आनंद ने कहा कि बैठक में व्यापार, पश्चिम एशिया की स्थिति और दोनों देशों के सहयोग को और मजबूत करने पर बात हुई। साथ ही प्रमुख क्षेत्रों जैसे महत्वपूर्ण खनिज, कृषि और शिक्षा पर भी चर्चा हुई। दो दिवसीय जी-7 बैठक में जयशंकर पश्चिम एशिया संकट पर विशेष ध्यान देते हुए इस बात पर विचार-विमर्श कर रहे हैं कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार के लिए हॉर्मुज जलडमरूमध्य खुला रहे। फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित यह संकीर्ण समुद्री मार्ग वैश्विक तेल और एलएनजी आपूर्ति के लिए अहम है और दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस व्यापार यहीं से गुजरता है। पश्चिम एशिया संकट के चलते ईरान द्वारा इसे बाधित किया गया, जिसके चलते वैश्विक तेल और गैस कीमतों में तेज उछाल देखा गया है।

जी7 की बैठक में पश्चिम एशिया मुद्दा छाया रहा : यह जी-7 बैठक 26-27 मार्च को फ्रांस में आयोजित की जा रही है। ग्रुप ऑफ 7 में दुनिया की सात प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं। यूरोपीय संघ भी इस समूह का सदस्य है। भारत के अलावा, फ्रांस ने सऊदी अरब, दक्षिण कोरिया और ब्राजील को भी इस बैठक में आमंत्रित किया है। जी-7 वैश्विक आर्थिक, वित्तीय और भू-राजनीतिक चुनौतियों पर चर्चा और समन्वित कार्रवाई के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में काम करता है।

पाकिस्तान में हो रहे मानवाधिकार हनन की संयुक्त राष्ट्र में कड़ी निंदा; अफगान नागरिकों की मौत पर भी चिंता

न्यूयार्क, एजेंसी। तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्थाओं पर जिनेवा में आयोजित संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 61वें सत्र में पाकिस्तान में हो रहे मानवाधिकार हनन पर कड़ी निंदा की गई। सत्र के दौरान आर्थिक विकास और मानवाधिकारों का हनन शीर्षक से चर्चा हुई। इस दौरान पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान में किए गए हमलों में बेकसूर अफगान नागरिकों की मौत को लेकर भी गंभीर चिंता जताई गई।

इस दौरान जापानी मानवाधिकार कार्यकर्ता शुन फुजिकी बोले, करीब 27 वैश्विक मानवाधिकार समझौतों से बंधे होने के बावजूद इस देश में गंभीर उल्लंघन जारी हैं। उन्होंने जबरन गायब किए जाने, यातना और हत्याओं की व्यापक रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि कई नागरिक या तो देश छोड़कर भाग रहे हैं या भय में जी रहे हैं। इंटरनेशनल करियर सपोर्ट एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस चर्चा में वैश्विक विशेषज्ञों ने भाग लिया और इस बात का विश्लेषण किया कि एशियाई देशों में तीव्र आर्थिक प्रगति किस प्रकार लगातार हो रहे मानवाधिकार उल्लंघनों को अक्सर नजरअंदाज कर देती है।

विशेषाधिकारों के वैश्विक मानक मानने होंगे : वक्ताओं ने श्रम अधिकारों के हनन व अभिव्यक्ति की आजादी पर अंकुश और नागरिक कल्याण को प्राथमिकता न देने वाली विकास नीतियों के व्यापक सामाजिक नतीजों पर प्रकाश डाला। जापान के शुन फुजिकी ने जोर दिया कि हमारा उद्देश्य पाकिस्तान को अलग-थलग करना नहीं, फिर भी पाकिस्तान को व्यापारिक विशेषाधिकारों को बनाए रखने के लिए वैश्विक मानकों का पालन करना होगा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संधियों के प्रति प्रतिबद्धता की गंभीर कमी भी उजागर की। भारत में समानता और समावेश के मुद्दे पर चर्चा यूएनएचआरसी के 61वें सत्र में संभली ट्रस्ट के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह चौहान ने नस्लवाद, भेदभाव और असहिष्णुता की वैश्विक चुनौतियों की पर ध्यानाकर्षित करते हुए समावेशिता के प्रति भारत के सक्रिय दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, नस्ली भेदभाव और विदेशियों के प्रति घृणा विश्व स्तर पर सबसे बड़ी चुनौतियां हैं।

ये मुद्दे न केवल मानवीय गरिमा को ठेस पहुंचाते हैं, बल्कि सामाजिक सद्भाव को भी बाधित करते हैं, जिससे शिक्षा, रोजगार और न्याय तक पहुंच में समान अवसरों में बाधाएं पैदा होती हैं। वह बोले, भारत के ढांचे में सांविधानिक सुरक्षा उपाय समानता को बढ़ावा देते हैं और नागरिकों को भेदभाव से बचाते हैं। चौहान में जोधपुर में किए गए कार्यों की भी जानकारी दी।

ईरान युद्ध के बीच बदलते समीकरणों के चलते चीन ने बदला अपना रुख

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी सरकार के एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि चीन ईरान विवाद पर अपने नजरिए को बदल रहा है। पूर्व अधिकारी ने कहा कि चीन अमेरिका के साथ उच्च स्तरीय बातचीत की तैयारी के लिए तनाव कम करने के लिए समर्थन का संकेत दे रहा है। यह बात ऐसे समय में आई है जब प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप अगले महीने चीन जाने का प्लान बना रहे हैं, जबकि खाड़ी में लड़ाई बढ़ती जा रही है। पूर्व अधिकारी ने कहा, 'यह बहुत अच्छी बात है कि राष्ट्रपति इस बड़े युद्ध के बीच में चीन जाने के लिए तैयार थे।' उन्होंने इस समय को बहुत अजीब बताया। बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अप्रैल में चीन के दौरे पर जाने वाले थे। हालांकि, हालिया हमलों और तनाव की वजह से अब चर्चा हो रही है कि वह मई में चीन दौरे पर जाएंगे। ट्रंप के चीन दौरे को लेकर अधिकारी ने कहा कि एशिया भर के देश प्रस्तावित समिट पर करीब से नजर रख रहे हैं, क्योंकि इससे इलाके की स्थिरता और आर्थिक हालात पर असर पड़ सकता है। अधिकारी ने कहा, 'एशिया का हर देश देख रहा है और उम्मीद कर रहा है कि जब राष्ट्रपति ट्रंप चीन आएंगे तो क्या उम्मीद की जा सकती है। ' अमेरिकी सरकार के एक दूसरे पुराने अधिकारी ने कहा कि हाल की आर्थिक बातचीत के बाद इस लड़ाई ने दोनों पक्षों को फिर से सोचने का मौका दिया है। पेरिस में हुई बातचीत का जिक्र करते हुए अधिकारी ने कहा, 'खाड़ी में ऑपरेशन दोनों पक्षों के लिए ज्यादा समय पाने का एक पॉलिटिकल कवर बन गया। ' अधिकारी ने कहा कि चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति की मेजबानी के लिए तैयार होने का संकेत देना जारी रखा है। हालांकि, अभी इस दौरे से संबंधित डिटेल्स को लेकर कुछ भी तय नहीं हुआ है। अधिकारी ने कहा, 'चीनियों ने आज सुबह कमोबेश संकेत दिया कि वे अभी भी उनकी (ट्रंप की) मेजबानी के लिए तैयार होंगे, लेकिन तारीखें कन्फर्म नहीं कीं। ' इसके साथ ही, हाल की डिप्लोमैटिक बातचीत के बाद लड़ाई पर चीन के मैसेज में बदलाव के संकेत दिखे हैं। एक तीसरे पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने कहा, 'शांति को बढ़ावा देने, ईरानियों को बातचीत की टेबल पर लाने पर ज्यादा ध्यान दिया गया है।' उन्होंने इस बदलाव को छोटा लेकिन ध्यान देने लायक बताया। अधिकारी ने आगे कहा कि अमेरिका के लिए एक शांति प्रस्ताव था, जिससे पता चलता है कि बीजिंग उच्च स्तरीय बातचीत से पहले हालात को स्थिर करना चाहता है। बदलते हालात ईरान विवाद और बड़ी अमेरिकी-चीन बातचीत के बीच के संबंध को भी दिखाते हैं। दूसरे अधिकारी ने एजेंडा के संभावित विस्तार की ओर इशारा करते हुए कहा, 'अमेरिका के बातचीत करने वाले अब किस हद तक, ईरानी तेल की चीनी खरीद जैसी बातें उठाना शुरू करेंगे। ' अधिकारी ने ईरान को चीन के संभावित समर्थन के बारे में भी चिंता जताई। अधिकारी ने कहा, 'झगड़े से पहले, चीनियों ने ईरानियों को एंटी शिप मिसाइल बेचने की बात की थी।' उन्होंने कहा कि ऐसे विकास पर करीब से नजर रखी जाएगी। इन मुश्किलों के बावजूद, दोनों पक्ष बातचीत बनाए हुए दिख रहे हैं। समिट को लेकर चीन की ओर से मिल रहे संकेतों को लेकर अधिकारी ने कहा, 'मुझे लगता है यह उनके हित में है और यह हमारे भी हित में है।

मेक्सिको की खाड़ी में तेल का रिसाव: 600 किलोमीटर तक फैला प्रदूषण, सात प्राकृतिक रिजर्व प्रभावित

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको की खाड़ी में मार्च की शुरुआत में तेल का भारी रिसाव हुआ। अब इसका प्रदूषण 600 किलोमीटर से ज्यादा बड़े इलाके में फैल गया है। मेक्सिकन अधिकारियों ने बताया कि यह रिसाव एक ऐसे जहाज से शुरू हुआ जिसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। इसमें दो प्राकृतिक स्त्रोत भी शामिल हैं। इस घटना ने सात प्राकृतिक रिजर्व क्षेत्रों को अपनी चपेट में ले लिया है।

नौसेना सचिव एडमिरल रायमुंडो मोरालेस ने मीडिया वार्ता में बताया कि सैटेलाइट तस्वीरों और जांच से रिसाव के तीन मुख्य ठिकानों का पता चला है। पहला स्त्रोत वेराक्रूज राज्य के कोत्जाकोआल्कोस बंदरगाह के पास खड़ा एक जहाज है। इस जहाज की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है क्योंकि उस समय वहां 13 जहाज मौजूद थे। दूसरा स्त्रोत इसी बंदरगाह से 8 किलोमीटर दूर एक ऐसी जगह है जहाँ से कच्चा तेल प्राकृतिक रूप से निकलता है। तीसरा स्त्रोत कैम्पेचे की खाड़ी में स्थित एक और प्राकृतिक रिसाव वाली जगह है। मोरालेस ने स्वीकार किया कि तेल का रिसाव अब भी जारी है। कैम्पेचे की खाड़ी में स्थित कंटारेल से सबसे ज्यादा रिसाव हो रहा है। यहां से प्राकृतिक रूप से तेल निकलता रहता है। हालांकि, पिछले महीने में प्रदूषकों का बहाव काफी ज्यादा रहा है।

कई राज्यों के लंबे तट प्रभावित : इस रिसाव ने वेराक्रूज और टबैस्को राज्यों के 200 किलोमीटर लंबे तट को प्रभावित किया है। अब तक 430 टन हाइड्रोकार्बन इकट्ठा किया जा चुका है। मामले पर पर्यावरण सचिव एलिसिया बारसेना ने बताया कि इस रिसाव से वेराक्रूज और ताबास्को राज्यों के सात संरक्षित प्राकृतिक रिजर्व प्रभावित हुए हैं, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें पर्यावरण को किसी भी तरह का गंभीर नुकसान होता हुआ नहीं दिखा है। समुद्री जीवों को पहुंच रहा नुकसान दूसरी तरफ, समुद्री संरक्षण के लिए काम करने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था ओशियाना ने अलग जानकारी दी है। संस्था ने बताया कि इस रिसाव से समुद्री कछुए, एक मैनेट (समुद्री गाय) और कई मछलियां मारी गई हैं। साथ ही 17 मूंगा चट्टानों (रीफ) को भी नुकसान पहुंचा है। पर्यावरण अधिकारियों ने भी माना कि समुद्री कछुए, पक्षी और मछलियों समेत छह प्रजातियां इस प्रदूषण से प्रभावित हुई हैं। तेल का असर लॉस टक्सटलास बायोस्फीयर रिजर्व, वेराक्रूज रीफ सिस्टम नेशनल पार्क, लेचुगुइलास और टोटोनाकापन जैसे कई सुरक्षित क्षेत्रों में देखा गया है। टबैस्को के सेंटला वेटलैंड्स में भी सफाई का काम किया जा रहा है। बता दें कि इससे पांच महीने पहले भी वेराक्रूज में भारी बारिश और बाढ़ के कारण वेराक्रूज में ही एक पाइपलाइन टूट गई थी।

अमेरिका ने पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों को और गहरा करने पर दिया जोर, रिश्ते को 'जटिल' बताया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के वरिष्ठ विधायकों और अधिकारियों ने पाकिस्तान के साथ अधिक गहरे और परिणाम-उन्मुख संबंधों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया है और इस रिश्ते को 'जटिल' बताया है। कैपिटल हिल पर बुधवार को टाम सुओजी और जैक बर्गमैन द्वारा आयोजित एक द्विदलीय संगोष्ठी में 200 से अधिक नीति-निर्माताओं, राजनयिकों और विशेषज्ञों ने अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों की दिशा का आकलन किया। सुओज़ी ने कहा, 'ऐसे समय में जब हमारा देश और दुनिया बढ़ती विभाजन की भावना महसूस कर रहे हैं, पाकिस्तान जैसे महत्वपूर्ण साझेदारों के साथ अपने संबंधों को मजबूत करना पहले से कहीं अधिक जरूरी है।' संयुक्त राज्य अमेरिका और पाकिस्तान के बीच संबंध जटिल रहे हैं। बर्गमैन ने विभाजनों के पार संवाद और सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'ऐसी एकता संयोग से नहीं होती। यह बातचीत से शुरू होती है। यह इस साझा विश्वास से शुरू होती है कि जब लोग साथ आते हैं, खुले तौर पर विचारों का आदान-प्रदान करते हैं और सम्मानपूर्वक जुड़ते हैं, तो प्रगति संभव है।' उन्होंने जोड़ा कि स्थायी प्रगति के लिए असहमतियों को 'सम्मान के साथ' संभालना आवश्यक है। अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत रिजवान सईद शेख ने इस रिश्ते को दीर्घकालिक और महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान का यह संबंध निश्चित रूप से सबसे महत्वपूर्ण और प्रभावशाली संबंधों में से एक है, जो लगभग आठ दशकों में कई सफल साझेदारियों के रूप में सामने आया है। हर बार जब हम साथ आए हैं, इसका प्रभाव द्विपक्षीय दायरे से परे रहा है और पूरी दुनिया को लाभ हुआ है। ' अमेरिकी विदेश विभाग के सहायक सचिव एस पॉल कपूर ने कहा कि वाशिंगटन ठोस परिणाम चाहता है। 'हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि

अमेरिका-पाकिस्तान द्विपक्षीय संबंधों में सद्भावना और उच्च-स्तरीय ध्यान अमेरिकी और पाकिस्तानी लोगों के लिए ठोस लाभ में बदलें। ' इस संगोष्ठी में सुरक्षा और आर्थिक सहयोग पर पैनल चर्चाएं हुईं। विशेषज्ञों ने क्षेत्रीय स्थिरता, जिसमें भारत व चीन के साथ पाकिस्तान के संबंध भी शामिल हैं और व्यापार व निवेश बढ़ाने की संभावनाओं पर विचार किया। माइकल कगलमैन (अटलांटिक काउंसिल) ने कहा कि यह साझेदारी 'अच्छी स्थिति में है,' लेकिन इसे समय के साथ अधिक टिकाऊ बनाने की जरूरत है। पूर्व राजदूत तौकीर हुसैन ने चेतावनी दी कि अमेरिकी नीति केवल दिखावे से आगे बढ़नी चाहिए। 'अगर अमेरिका अच्छे साझेदार चाहता है, तो उसे अच्छी नीतियां बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अच्छी नीति का मापदंड केवल यह नहीं होना चाहिए कि वह वाशिंगटन में अच्छी दिखती है। सुरक्षा चिंताएं भी प्रमुख मुद्दा रहीं। लीसा कर्टिस ने चेतावनी दी कि तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) अब भी 'एक खतरनाक और घातक संगठन' है और पाकिस्तान की स्थिरता सुनिश्चित करने में अमेरिका की रुचि पर जोर दिया। हसन अब्बास ने आतंकवाद, संगठित अपराध और सीमा-पार खतरों से निपटने के लिए नागरिक कानून-प्रवर्तन को मजबूत करने की आवश्यकता बताई।

आर्थिक मोर्चे पर सोफयां युसूफी ने पाकिस्तान में डिजिटलीकरण और व्यापक आर्थिक सुधारों की ओर बढ़ते प्रयासों का उल्लेख किया लेकिन निर्यात और विदेशी मुद्रा बढ़ाने के लिए स्पष्ट औद्योगिक नीति की जरूरत बताई। एसपेरेंजा (यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स) ने कहा कि नए सिरे से जुड़ाव ने निजी क्षेत्र के निवेश के अवसर खोले हैं और द्विपक्षीय व्यापार मुद्दों को सुलझाने का आह्वान किया।

अंत में सुओज़ी ने कहा, 'यह सम्मेलन अतीत से सीखने, वर्तमान को समझने और हमारे दोनों देशों के बीच अधिक समझदारी व सहयोगपूर्ण भविष्य का मार्ग तैयार करने के बारे में है। '

फंडा यूनिसैक्स फैशन का

पहले समय में महिलाओं और पुरूषों के पहनावे में स्पष्ट अंतर था। पहनावे के कारण पीछे से भी पता चल जाता था कि पुरूष है या स्त्री। समय बदलने के साथ धीरे-धीरे इनके पहनावे, आभूषणों में भी समानता आने लगी। अब बहुत-सी चीजें ऐसी हैं जिन्हें दोनों धड़ल्ले से प्रयोग करते हैं। इन चीजों को यूनिसैक्स आइटम्स कहा जाता है जैसे-

स्टोल:- स्टोल गले में डालने वाला कुछ समय पूर्व का ट्रैंड जिन्हें फार्मल और कैजुअल वीयर में प्रयोग किया जाता है। कैजुअल और फार्मल स्टोल लड़के कुत्ते-पायजामे, पाजामी के साथ प्रयोग में लाते हैं और लड़कियां जींस-कुर्त्ती और पाजामी-कुर्त्ते के साथ इनका प्रयोग करती हैं।

सॉक्स :- आजकल बाजार में ऐसी सॉक्स आ रही हैं जिन्हें लड़के और लड़कियां दोनों प्रयोग में ला रहे हैं। एंकल लैंथ और उनसे ऊपर की लैंथ वाली।

स्लीपर्स और स्पोर्ट्स शूज :- फ्लोटर्स, कोल्हापुरी चप्पल, जूतियां और स्पोर्ट्स शूज वगैरह में तमाम स्टाइल दोनों को ध्यान में रख कर तैयार किए जा रहे हैं।

ब्रेसलैट्स और बैंड्स :- हाथों में पहनने वाले चौड़े बैंड्स आजकल दोनों में पापुलर हैं और ब्रेसलैट्स भी दोनों जैंडर्स में पॉपुलर हैं।

स्कार्फ और मफलर :- लड़कियां अक्सर स्कार्फ स्कूटर, बाइक पर जाते समय बालों को सुरक्षित रखने की दृष्टि से सिर पर बांधती हैं या सर्दियों के मौसम में कानों को ठंडी हवा से बचाने के लिए। वहीं लड़के भी सर्दियों में गले को ठंड से बचाने के लिए मफलर का प्रयोग करते हैं और जीन-जैकेट के साथ स्कार्फ भी गले में पहने रखते हैं।

टैटू :- आधुनिक समय का हॉट ट्रैंड है शरीर पर टैटू बनवाना। लड़के-लड़कियां आज के समय में बाजू पर टैटू बनवाना, गर्दन के पीछे या नाभि के पास टैटू बनवाने की होड़ नें लगे रहते हैं। कई लोग तो परमानैंट टैटू भी बनवाते हैं।

टी शर्ट्स :- टी शर्ट्स यूनिसैक्स में पहनने का ट्रैंड नया नहीं है। यह तब से है जबसे लड़कियों ने जींस और ट्राऊजर पहनने शुरू किए थे। आज मार्कीट में बहुत बड़ी रेंज ऐसी टी शर्ट्स की हैं जिन्हें दोनों वर्ग आराम से पहन सकते हैं।

सनग्लासेस :- सनग्लासेस एक्सैसरी आइटम हैं जो दोनों जैंडर्स की खास पसंद हैं।

शॉर्ट कुर्तियां :- शॉर्ट कुर्तियां जींस पर पहनने का ट्रैंड पिछले पांच-छ: साल से काफी प्रचलित है विशेषकर श्लोक वाली कुर्तियां दोनों जैंडर्स में काफी पॉपुलर हैं। कालेज ब्वायज और गर्ल्ज की यह खास पसंद हैं।

रिस्ट वॉचेज :- आजकल लड़कियां भी लड़कों की तरह चौड़ी और स्पोर्टी घड़ियां पसंद करती हैं। मार्कीट में विविध स्टाइल की घड़ियां उपलब्ध हैं जिन्हें कोई भी खरीद कर पहन सकता है। बस जो स्लीक घड़ियां हैं उन्हें लड़के पहनना पसंद नहीं करते।

पियर्सिंग :- कान छिदवाना लड़कियों का ही शौक रहा है पर अब लड़के भी कान, नाभि, आईब्रोज, चिन वगैरह छिदवाने लगे हैं। दोनों जैंडर्स को पियर्सिंग का दीवाना आज के युग में देखा जाने लगा है।

नैक पीसेज :- लड़के भी लड़कियों की तरह गले में बड़ा लॉकेट काले धागे या पतली चेन में पहने देखे जाने लगे हैं। ये सब शौक कॉलेज ब्वायज में अधिक होते हैं।

थंब रिंग्स :- थंब रिंग्स पहनना पहले पुरूषों ने प्रारम्भ किया था पर अब लड़कियां भी शौक से थंब रिंग पहनने लगी हैं।

छोटी बालियां :- पहले समय में कानों में बालियां राजा-महाराजा या साहूकार पहनते थे या किसी के घर बहुत लड़कियों के बाद लड़का होता था तो उसके कानों में बालियां डाली जाती थीं पर अब यह ट्रैंड यूनिसैक्स फैशन का फंडा है।

ईयर रिंग्स :- बालियों के अलावा बहुत छोटी ईयर रिंग्स भी आजकल बहुत पॉपुलर हैं विशेषकर एक डायमंड वाले। फर्क इतना है बालियां या ईयर रिंग लड़के एक कान में पहन कर अपना स्टाइल बनाते हैं और लड़कियां दोनों कानों नें।

वॉलेट्स :- लड़कियां हैंड बैग्स में अब वॉलेट्स छोटे आकार का रखने लगी हैं जिनमें कार्ड्स और पैसे दोनों रखती हैं। पहले वॉलेट्स बस लड़कों के पास ही होते थे पर अब वॉलेट्स का प्रयोग दोनों बखूबी करते हैं।

हेयर बैंड :- पिछले कुछ समय से लड़के भी अपने बाल बढ़ाने लगे हैं। बड़े बालों को संभालने के लिए बालों पर हेयर बैंड का प्रयोग करते हैं ताकि बाल आंखों को परेशान न करें। इसी प्रकार पीछे पोनी भी बनाते हैं जिनमें रबड़ बैंड का प्रयोग करते हैं।

... ताकि बेटी हो सर्वगुण सम्पन्न

अपनी बेटी को पति-धर्म के प्रति पूर्ण समर्पित होने के बारे में समझाएं। वह जैसे भी हैं उन्हें उसी रूप में स्वीकार करे तथा उन्हें समझने का प्रयत्न करे। उनसे कोई शिकायत हो तो प्यार से मूड देख कर बात करे। सास-ससुर को मान-सम्मान और ननद व देवर को भाई-बहन जैसा प्यार देकर घर को जोड़ने में विश्वास रखें।

बेटा हो या बेटी, उसके पैदा होते ही माता-पिता जमाने की हर खुशी उसके कदमों में डाल देना चाहते हैं। खासतौर से जब बात हो बेटी की तो उसके लिए उनकी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। हालांकि बेटा-बेटी को वे समान रूप से पालते हैं, उन्हें अच्छी शिक्षा और संस्कारों से परिचित कराते हैं परन्तु फिर भी बेटी को शारीरिक और मानसिक तौर पर इस तरह से विभिन्न परिस्थितियों में ढलने को तैयार किया जाता है कि युवा होने के बाद जब वह ब्याह कर अपने ससुराल जाए तो उसे एक नए वातावरण में सामंजस्य बिठाने में मुश्किल न हो। यह भी सच है कि बेटी उन बातों का अनुसरण कर स्वयं को एक बहू, पत्नी और मां के रूप में ढाल कर सबका प्यार और आशीर्वाद प्राप्त करती है और एक सुखद पारिवारिक वातावरण की नींव रखती है।

अपनी बेटी की विवाहित जिंदगी को सुखमय बनाने में अधिक जिम्मेदारी मां की होती है।

- अपनी बेटी को पढ़ा-लिखा कर इस काबिल बनाएं कि समय पड़ने पर वह अपने पति को आर्थिक रूप से सहयोग दे पाए। उसे आगे आने वाली परिस्थितियों के लिए तैयार करें ताकि मानसिक रूप से तत्पर होकर वह कठिन से कठिन स्थिति में निर्णय ले सकने में सक्षम हो सके। मुश्किल समय में संयम रखना व अपने परिवार को संभालने में उसकी मदद करें।
- मायके और ससुराल की दिनचर्या, माहौल और रीति-रिवाजों में जमीन-आसमान का अंतर होता है, अत: यह समझाना जरूरी है कि ससुराल में एक बहू की मर्यादा का वह पूरा ध्यान रखे। अगर वह वहां लोगों से प्यार और सम्मान चाहती है तो उसमें भी अपने ससुराल के पारिवारिक सदस्यों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के गुण विद्यमान होने चाहिए। वहां बार-बार मायके जाने की जिद करे। वह किसी को भी बिन मांगे सलाह न दे तथा जब भी कुछ बोले सोच-समझ कर ही बोले।
- उसे बताएं कि कैसे सबका दिल जीता जाता है। इसके लिए जरूरी है कि आप एक बेटी की मां होने के नाते स्वयं का व्यवहार भी संयमित रखें क्योंकि कई बार जैसा वह अपने मायके में देखती है वैसा ही वह अपने ससुराल में भी कर सकती है। उसे रिश्तों का महत्व समझाएं। मिल-जुल कर रहने और बड़ों का आदर करने की शिक्षा दें।
- अपनी बेटी को पति-धर्म के प्रति पूर्ण समर्पित होने के बारे में समझाएं। वह जैसे भी हैं उन्हें उसी रूप में स्वीकार करे तथा उन्हें समझने का प्रयत्न करे। उनसे कोई शिकायत हो तो प्यार से मूड देख कर बात करे। सास-ससुर को मान-सम्मान और ननद व देवर को भाई-बहन जैसा प्यार देकर घर को जोड़ने में विश्वास रखें। उसे ममता के मायने बताएं ताकि जब वह मां बने तो बच्चों की परवरिश की पूरी जिम्मेदारी उठा सके।
- अपनी सोच को हमेशा पॉजीटिव रखें और दूसरों की बुराई से दूर रहें। प्रत्येक को प्यार से बुलाएं और सबकी परेशानियों को अपना समझ कर उनका निदान करने की कोशिश करें। एक मां के रूप में आप अपनी बेटी को घर के कामों में भी ट्रेन्ड करें, खासतौर से रसोई-शिक्षा उसके लिए बहुत ही जरूरी है। उसे खाना बनाना आना चाहिए क्योंकि कहते हैं कि प्यार का रास्ता पेट से होकर गुजरता है।

कुल मिला कर अपनी बेटी को सर्वगुण सम्पन्न बनाएं क्योंकि ससुराल में उसकी वाहवाही आपकी मेहनत का फल होगा। आपके दिए गए संस्कारों से वह अपनी गृहस्थी को फलीभूत करेगी तो आपके लिए यह गर्व की बात होगी।

पोटैटो चीज सैंडविच

सामग्री : 2 उबले हुए आलू, 1 शिमला मिर्च, 50 ग्राम कद्दूकस किया हुआ चीज, नमक स्वादानुसार, आधा टीस्पून काली मिर्च पाऊडर, ब्राऊन ब्रैड स्लाइस, बटर।

विधि : आलू व शिमला मिर्च को स्लाइस में काट लें। ब्रैड पर बटर लगा कर आलू व शिमला मिर्च की स्लाइस रखें। नमक व काली मिर्च बुरक दें। अब चीज स्लाइस लगाएं। इसी तरह आलू, शिमला मिर्च व चीज स्लाइस की एक लेयर और बनाएं। बटर लगा कर ग्रिल करें। हरी चटनी व सॉस के साथ सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी व अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभांक-5-6-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-5-6-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-6-7

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-6

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-3-8-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-3-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-2-6-8

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग बना है। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-4-8-9

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। खान-पान में सावधानी रखें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-5-6-8

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-8-9

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली - 2021

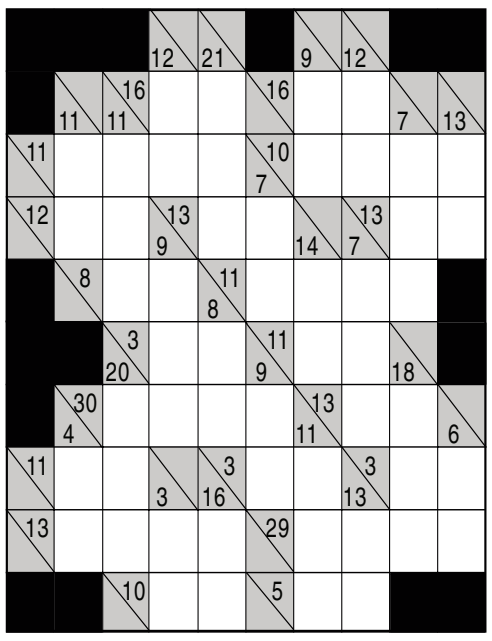

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

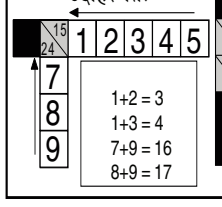

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2020 का हल

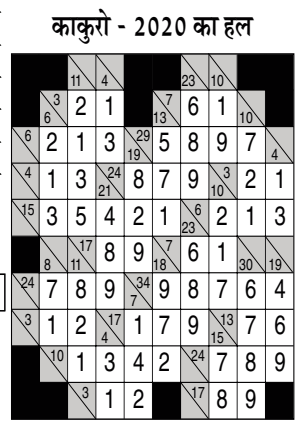

लॉफिंग ज़ोन

अपने पति की हत्या के मामले में कटघरे में खड़ी महिला से न्यायाधिश ने कहा- आपको अपनी सफाई में क्या कहना है?

महिला : मैं क्या कह सकती हूँ, मेरे यहाँ सफाई तो नौकरानी करती है। इस विषय में इससे ज्यादा जानकारी तो वही दे सकती है।

□ □ □

रमन (प्रेमिका) से- गीता, प्लीज मुझसे शादी के लिए हाँ कर दो ना....! मैं तुम्हारी हर छोटी-छोटी इच्छाओं को पूरी करूँगा।

प्रेमिका बोली- ये सब तो ठीक है, परंतु मेरी उन बड़ी इच्छाओं का क्या होगा? उसे कौन पूरा करेगा दूसरा पति।

□ □ □

एक बार तीन नीग्रो जंगल में जा रहे थे। घने जंगल के रास्ते में उन्हें भगवान मिले। भगवान ने उन्हें एक-एक वरदान माँगने के लिए कहा।

पहला बोला- मुझे गोरा बना दो।

भगवान- तथास्तु।

दूसरा बोला- मुझे भी गोरा बना दो।

भगवान ने कहा- तथास्तु।

अब तीसरे नीग्रो के माँगने की बारी थी। उसने वरदान माँगा- इन दोनों को फिर से काला-काला बना दो।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2021

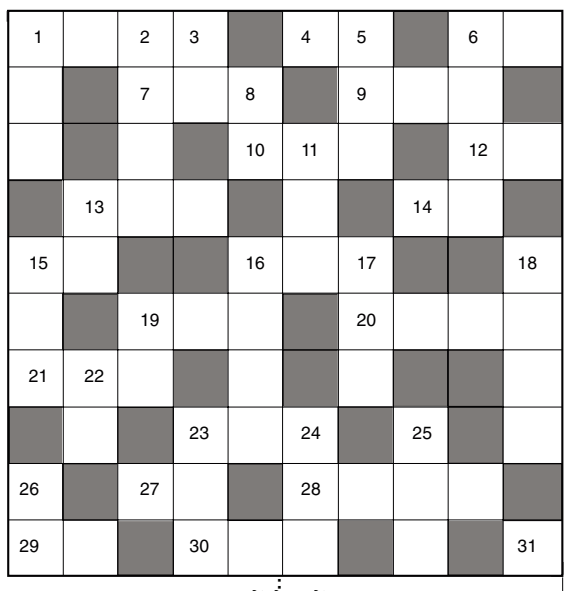

बायें से दायें:-

१. ऋषिकपूर, मनीषा की 'दिल की कही ना जाए' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली रितिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
६. कृतिका, सोनू की 'सुबह सुबह जब खिड़की' गीत वाली फिल्म-२
७. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
९. फिल्म 'चोरी चोरी' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'रणभूमि' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१२. ऋषिकपूर, डिम्पल की 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'पिया तू अब तो आजा' गीत वाली फिल्म 'कारवाँ' का नायक-३
१४. प्रशांत, ऐश्वर्या की 'कोलंबस कोलंबस' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली मनोज वाजपेयी, तब्बू की फिल्म-२
१६. जैकी, जूही, अमृता की 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दम भर जो उधर मुँह फेरे' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-३
२०. धर्मेन्द्र, हेमा की 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
२१. 'यादें' में रितिक की नायिका -३
२३. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मेरी जाँ प्यार करो' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी, रंजीता की फिल्म-२
२८. शत्रुध्न, मिथुन, हेमा, अनिल राज की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देवआनंद, माला की फिल्म-२
३०. 'अगर जिंदगी हो तेरे संग हो' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'चंदा ने दी चाँदनी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. 'हँसदे हँसदे' गीत वाली कमल हासन, रवीना, मनीषा की फिल्म-३
२. अमिताभ, शाहरूख, उदय चोपड़ा, ऐश्वर्या, किम शर्मा, प्रीति की फिल्म-४
३. 'आजा आजा गिव मी ए' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
५. 'दिल क्यों धड़कता है' गीतवाली फिल्म-३
६. 'सुनिये तो रूकिये तो' गीत वाली शाहरूख, जूही चावला की फिल्म-२,२
८. फिल्म 'सवेरे वाली गाड़ी' में नायक-२
११. मिथुन, आदित्य, रेखा की 'मेरा नाम बिल्लू' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'अभी साँस लेने की' गीत वाली सलमान, सनी, करिश्मा की फिल्म-२
१५. सनी, मीनाक्षी, ममता की 'कोई जाए तो ले' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मेरे सपनों की रानी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१७. मिथुन, अतुल, पूजाभट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'जीवन के सफर में राही' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-४
१९. 'कभी हाँ कभी ना' में सुचित्रा कृष्णामूर्ति के चरित्र का नाम-२
२२. 'सनम तेरी कसम' में नायिका कौन-२
२३. सनी, अमृता की 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'प्यार कोई खेल नहीं' की नायिका-३
२५. 'रूके रूके से' गीत वाली फिल्म जिसमें संजीव, शर्मिला थे-३
२६. फिल्म 'संन्यासी' में नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2020

घ	रौं	दा		जा	लि	म		आ	
र		मि	ल	न		न	सी	ह	त
	स	नी		व			मा		र
खे	ल		नू	र	ज	हाँ		मा	ला
	मा	धु	री		मी		आँ	सू	
श	न			औ	र	त		म	स्त
गि		दि	ल			ग	खी		
र्द		ल्ल		आ	र	जू			आ
	स	गी	ना		वी		जा	गृ	ति
ह	त्या		ना		ना	गि	न		श

सूडोकु -2021

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2020 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

शब्द पहेली - 2021

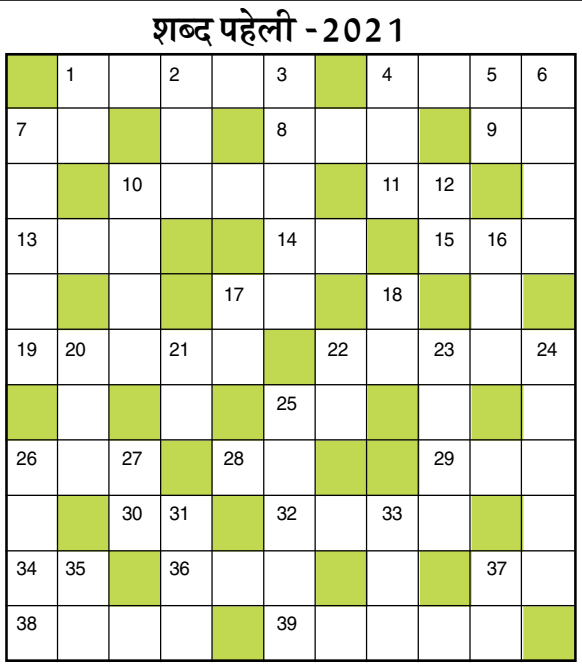

बाएँ से दाएँ

1. अपनापन का विलोम-5
4. हठ करना,रोना,लालसा करना-4
7. गीत (अंग्रेजी-2)
8. गलीचा,कारपेट-3
9. किनारा,छोर-2
10. झगड़ा,कहासुनी-4
11. समय,वक्त-2
13. बेबस-3
14. राष्ट्र,स्वदेश-2
15. पुत्र,लड़का-3
17. प्राप्त करना-2
19. सेंधमार-5
22. चरित्र,व्यवहार-2,3
25. जीव,दूत,जासूस-2
26. आत्मबलि देना-3
28. ताकत,जोश,बल-2
29. कराह,टीस,लालसा-3
30. वहम,संदेह-2
32. आह भरना-4
34. दूर्वा,घास-2
36. चोंगा,गाऊन-3
37. सफर,जात्रा-2
38. दयालु,कृपालु-4
39. निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. पांव, पैर-2
2. भिखारी,मंगता-3
3. अस्वीकृत करना-3,2
4. माला का मोती-3
5. बुरी आदत-2
6. नाटक से परिपूर्ण-4
7. हल्का काला,श्याम-5
10. व्यवस्थित-4
12. बुरी आदत-2
16. अनुकृति-3
17. तांबूल,पत्ता-2
18. रुखसार,कपोल-2
20. डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21. जोड़,योग-2
22. चतुर्थ-2
23. आनंद ध्वनि करना-4
24. महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25. चमकीला-5
26. नीच,नराधम -4
27. विनाश, नेस्तनाबूत-2
31. रंग (अंग्रेजी-3)
33. पराजित करना-3
35. गौरेया, एक चिड़िया-2
37. दोस्त,मित्र, सखा-2

शब्द पहेली -2020 का हल

	व	र	दा	न		अ	प	मा	न	
स			य		म		ह			ह
र		श	रा	र	त	क	र	ना		व
क	ल	ह			वा			का	न	न
ना		र		अ	ला	व		र	ख	
	दा		का	म		च	प्पू		रा	
	व	जु		न	म	न		पा		मु
क	न	रा			हा			ल	ल	क
ल		ब	लि	दा	न	क	र	ना		र
म			ख		ता		ई			ना
	ना	ना	ना	नी		फि	स	ल	ना	

कौशाम्बी सड़क हादसे के आठ मृतकों की हुई पहचान, घायलों का उपचार जारी

एजेंसी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में सैनी थाना क्षेत्र के अजुआ पेट्रोल पंप के समीप हुए सड़क हादसे में सभी आठ मृतकों की पहचान कर ली गई है। फतेहपुर जिले के जाफरगंज थाना क्षेत्र के निवासी है। इस हादसे में घायल लोगों का उपचार जारी है। शुक्रवार देर शाम पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार ने बताया कि हादसे की सूचना पर पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए आठ एम्बुलेंस लगाई गईं। अस्पताल ले जाते समय आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य घायलों का उपचार किया जा रहा है। हादसे के कारण कुछ देर तक हाईवे पर जाम की स्थिति भी बनी रही, जिसे बाद में पुलिस ने हटवाकर यातायात सुचारु कराया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि हादसे में मृत लोगों की पहचान करा ली गयी है। हादसे में फतेहपुर जिले के जाफरगंज थाना क्षेत्र के बारा गांव निवासी सुखरानिया (65)पत्नी मुन्ना, जाफरगंज के कोरौली गांव निवासी दरसनिया(68) पत्नी बाबूलाल, गांव एवं थाना उपरोक्त निवासी राजकुमारी (35)पत्नी रामखेलावन, कल्लो (22) निवासी उपरोक्त, गुड़िया(27) पत्नी मुकेश, फतेहपुर के चांदपुर थाना क्षेत्र के गज्जा का पूरा डेरा गांव निवासी ध्रुव (7) पुत्र मोहन, जाफरगंज थाना क्षेत्र के करौली गांव निवासी मयंक (10) पुत्र मुकेश और जाफरगंज थाना क्षेत्र के बारा गांव निवासी अनुज (8) पुत्र लखन के रूप में हुई है।

त्रि नगर में घर में लगी आग, छह लोग झुलसे; शॉर्ट सर्किट की आशंका

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी जिले के त्रि नगर इलाके में सुबह एक रिहायशी मकान में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। हादसे में एक ही परिवार के छह लोग झुलस गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राथमिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। पुलिस के मुताबिक, सुबह करीब सात बजे केशव पुरम थाना पुलिस को पीसीआर कॉल के जरिए सूचना मिली कि गणेशपुरा स्थित दिग्गी साड़ी वाला इलाके में एक मकान में आग लग गई है और कुछ लोग अंदर फंसे हुए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। वहां पहले से ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौजूद थीं और आग बुझाने का काम जारी था। घटना मकान नंबर 1418/97, गणेशपुरा की है। यह चार मंजिला इमारत (ग्राउंड फ्लोर से तीसरी मंजिल तक) है, जो करीब 50 वर्ग गज में बनी हुई है। ग्राउंड फ्लोर पर 'कन्हैया साड़ी' नाम की दुकान है, जो इस हादसे में सुरक्षित रही। आग मुख्य रूप से दूसरी मंजिल पर फैली, जहां लोग रहते हैं। हादसे में घायल होने वालों की पहचान भारत लाल (32), अनीता (55), प्रीतम लाल (30), वंदना (24), मोनी (27) और तीन वर्षीय सोमिया के रूप में हुई है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने जारी की टीवी रेटिंग नीति 2026

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने टीवी रेटिंग नीति (टीआरपी) 2026 जारी की है, जिसका उद्देश्य भारत में टेलीविजन रेटिंग सेवाओं के संचालन में पारदर्शिता, स्वतंत्रता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। यह नीति टीवी रेटिंग एजेंसियों के पंजीकरण, संचालन, ऑडिट और निगरानी के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश तय करती है। इस नीति के तहत टीवी रेटिंग एजेंसी के रूप में पंजीकरण के लिए न्यूनतम नेटवर्थ की आवश्यकता 20 करोड़ रुपये से घटाकर 5 करोड़ रुपये कर दी गई है। बोर्ड के कम से कम 50 प्रतिशत सदस्य स्वतंत्र होंगे, जिनका किसी ब्रॉडकास्टर, विज्ञापनदाता या एजेंसी से कोई संबंध नहीं होगा। एजेंसियों को ऐसे परामर्श कार्य करने की अनुमति नहीं होगी, जिससे हितों का टकराव हो सके। इस नीति के अनुसार डेटा की सटीकता बढ़ाने के लिए, एजेंसियों को 18 महीनों में 80,000 मीटर किए गए घरों तक विस्तार करना होगा और बाद में इसे 1,20,000 घरों तक ले जाना होगा। डेटा को केबल, डीटीएच, ओटीटी और कनेक्टेड टीवी सभी प्लेटफॉर्म से टेक्नोलॉजी-न्यूट्रल तरीके से इकट्ठा करना होगा। एजेंसियों को अपनी विस्तृत डेटा मापन पद्धति और अनामीकृत डेटा अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित करना होगा। सभी ऑपरेशन डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट, 2023 के अनुसार सुनिश्चित करना होगा।

संसद के दोनों सदन 30 मार्च 11 बजे तक के लिए स्थगित

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों में व्यापक सरकारी कामकाज देखने को मिला। जहां आमतौर पर प्राइवेट मेंबर बिल लिए जाते हैं, लेकिन लोकसभा और राज्यसभा, दोनों में सरकारी कामकाज हुआ। लोकसभा में प्रश्न काल के बाद जन विश्वास संशोधन बिल, 2026 पेश किया गया। तो राज्यसभा में शून्य काल, प्रश्न काल के साथ वित्त विधेयक पर चर्चा के बाद पारित कर लोकसभा को लौटा दिया गया। उसके बाद संसद के दोनों सदनों को 30 मार्च 11 बजे तक के लिए स्थगति कर दिया गया। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान उर्वरकों के कच्चे माल के आयात को लेकर सवाल उठा। इस पर केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा ने जवाब देते हुए कहा कि देश में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है और किसानों को जरूरत के मुताबिक खाद उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने पैनिक न करने की भी अपील की। लोकसभा में जन विश्वास संशोधन बिल, 2026 पेश किया गया।

बजट सत्र के दौरान सीएजी की कई रिपोर्ट पर चर्चा, 'शीश महल' को लेकर गंभीर अनियमितताओं का उल्लेख : विजेंद्र गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में बजट सत्र के दौरान सदन में पेश कई सीएजी रिपोर्टों पर चर्चा हुई। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने बजट सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि आज सदन में सीएजी की उन विभिन्न रिपोर्टों पर चर्चा हुई जो 23 मार्च को सदन के पटल पर रखी गई थीं। 25 मार्च को सदस्यों ने सीएजी की रिपोर्ट संख्या 5, वर्ष 2024 पर अपने विचार व्यक्त किए, जिसमें शीश महल से संबंधित निष्कर्ष सम्मिलित थे। इसके अतिरिक्त सीएजी ने उसी रिपोर्ट में जीएसजी, वैट, स्टाम्प शुल्क, पंजीकरण शुल्क, मोटर वाहन कर और आबकारी की उगाही में गंभीर अनियमितताओं का भी उल्लेख किया है। सूचना एवं प्रचार निदेशालय, समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास तथा

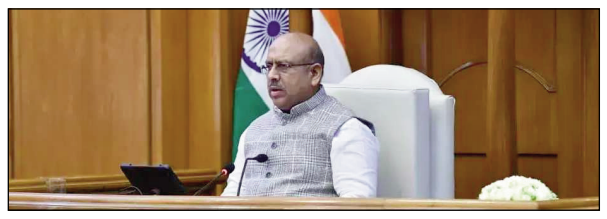

राजस्व विभाग के कामकाज में कमियों भी उक्त रिपोर्ट में इंगित की गई हैं। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि आज सदन में उन अन्य रिपोर्टों पर चर्चा हुई जो 23 मार्च को सदन के पटल पर रखी गई थीं। इसमें रिपोर्ट संख्या 3, वर्ष 2022 में सीएजी ने गृह, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण, शहरी विकास, समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास, पर्यटन, यूटीसीएस, एनएसयूटी आदि विभागों में अनियमितताओं और कमियों को उजागर किया है। रिपोर्ट संख्या 1, वर्ष 2023 में सीएजी ने देखभाल एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों पर निष्पादन लेखापरीक्षा की रिपोर्ट प्रस्तुत की है। यह रिपोर्ट वर्ष 2018-19 से 2020-21 तक की तीन वर्षों की अवधि को समाहित करती है। लेखापरीक्षा में महिला एवं बाल विकास विभाग (डीडब्लूडी), दिल्ली राज्य बाल संरक्षण समिति (डीएससीपीएस), राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन अभिकरण (एसएआरए), बाल कल्याण समितियों (सीडब्लूसी), जिला बाल संरक्षण इकाइयों (डीसीपीयू) तथा बाल देखभाल संस्थाओं (सीसीआई) के अभिलेखों की परीक्षण-जांच की गई। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि इस रिपोर्ट में देखभाल एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के लिए सरकार के प्रयासों में कई कमियां उजागर हुई हैं- विशेष रूप से इस योजना के लिए संस्थाओं की निधि जारी करने में विलंब तथा बाल देखभाल संस्थाओं को दत्तक ग्रहण के लिए मुक्त घोषित करने जैसे बाल कल्याण उपायों में देरी।

जोजिला दर्रे में हिमस्खलन से यात्री वाहन दबा, 7 लोगों की मौत, 5 घायल

एजेंसी

श्रीनगर। लद्दाख क्षेत्र के जोजिला दर्रे पर हुए भीषण हिमस्खलन में बड़ा हादसा हो गया। एक यात्री वाहन हिमस्खलन की चपेट में आकर बर्फ में दब गया, जिससे कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए हैं।

एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, वाहन अचानक आए भारी हिमस्खलन के कारण पूरी तरह बर्फ के नीचे दब गया। घटना के तुरंत बाद राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। मलबे से शवों को निकालने और घायलों को सुरक्षित बाहर निकालने का कार्य जारी रहा। घायलों को नजदीकी चिकित्सा केंद्रों में भर्ती कराया गया है। लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि उन्हें जोजिला में हुए हिमस्खलन की जानकारी मिलते ही उन्होंने कारगिल के उपायुक्त (डीसी) और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आपदा राहत बलों और सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) सहित सभी संबंधित एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है ताकि बचाव कार्य तेजी से पूरा किया जा सके। उपराज्यपाल ने यह भी कहा कि वे स्वयं स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, कठिन मौसम और बर्फीले हालात के कारण बचाव अभियान चुनौतीपूर्ण बना हुआ है, लेकिन राहत और निकासी कार्य लगातार जारी है।

मेला देखकर लौट रहे तीन दोस्तों की कार दुर्घटना में मौत

एजेंसी

मधेपुरा । बिहार के मधेपुरा जिले के अरार थाना क्षेत्र में एक कार दुर्घटना में तीन दोस्तों की मौत हो गई। सभी दोस्त एक कार से मेला देखकर वापस लौट रहे थे। पुलिस के मुताबिक, यह घटना शुक्रवार की देर रात 12 बजे के बाद अरार पुल की है। बताया जाता है कि राम नवमी के मौके पर गवालपारा में मेला का आयोजन किया गया था। मधेपुरा से चार दोस्त देर शाम गवालपारा मेला देखने गए थे और रात को एक कार से वापस लौट रहे थे। बताया गया कि जब कार अरार पुल के समीप पहुंची, तो चालक का कार पर से नियंत्रण हट गया और कार अनियंत्रित होकर एक पोल तोड़ते हुए सुरसर नदी में जा गिरी। इस घटना में तीन दोस्तों की मौत हो गई। कहा जा रहा है कि कार में चार लोग सवार थे, लेकिन अब तक एक व्यक्ति का पता नहीं चल सका है। एसडीआरएफ की टीम चौथे युवक की तलाश में जुटी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और स्थानीय नागरिकों की मदद से सभी शवों को बाहर निकाला। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया

कि मृतकों की पहचान मधेपुरा स्टेशन चौक वार्ड 23 निवासी घनश्याम कुमार (28), सहरसा जिले के बसनही थाना क्षेत्र के मोकमा निवासी अंकित कुमार (26), सौर बाजार थाना क्षेत्र के वसंत कुमार (23) के रूप में हुई है। कार को नदी से बाहर निकाल लिया गया है। पुलिस ने सभी शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जा रहा है कि सभी युवक अच्छे दोस्त थे और साथ में मेला देखने गए थे। घटना के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही दुर्घटना के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

राजस्थान में मौसम का यू-टर्न

बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट, अप्रैल के पहले हफ्ते तक थमेगी गर्मी

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान में भीषण गर्मी की आहट के बीच मौसम ने एक बार फिर करवट ले ली है। शनिवार (28 मार्च) से प्रदेश में एक नया प्रभावी वेदर सिस्टम सक्रिय हो रहा है, जिसका असर अगले तीन दिनों तक पूरे राज्य में देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के अनुसार, इस दौरान प्रदेश के सभी जिलों में बादल छाए रहने, तेज हवाओं के साथ बारिश होने और कहीं-कहीं ओले गिरने की प्रबल संभावना है। 7 जिलों में यलो अलर्ट, कोटा रहा सबसे गर्म मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने आज प्रदेश के 7 जिलों के लिए बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। हालांकि, पिछले 24 घंटों में राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ रहा और तेज धूप खिली रही। कोटा प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहाँ अधिकतम तापमान 37.2एष्ट दर्ज किया गया। जयपुर सहित अन्य शहरों में भी हल्की गर्मी का अहसास हुआ, लेकिन अब नए सिस्टम के आने से पारे में गिरावट दर्ज की जाएगी।

किसानों के लिए विशेष चेतावनी

मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए सतर्क रहने को कहा है। 28 मार्च से 1 अप्रैल के बीच रुक-रुक कर आंधी और ओलावृष्टि होने की आशंका है।

फसल सुरक्षा : किसानों को सलाह दी गई है कि खेतों में कटी हुई फसल या मंडियों में खुले में रखी जिंस को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचा दें ताकि बारिश और ओलों से नुकसान न हो।राहत की बात यह है कि अप्रैल के पहले सप्ताह में भी गर्मी का खास असर नहीं दिखेगा। मौसम विभाग के अनुसार, एक के बाद एक (बैक टू बैक) वेदर सिस्टम सक्रिय होने के कारण तापमान सामान्य या उसके नीचे बना रहेगा। इससे प्रदेशवासियों को शुरुआती अप्रैल में चिलचिलाती धूप और लू से राहत मिलने की उम्मीद है।

समाज को नियम नहीं, मूल्यों पर आधारित होना चाहिए: बी.एल. संतोष

एजेंसी

मैसूर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष ने कहा कि वर्तमान समय में समाज का केवल नियम आधारित होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे मूल्य आधारित बनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मूल्यों पर आधारित समाज ही दीर्घकालिक रूप से मजबूत और समृद्ध बन सकता है। बी.एल. संतोष मैसूर स्थित कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय में प्रज्ञा प्रवाह कर्नाटक द्वारा आयोजित 'एकात्म मानव दर्शनः भारत की विश्वदृष्टि' अंतरराष्ट्रीय विचार संगोष्ठी के तीसरे दिन आयोजित विशेष संवाद को संबोधित कर रहे थे।

बी.एल. संतोष ने कहा कि भगवान श्रीराम ने अपने उच्च मूल्यों के आधार पर देवत्व प्राप्त किया और वे युगों-युगों तक आदर्श बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि आज भले ही समाज नियमों के आधार

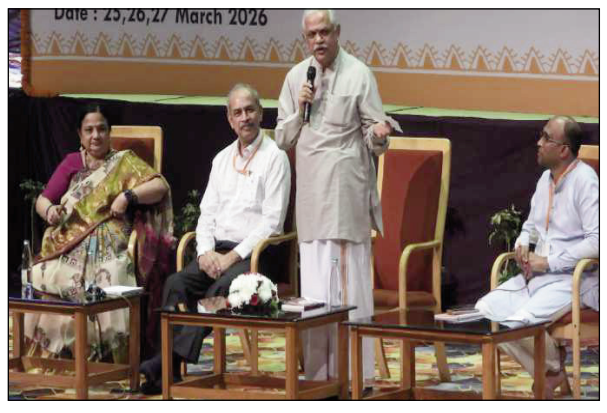

पर चल रहा हो, लेकिन उसे आगे बढ़ने के लिए मूल्यों को अपनाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी सोच और जीवनशैली के प्रभाव से भारतीय समाज की मानसिकता में बदलाव आ रहा है, जो एक गंभीर चुनौती है। समाज को उपनिवेशवादी मानसिकता से मुक्त करने के लिए व्यापक प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि बिना सिद्धांत वाले मतदाता, बिना सिद्धांत वाली राजनीतिक व्यवस्था का निर्माण करते हैं, जिससे भविष्य में अनेक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। बेहतर जनप्रतिनिधियों के चयन के लिए मतदाताओं में जागरूकता बढ़ाना जरूरी है। अंत में बी.एल. संतोष ने कहा कि राज्य का नियंत्रण कम करते हुए समाज केंद्रित व्यवस्था को मजबूत करना चाहिए। मूल्यों को प्राथमिकता देना ही एक सशक्त और समृद्ध समाज के निर्माण का आधार है।

इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोग उपस्थित रहे और भारतीय दृष्टिकोण पर आधारित नीति निर्माण, शिक्षा और सामाजिक विकास से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

अभिनेत्री माधुरी दीक्षित ने पति के साथ बाबा विश्वनाथ के किए दर्शन

एजेंसी

वाराणसी। जानी-मानी फिल्म अभिनेत्री माधुरी दीक्षित ने अपने पति डॉ श्रीराम नेने के साथ श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में हाजिरी लगाई। मंदिर में विधिविधान से दर्शन पूजन करने के बाद धाम परिसर में रूद्राभिषेक भी किया। पिछले दो दिन से वाराणसी शहर में मौजूद अभिनेत्री ने बाबा के दरबार में कुछ समय भी बिताया। अभिनेत्री होटल से सीधे वाहनों के काफिले में नमोघाट पहुंची और वहां से क्रूज पर सवार होकर ललिताघाट के रास्ते बाबा विश्वनाथ के दरबार में पहुंचीं। मंदिर में दर्शन पूजन के लिए आए युवा श्रद्धालु अभिनेत्री माधुरी को देखकर हर-हर महादेव का उद्घोष कर उनका स्वागत करते रहे। यह देखकर अभिनेत्री और उनके पति ने मुस्करा कर लोगों का अभिवादन किया। मंदिर में दर्शन पूजन के बाद अभिनेत्री दीक्षित ने कहा कि आज बहुत शुभ दिन है कि नवरात्र की नवमी पर हम बाबा का आशीर्वाद लेने काशी आए हैं। कल हमने गंगा आरती देखी और आज बाबा विश्वनाथ के दरबार में दर्शन-पूजन करने का सौभाग्य मिला। यहां आकर मन को काफी शांति मिली है।

अभिनेत्री ने श्री काशी विश्वनाथ धाम के भव्य और विस्तारित स्वरूप की सराहना की। मंदिर न्यास की ओर से अभिनेत्री माधुरी को स्मृति चिह्न दे कर सम्मानित भी किया। न्यास की ओर से उन्हें प्रसाद भी भेंट किया गया। इसके पहले बीते गुरूवार की शाम अभिनेत्री ने नमोघाट से क्रूज में सवार होकर गंगा में नौकायन का आनंद उठाया। इस दौरान अभिनेत्री और उनके पति ने अपनी तस्वीरें भी अधिकृत सोशल मीडिया पर शेयर किया।

'ग्लोबल एआई कॉन्फ्लुएंस 2026' का शुभारंभ, मंत्री दिनेश प्रताप सिंह बोले- एआई मंथन देगा विश्व को नई दिशा

एजेंसी

गोरखपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के प्रकल्प विश्व छात्र एवं युवा संगठन, मेटा एवं दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय 'ग्लोबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कॉन्फ्लुएंस 2026' का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रदेश के उद्यान मंत्री मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि भारत की संस्कृति 'विश्व कल्याण' की भावना से प्रेरित है और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उभरते क्षेत्रों में आगे बढ़ते हुए हम अपनी विरासत और मूल्यों को साथ लेकर चलें। गोरखपुर विश्वविद्यालय के महायोगी गुरु गोरक्षनाथ शोध पीठ में आयोजित उद्घाटन समारोह के शुभारंभ में विश्व छात्र एवं युवा संगठन के अध्यक्ष डॉ. नितिन ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि दिनेश प्रताप सिंह ने आगे कहा कि ग्लोबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कॉन्फ्लुएंस 2026 केवल एक तकनीकी आयोजन नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर विचारों के मंथन का एक सशक्त मंच है, जहां 26 देशों से आए 180 से अधिक प्रतिभागी

वसुधैव कुटुंबकम की भावना को साकार कर रहे हैं। जिस प्रकार सतयुग में समुद्र मंथन से मानवता के लिए अमूल्य रत्न प्राप्त हुए थे, उसी प्रकार इस आधुनिक ज्ञान मंथन से भी विश्व के कल्याण हेतु नई तकनीकें, नवाचार और समाधान निकलेंगे। उन्होंने कहा कि आज रामनवमी के पावन अवसर पर भगवान श्री राम के आदर्श हमें यह प्रेरणा देते हैं कि हम अपनी जहां आधुनिक तकनीकी विकास और सांस्कृतिक समृद्धि का संतुलन बनाए रखा जा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों से आह्वान किया कि वे एआई के क्षेत्र में कार्य करते हुए मानवता के हित, नैतिक मूल्यों और वैश्विक कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दें, ताकि यह मंथन विश्व को एक नई दिशा देने में सफल हो सके। समारोह में विशिष्ट अतिथि अभाविप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आज केवल एक तकनीकी उपकरण नहीं, बल्कि ज्ञान, विचार और समाज की दिशा निर्धारित करने वाली एक निर्णायक शक्ति बनती जा रही है। आने वाले समय में यदि कोई जानकारी एआई या डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं होगी, तो उसे अस्तित्वहीन मान लेने की प्रवृत्ति भी बढ़ सकती है, इसलिए आवश्यक है कि हम केवल उपभोक्ता न बनकर अपने देश, अपनी भाषाओं और अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप एआई मॉडल विकसित करें। अन्यथा वैश्विक स्तर पर कुछ बड़ी शक्तियाँ ही डेटा और ज्ञान पर नियंत्रण स्थापित कर लेंगी, जिससे डिजिटल संप्रभुता और सामाजिक संतुलन प्रभावित हो सकता है। चौहान ने कोविड-19 जैसे उदाहरणों का उल्लेख करते हुए कहा कि संकट के समय केवल तकनीक नहीं, बल्कि समाज, परिवार और समुदाय की शक्ति ही सबसे अधिक प्रभावी सिद्ध होती है।

मप्र के मुख्यमंत्री छिंदवाड़ा सड़क हादसे में मृतकों के परिजनों से मिले, आर्थिक मदद का ऐलान

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छिंदवाड़ा जिले में गुरुवार की रात हुई सड़क दुर्घटना में दिवंगत हुए नागरिकों के परिजन से भेंट कर उन्हें सांत्वना दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दोपहर बाद छिंदवाड़ा पहुंचे और मृतकों के परिजनों से मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दुर्घटना पीड़ादायक है। मध्य प्रदेश सरकार प्रभावित परिवारों के संकट की घड़ी में उनके साथ है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना में दिवंगत नागरिकों के परिजन को 4-4 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई थी। इन परिवारों को संबल योजना की चार लाख रुपये की राशि भी प्रदान की जायेगी। साथ ही दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को भी आवश्यक सहायता और निःशुल्क उपचार सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना में सभी घायलों को एक-एक लाख रुपये की सहायता दी जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा जिले के ग्राम करेर तहसील मोहखेड़ की सिया पत्नी कृष्णा इनवाती, रामदास पुत्र सुकलू पराने, दौलत पवार, भागवती पत्नी दान सिंह और शकुन पत्नी लखीचन्द्र यादव के निवास जाकर मुलाकात की। ग्राम करेर में

प्रभावित परिवारों से मिलने के बाद मुख्यमंत्री ग्राम ग्वारा और ग्राम झिरिया पहुंचे। उन्होंने यहां प्रभावित परिवारों के सदस्यों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी और संबल प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रभावित परिवार के सदस्यों से चर्चा कर कहा कि दुख की इस घड़ी में मध्य प्रदेश सरकार आपके साथ है। आपको हरसंभव सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा में हुई सड़क दुर्घटना के घायल व्यक्तियों से भेंट की और उनके स्वास्थ्य का हाल-चाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों को सभी घायलों की समुचित चिकित्सा के निर्देश दिए। उन्होंने अब तक किए गए उपचार की जानकारी ली और निर्देश दिए कि आवश्यकता पड़ने पर घायलों को नागपुर अथवा अन्य उच्च चिकित्सा संस्थानों में भेजने की व्यवस्था की जाए। राज्य सरकार घायलों के निःशुल्क उपचार के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अन्य जगह रेफर किए जाने की स्थिति में भी राज्य सरकार पूर्ण सहयोग करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा जिला प्रशासन, नागरिकों और पुलिस बल के उन जवानों की सराहना की, जिन्होंने दुर्घटना के बाद सभी स्थितियों को कुशलतापूर्वक सम्हाला। उन्होंने उन पुलिस जवानों को पुरस्कृत करने की घोषणा की, जिन्होंने घायलों की पूरी संवेदनशीलता और तत्परता से सहायता की। वे रामनवमी के पहले से निर्धारित सतना जिले के चित्रकूट के विभिन्न कार्यक्रमों को निरस्त कर छिंदवाड़ा में प्रभावित परिवारों से मिलने पहुंचे।

गौरतलब है कि मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले मे मोहखेड़ थाना क्षेत्र के सेमरिया हनुमान मंदिर के पास गुरुवार की रात मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से लौट रहे लोगों से भरी बस और पिकअप के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई थी। छिंदवाड़ा-नागपुर रोड पर हुए इस हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि करीब 30 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे।

आसनसोल गर्ल्स कॉलेज में भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय ग्रंथ विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

एजेंसी

आसनसोल। आसनसोल गर्ल्स कॉलेज में भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय ग्रंथ विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न हुयी। आसनसोल गर्ल्स कॉलेज के संस्कृत विभाग ने आइक्यूएसी के सौजन्य से तथा टीडी कॉलेज रानीगंज के सहयोग से यह सेमिनार आयोजित किया। इस संगोष्ठी में रामकृष्ण मिशन आश्रम के सचिव सोमात्मानंद महाराज, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर चंद्रकांत शुक्ला मौजूद रहे। भारतवर्ष के मूर्धन्य विद्वानों में उनकी गणना की जाती है। राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त प्रोफेसर चंद्रकांत शुक्ला ने विज्ञान विषय प्रवर्तन पर अपना वक्तव्य रखें। हावड़ा हिंदी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर दामोदर मिश्र ने जयशंकर प्रसाद की कामायनी पर भारतीय ज्ञान परंपरा के प्राचीन ग्रंथो का प्रभाव इस विषय पर वक्तव्य रखा। दूसरी तरफ, कलकत्ता विश्वविद्यालय से आगत प्रोफेसर सत्यजीत लायक जिन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा में भारतीय दर्शन पर अपना वक्तव्य रखा। आसनसोल गर्ल्स कॉलेज की प्राचार्य डॉक्टर स्वाति चक्रवर्ती ने भारतीय ज्ञान परंपरा के द्वारा पर्यावरण के संरक्षण पर मार्गदर्शन किया। आइक्यूएसी कोऑर्डिनेटर डॉ वीरू रजक ने उपस्थित विद्वानों के सानिध्य में शोध करने वाले छात्र और कॉलेज और विश्वविद्यालय के शिक्षकों को सचेतन होने के लिए कहा। रानीगंज टीडीबी कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर संजीव पांडेय ने भारतीय ज्ञान परंपरा में विज्ञान के विषय पर अपने वक्तव्य पेश किया। देवघर से आये डॉक्टर शशि भूषण मिश्रा ने आयुर्वेद वैमानिकी की एविएशन विषय पर अपने वक्तव्य रखा। डॉक्टर ओमकार पाठक ने भागवत गीता में भारतीय ज्ञान परंपरा के विषय पर अपने वक्तव्य रखें। प्रोफेसर सी विजय कुमार झा (कमर्शियल टैक्स कमिश्नर) ने मैथिली भाषा के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी में करीब 100 अध्यापक और शोधकर्ता अपने पत्र प्रस्तुत किया। आसनसोल गर्ल्स कॉलेज की करीब 80 छात्राओं ने शोध संगोष्ठी का लाभ उठाया। इस अवसर पर आसनसोल गर्ल्स कॉलेज के 75 वर्ष पूर्ति के मौके पर स्मारक प्रबंध संग्रह पुस्तक का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर भारत के विभिन्न राज्यों से आंध्र प्रदेश, गुजरात, उत्तराखंड, सिक्किम, असम, झारखंड और बिहार से प्रतिभागियों ने भाग लिया। सेमिनार का आयोजन तथा मंच का संचालन डॉक्टर विनय कुमार मिश्रा ने किया।

एमआई विरुद्ध केकेआर : वानखेड़े में हाईवोल्टेज टक्कर

– आंकड़ों में मुंबई भारी लेकिन हालिया फॉर्म में कोलकाता आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के 19वें सीजन की शुरुआत के साथ ही रोमांच अपने चरम पर पहुंचने वाला है। टूर्नामेंट का दूसरा मुकाबला बेहद दिलचस्प रहने की उम्मीद है, जहां मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट रायडर आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला 29 मार्च को मुंबई के वानखेडे स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां दोनों टीमें जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करना चाहेंगी।

मुंबई इंडियंस की कप्तानी हार्दिक पाण्डया के हाथों में है, जबकि कोलकाता नाइटराइडर्स की कमान अजिंक्य रहाणे संभाल रहे हैं। दोनों कप्तानों के लिए यह मुकाबला खास होगा, क्योंकि शुरुआती जीत टीम के आत्मविश्वास को नई ऊंचाई दे सकती है। अगर दोनों टीमों के हेड-टू-हेड रिकॉर्ड की बात करें तो यहां मुंबई इंडियंस का पलड़ा साफ तौर पर भारी नजर आता है। अब तक दोनों के बीच कुल 35 मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें मुंबई ने 24 मैच जीते हैं, जबकि कोलकाता को सिर्फ 11 मैचों में जीत मिली है। शुरुआती सीजन में मुंबई ने लगातार दबदबा बनाए रखा और 2008-09 में सभी मुकाबले अपने नाम किए।

हालांकि, 2012 के बाद तस्वीर थोड़ी बदली। 2014 और 2015 में केकेआर ने मुंबई पर बढ़त बनाई और चार में से तीन मैच जीते। इसके बाद 2016 से 2018 तक मुंबई ने फिर से पूरी तरह वापसी करते हुए लगातार सात मुकाबले जीत लिए। लेकिन हालिया सीजनों पर नजर डालें तो कोलकाता ने बेहतर प्रदर्शन किया है। पिछले चार सीजन में दोनों टीमों के बीच खेले गए छह मुकाबलों में से चार में केकेआर ने जीत दर्ज की है, जो उनके आत्मविश्वास को दर्शाता है। खिताब की बात करें तो मुंबई इंडियंस अब तक पांच बार आईपीएल ट्रॉफी जीत चुकी है और छठे खिताब की तलाश में है। टीम ने 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 में खिताब अपने नाम किए थे। वहीं, कोलकाता नाइटराइडर्स तीन बार (2012, 2014 और 2024) चैंपियन बन चुकी है और इस सीजन में अपने प्रदर्शन को और मजबूत करना चाहेगी।

कुल मिलाकर यह मुकाबला आंकड़ों और मौजूदा फॉर्म के बीच दिलचस्प जंग होने वाला है। जहां एक ओर इतिहास मुंबई के पक्ष में है, वहीं हालिया प्रदर्शन के आधार पर कोलकाता को हल्के में नहीं आंका जा सकता। क्रिकेट फैंस के लिए यह मैच एक रोमांचक शुरुआत का वादा करता है।

मुंबई इंडियंस की टीम

रॉबिन मिंज, नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड, रयान रिकेलटन, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या (कप्तान), राज बावा, विल जैक्स, कॉर्बिन बॉश, मिशेल सैंटनर, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट, अश्वनी कुमार, जसप्रित बुमरा, दीपक चाहर, मयंक मारकंडे, शार्दुल ठाकुर, क्विंटन डी कॉक, एएम गजनफर, रघु शर्मा, मयंक रावत, दानिश मालेवार, अथर्व अंकोलेकर, मोहम्मद सलाउद्दीन इजहार.

कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम

अजिंक्य रहाणे, मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, हर्षित राणा, उमरान मलिक, वरुण चक्रवर्ती, कैमरून ग्रीन, फिन एलन, मथीशा पथिराना, कार्तिक त्यागी, राहुल त्रिपाठी, टिम सीफर्ट, तेजस्वी दहिया, सार्थक रंजन, रचिन रवींद्र, आकाश दीप, प्रशांत सोलंकी, दक्ष कामरा.

मियामी ओपन 2026: यानिक सिनर ने ज्वेरेव को हराकर फाइनल में बनाई जगह, लेहेका से होगी भिड़ंत

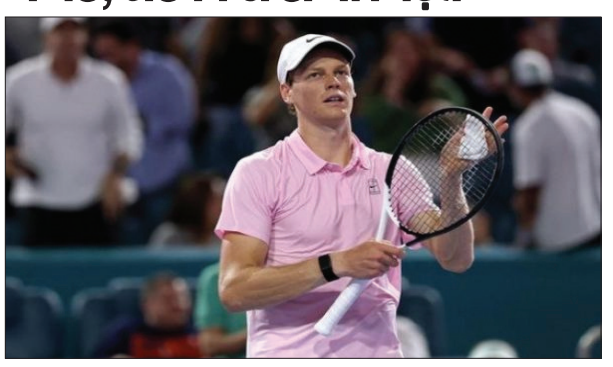

मियामी (एजेंसी)। मियामी ओपन 2026 में दुनिया के नंबर-2 टेनिस खिलाड़ी इटली के यानिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर फाइनल में जगह बना ली है। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना चेक गणराज्य के जिरी लेहेका से होगा।

24 वर्षीय सिनर ने सेमीफाइनल में ज्वेरेव को 6-3, 7-6 (7/4) से हराया। यह ज्वेरेव के खिलाफ उनकी लगातार सातवीं जीत रही। इसके साथ ही सिनर ने मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार जीते गए सेट्स की संख्या 32 तक पहुंचा दी।

विंबलडन चैंपियन सिनर इससे पहले इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में भी ज्वेरेव को हरा चुके हैं और अब वह तीन साल में अपना दूसरा मियामी ओपन खिताब जीतने के करीब हैं। वह 2017 में रोजर फेडरर के बाद 'सनशाइन डबल' (इंडियन वेल्स और मियामी दोनों खिताब) हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश में हैं।

दूसरी ओर, 21वीं वरीयता प्राप्त लेहेका ने फ्रांस के आर्थर फिल्स को एकतरफा मुकाबले में 6-2, 6-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। लेहेका ने पूरे टूर्नामेंट में अब तक एक भी सेट नहीं गंवाया है और यह उनका पहला एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल होगा।

हालांकि, लेहेका का रिकॉर्ड सिनर के खिलाफ अच्छा नहीं रहा है। दोनों के बीच अब तक खेले गए तीनों मुकाबलों में सिनर ने जीत दर्ज की है और लेहेका एक भी सेट नहीं जीत सके हैं।

Also Read - देवरिया पुलिस ने 119 वाहनों का किया ई-चालान

महिला वर्ग में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका भी 'सनशाइन डबल' पूरा करने की कोशिश में हैं। वह फाइनल में अमेरिका की कोको गॉफ के खिलाफ अपने खिताब का बचाव करेंगी।

लेहेका ने मैच के बाद कहा कि वह इस प्रदर्शन से बेहद खुश हैं और पूरे सीजन की मेहनत का नतीजा अब देखने को मिल रहा है। वह अपने करियर के तीसरे एटीपी खिताब की तलाश में हैं।

यह फाइनल मुकाबला काफी रोमांचक होने की उम्मीद है, जहां अनुभवी और शानदार फॉर्म में चल रहे सिनर का सामना युवा और आत्मविश्वास से भरे लेहेका से होगा।

धोनी आईपीएल के शुरुआती मैचों से बाहर हुए

चेन्नई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों से बाहर हो गये हैं। धोनी के बाहर होने से टूर्नामेंट शुरु होने से पहले ही सीएसके की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। इसका कारण है कि धोनी टीम का हौंसला बढ़ाने के साथ ही उसे मार्गदर्शन भी देते रहे हैं। वह पिंडली में आये खिंचाव के कारण अभी रिहैबिलिटेशन के दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में उनका शुरुआत से खेलना संभव नहीं है। सीएसके का मैच 30 मार्च को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स से होगा। इसमें टीम को उनकी कमी खलेगी।

धोनी के बाहर होने से साफ है कि अब सैमसन उनकी जगह पर विकेटकीपर रहेंगे। सीएसके अपना पहला मुकाबला सोमवार को राजस्थान रॉयल्स ये खेलेगी। उसे पहले दो सप्ताह में पंजाब किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स से भी खेलना है। धोनी के नहीं होने से विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अब विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी संभालेंगे।

इस सत्र से पहले सैमसन को सीएसके ने ट्रेड डील के जरिये हासिल किया था। अब वह कप्तान रितुराज गायकवाड़ के साथ पारी की शुरुआत भी करेंगे। धोनी ने पिछले साल सभी मैच खेले थे हालांकि वह घुटने की परेशानी क कारण निचले क्रम पर उतरे थे। ऐसे मे उन्हें काफी कम गेंदें खेलने को मिलती है।

धोनी के अलावा सीएसके को तेज गेंदबाज नाथन एलिस की कमी भी खलेगी। उनकी जगह स्पेंसर जॉनसन को शामिल किया है। पिछले साल सीएसके का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और वह सबसे निचले स्तर पर रही थी। अब देखना है कि इस बार सीएसके क्या करती है।

अपनी पत्नियों के कारण खिलाड़ी लेते हैं संन्यास.., योगराज सिंह का विवादित बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह अक्सर अपने अजीबो-गरीब बयानों के कारण सुर्खियों में रहते हैं। इसी कड़ी में उन्होंने एक बार फिर विवादित बयान दिया है। उन्होंने ये बयान खिलाड़ियों की पत्नियों को लेकर दिया है जिससे वो आलोचकों के निशाने पर आ गए हैं। योगराज ने साफ कहा कि उम्र को खिलाड़ी के प्रदर्शन से जोड़ना गलत है। उनके मुताबिक फिटनेस और प्रदर्शन ही किसी खिलाड़ी के करियर का असली पैमाना होना चाहिए, ना कि उम्र।

इनसाइड स्पोर्ट्स को दिए इंटरव्यू में योगराज सिंह ने कहा कि, भारत में लोग 40 की उम्र के बाद खुद को बूढ़ा मानने लगते हैं, महिलाएं 30 के बाद कहती हैं कि अब हम फिट नहीं रह सकते, बच्चे बड़े हो गए हैं। लेकिन खेल को उम्र से जोड़ना बिल्कुल गलत है।

योगराज सिंह ने कहा कि, अक्सर घर की महिलाएं, पत्नियां आपको समझाने लगती हैं कि अब रिटायर हो जाओ, परिवार और बच्चों पर ध्यान दो। मेरा मानना है कि महिलाओं को खिलाड़ी और उसके करियर के बीच नहीं आना चाहिए। एक खिलाड़ी और एक फकीर का कोई धर्म या वर्ग नहीं होता, वे भगवान के होते हैं। जब तक वे जिंदा हैं बहुत कुछ कर सकते हैं।

वहीं योगराज सिंह ने विराट कोहली और रोहित शर्मा पर निशाना साधते हुए साफ कहा है कि खिलाड़ियों को उम्र नहीं, बल्कि अपने प्रदर्शन से जवाब देना चाहिए। योगराज ने अपने बेबाक अंदाज में कहा कि, रोहित शर्मा और विराट कोहली अभी युवा खिलाड़ी हैं और रिटायर होने की सोच रहे हैं। लानत है ऐसी जिंदगी पर दुनिया को दिखाओ की तुम सबसे बेहतरीन हो, तुम अपरिहार्य हो।

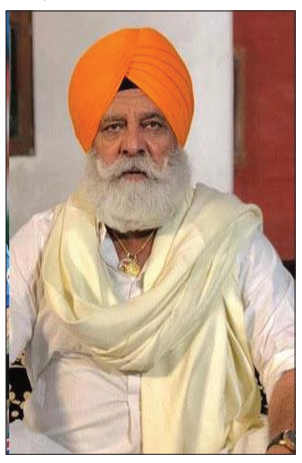

बांग्लादेश की नई सरकार ने आईपीएल प्रसारण पर रोक हटाई

ढ़ाका। बांग्लादेश की नई सरकार ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के प्रसारण पर लगी रोक हटा दी है। इससे पहले की यूनुस सरकार ने ये रोक लगायी थी। एक रिपोर्ट के अनुसार नये सूचना और प्रसारण मंत्री जहीर उद्दीन स्वपन ने कहा है कि बांग्लादेश में आगामी आईपीएल सत्र के प्रसारण पर कोई रोक नहीं है। जहीर उद्दीन स्वपन ने कहा, आईपीएल प्रसारण के लिए हालांकि अभी तक किसी ने भी हमसे आवेदन नहीं किया है। हम खेल में राजनीति को नहीं मिलाना चाहते। ऐसे में अगर कोई चैनल आईपीएल के प्रसारण के लिए हमसे आवेदन करता है, तो हम उस पर विचार करेंगे। वहीं इससे पहले, युवा और खेल मामलों के राज्य मंत्री अमीनुल हक ने कहा था कि वह पिछली अंतरिम सरकार की ओर से आईपीएल प्रसारण पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद अधिकारियों से बात करेंगे।प्रसारण मंत्री ने कहा कि हम किसी को भी इसके प्रसारण से नहीं रोकेंगे। अगर स्टार स्पोर्ट्स इसका प्रसारण करना चाहता है, तो वह कर सकता है। अगर हमारे चैनलों में से कोई इसका प्रसारण करना चाहता है, तो हम किसी को नहीं रोकेंगे। बांग्लादेश के केबल ऑपरेटर्स एसोसिएशन के कार्यालय सचिव, रेजाउल करीम लबलू का कहना है कि वे स्टार स्पोर्ट्स को आईपीएल का प्रसारण करने से नहीं रोकेंगे, हालांकि इस संबंध में सरकार की ओर से कोई निर्देश नहीं मिला है।

आईपीएल में अब कमेंटर की भूमिका निभा रहे अश्विन

मुम्बई। दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में अब कमेंट्री कर रहे हैं। अश्विन इस नई भूमिका में अपनी रणनीतिक समझ और विश्लेषण से दर्शकों पर कितना प्रभाव बनाते हैं ये देखना होगा। अश्विन का कमेंट्री के आने को एक अहम बदलाव माना जा रहा है। इससे साफ है कि अब कमेंट्री में मनोरंजन के साथ ही डेटा, मैच की रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा होगी। गौरतलब है कि अश्विन ने अब तक आईपीएल में 221 मैच खेलकर 187 विकेट लिए हैं, ऐसे में उनका अनुभव कमेंट्री में भी नजर आयेगा। इस बार कमेंट्री पैनल काफी बड़ा रहेगा। वीरेंद्र सहवाग, एबी डिविलियर्स, इरफान पठान, सुरेश रैना, हरभजन सिंह, फाफ डु प्लेसिस और अनिल कुंबले जैसे दिग्गज भी इस पैनल में शामिल हैं। इसके अलावा रवि शास्त्री, सुनील गावस्कर, केविन पीटरसन और इयोन मोर्गन भी अपने अलग अंदाज में रहेंगे। इस बार 12 भाषाओं में 160 से ज्यादा कमेंटेर दर्शकों पतक मैच का विवरण पहुंचाएंगे। अश्विन आईपीएल के सबसे सफल गेंदबाजों में रहे हैं। उन्होंने 221 मैचों में 187 विकेट लिए और चेन्नई सुपर किंग्स के साथ 2010 और 2011 में ट्रॉफी जीती थी।

विराट के अलावा आरसीबी से सबसे अधिक मैच खेलने वालों में दो विदेशी भी शामिल

बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अब विराट कोहली ने आरसीबी की ओर से सबसे अधिक मैच खेले हैं। कोहली ने साल 2023 तक आरसीबी की कप्तानी करन के साथ ही कुल 143 मैच खेले। विराट के अलावा जिन खिलाड़ियों ने आरसीबी की ओर से सबसे अधिक मैच खेले है उनमें दो विदेशी खिलाड़ी फाफ डु प्लेसिस और डेनियल विटोरी भी शामिल हैं।

फाफ डु प्लेसिस : साल 2022 से 2024 के बीच डु प्लेसिस ने 42 मुकाबलों में आरसीबी की कप्तानी करते हुए 21 जीते और इतने ही मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा। गंवाए।

डेनियल विटोरी : न्यूजीलैंड के इस दिग्गज खिलाड़ी ने साल 2011 से 2022 के बीच कुल 22 मुकाबलों में आरसीबी की कप्तानी की। इस दौरान 12 मैच जिताए और 10 मुकाबलों में टीम को हार का सामना करना पड़ा।

अनिल कुंबले : दिग्गज स्पिनर ने साल 2009 से 2010 के बीच 26 मुकाबलों में आरसीबी की कमान संभाली। इस दौरान टीम ने 15 मैच जीते, जबकि 11 मुकाबलों को गंवा दिया।

राहुल द्रविड़ : यह खिलाड़ी आईपीएल इतिहास में आरसीबी का पहला कप्तान रहा, जिन्होंने सिर्फ साल 2008 में इस टीम की कमान संभाली। इस दौरान 14 में से सिर्फ 4 ही मैच टीम को जिता सके। 10 मुकाबलों में टीम को हार झेलनी पड़ी।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 103 रन से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई

सेंट किट्स (एजेंसी)। सेंट किट्स के बासेटेरे में शुक्रवार रात खेले गए पहले वनडे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने दमदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को 103 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। नई कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स के नेतृत्व में टीम ने शानदार जीत दर्ज की।

पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 341 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया। टीम की शुरुआत मजबूत रही और ओपनिंग जोड़ी ने 75 रन जोड़े। जॉर्जिया वोल ने 32 गेंदों में 42 रन बनाए, जबकि फोएबे लिचफील्ड ने 72 गेंदों पर 77 रनों की अहम पारी खेली। एलिस पेरी ने 46 गेंदों में 44 रन बनाकर टीम को मजबूती दी।

मध्यक्रम में कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स ने 47 रन बनाए और निकोला कैरी (49) के साथ 91 रनों की साझेदारी की। अंत में जॉर्जिया वेयरहैम ने 42 रन बनाकर टीम को 300 के पार पहुंचाया। वेस्टइंडीज की ओर से अफी फ्लेचर ने 3 विकेट लिए, लेकिन काफी महंगे साबित हुईं।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही और टीम ने जल्दी विकेट गंवा दिए, जिसमें कप्तान हेले मैथ्यूज का विकेट भी शामिल था। अनुभवी बल्लेबाज स्टेफनी टेलर ने शानदार नाबाद 105 रन बनाकर टीम को संभालने की कोशिश की, जो उनका 2021 के बाद पहला वनडे शतक था, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त समर्थन नहीं मिला। चिनेल हेनरी ने 38 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से किम गर्थ ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट झटके, जबकि एश्ले गार्डनर ने भी अहम योगदान दिया। अंततः वेस्टइंडीज की टीम 238/8 तक ही पहुंच सकी और मुकाबला गंवा बैठी।

टाइगर वुड्स नशे में गाड़ी चलाने के बाद गिरफ्तार , आठ घंटे बाद हुए रिहा

न्यूयॉर्क। विश्व के शीर्ष गोल्फरों में शामिल रहे अमेरिका के टाइगर वुड्स को नशे में गाड़ी चलाने के कारण गिरफ्तार किया गया है हालांकि उन्हें आठ घंटे के बाद जमानत पर रिहा भी कर दिया गया। वुड्स पर आरोप है कि नशे की हालत में गाड़ी चलाते हुए उनकी कार फ्लोरिडा में अपने घर के करीब ही पलट गयी थी। उन्हें गिरफ्तार किये जाने के कुछ ही समय के बाद फ्लोरिडा की एक जेल से रिहा कर दिया गया। वहीं रिपोर्ट्स के अनुसार फ्लोरिडा के कानून के अनुसार, वुड्स को कम से कम आठ घंटे जेल में बिताने पड़े। शुरुआती रिपोर्ट्स में मार्टिन काउंटी पुलिस के हवाले से कहा गया है कि जब वुड्स दोपहर करीब 2 बजे एक फ्लैटबेड ट्रक को तेजी से ओवरटेक करने की कोशिश कर रहे थे, तब उनकी लैंड रोवर कार पलट गई। उस समय नशे में थे। उन्होंने पुलिस से जांच में सहयोगी भी नहीं किया और यूरीन जांच के लिए तैयार नहीं हुए। गिरफ्तारी के बाद वुड्स नशे में दिखे। मार्टिन काउंटी पुलिस ने शाम को वुड्स की एक गिरफ्तारी के समय ली गई तस्वीर जारी की, जिसमें उनकी आंखें लाल दिखाई दे रही थीं। उन्हें फ्लोरिडा की मार्टिन काउंटी जेल ले जाया गया था। मार्टिन काउंटी के शेरिफ जॉन बुडेंसिएक ने कहा वुड्स एक लैंड रोवर चला रहे थे। घर के पास एक सड़क पर एक ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश में उनकी गाड़ी पलट गई। गाड़ी एक ट्रेलर से टकराई, सड़क से हट गई, और सड़क पर कुछ दूर घिसटने के बाद पलट गई। वुड्स पर पहले भी सड़क पर लापरवाही से गाड़ी चलाने के मामले दर्ज हैं हैं। इससे पहले फरवरी 2021 में उनका एसयूवी लॉस एंजिलिस की एक तटीय सड़क पर तेज रफ्तार में नियंत्रण से बाहर होकर सड़क से उतर गया था, जिसमें वह घायल भी हो गये थे।

बैडमिंटन और मैं तुम्हें बहुत याद करेंगे: पीवी सिंधु

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने अपनी लंबे समय की प्रतिद्वंद्वी कैरोलिना मारिन को बैडमिंटन से संन्यास लेने के बाद एक भावुक संदेश में कहा कि बैडमिंटन और मैं तुम्हे बहुत याद करेंगे।

रियो 2016 की स्वर्ण पदक विजेता और तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन कैरोलिना मारिन ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो मैसेज के जरिए अपने संन्यास की घोषणा की।

पीवी सिंधु ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया मंच इंटस्ट्राग्राम पर स्पेन की कैरोलिना मारिन के संन्यास की घोषणा को लेकर कहा, 'कुछ प्रतिद्वंद्वी हमेशा के लिए आपकी यात्रा का हिस्सा बन जाते हैं। कैरोलिना उनमें से एक थीं। हम पहली बार एक-दूसरे के खिलाफ तब खेले थे जब हम मालदीव में 15 या 16 साल की लड़कियां थीं, और तब से हमने एक साथ कई मुकाबले खेले।'

उन्होंने कहा, 'सच कहूँ तो, कोर्ट पर तुम सचमुच बहुत

परेशान करने वाली थीं। लगातार चिल्लना, तुम्हारी आक्रामकता, तुम्हारी छोटी-छोटी चालें–ये सब किसी को भी परेशान कर सकती थीं। लेकिन तुम्हारा कौशल, तुम्हारी गति और तुम्हारी लड़ने की भावना बेजोड़ थी। लोग बड़े-बड़े मुकाबलों को याद करते हैं, और उस तीसरे सेट में शटल उठाने को लेकर हमारे बीच हुई उस तीखी बहस को भी। मैं मानती हूं कि उस दिन मैं पूरी तरह से गुस्से में थी। लेकिन कुछ महीनों बाद, हम मैड्रिड में कॉफी पीते हुए एक-दूसरे के सामने बैठे थे बातें कर रहे थे, हँस रहे थे और उस पल हमारे बीच सिर्फ एक-दूसरे के लिए सम्मान था। यही है कैरोलिना, जिसे मैं हमेशा याद रखूंगी।'

सिंधु ने लिखा, 'मैं हमारी पीढ़ी के बीच बनी उस अद्भुत दोस्ती के लिए भी हमेशा आभारी रहूँगी। हमारी लड़कियों के बैच ने 'विमेंस सिंगल्स' को मुकाबले के लिए एक बहुत ही खास जगह बना दिया था; सच कहूँ तो, मुझे नहीं पता कि बैडमिंटन के इतिहास में ऐसा पहले कभी हुआ है या भविष्य में कभी होगा। हर मुकाबले के लिए, हर सीख के लिए, और सबसे बढ़कर–हमारी दोस्ती के लिए–तुम्हारा शुक्रिया। मैं तुम्हारे संन्यास के बाद के जीवन के लिए ढेर सारी खुशियों की कामना करती हूं, कैरोलिना।'

नवनीत कौर ने प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड मिलने पर जताई खुशी, टीम को किया समर्पित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम की स्टार फॉरवर्ड नवनीत कौर ने हॉकी इंडिया आठवें वार्षिक अवॉर्ड्स 2025 में 'प्लेयर ऑफ द ईयर (महिला)' का प्रतिष्ठित सम्मान मिलने पर खुशी जाहिर की। उन्हें यह सम्मान हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड के तहत प्रदान किया गया।

नवनीत कौर के लिए बीता साल बेहद शानदार रहा, जहां उन्होंने भारतीय टीम के लिए लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया। हैदराबाद में आयोजित एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप क्वालीफायर में उन्होंने अहम भूमिका निभाते हुए भारत को रजत पदक दिलाने में योगदान दिया। इस टूर्नामेंट में उन्होंने चार गोल किए और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' भी चुनी गईं।

इसके अलावा महिला एशिया कप 2025 में भी नवनीत का प्रदर्शन दमदार रहा, जहां भारत ने रजत पदक जीता। इस प्रतियोगिता में उन्होंने छह गोल दागे। इसी दौरान उन्होंने अपने करियर का एक बड़ा मुकाम हासिल करते हुए 200 अंतरराष्ट्रीय मैच भी पूरे किए।

पुरस्कार मिलने के बाद नवनीत कौर ने कहा, 'इस सम्मान को पाकर मैं बेहद गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। यह उपलब्धि मेरी टीम के साथियों के सहयोग और विश्वास के बिना संभव नहीं थी। मैं हॉकी इंडिया का भी धन्यवाद करना चाहती हूं, जो हर साल इस तरह का मंच उपलब्ध कराता है, जिससे खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलती है।'

आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स को लेकर उन्होंने कहा, 'आने वाला समय काफी व्यस्त रहने वाला है। नेशंस कप, वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स जैसे बड़े टूर्नामेंट हमारे सामने हैं। हमारा कैंप जल्द शुरू होगा और हम अपनी कमजोरियों पर काम कर टीम के प्रदर्शन को और बेहतर बनाने पर ध्यान देंगे।'

अपने व्यक्तिगत लक्ष्य को लेकर नवनीत ने कहा, 'मैं अपने खेल में लगातार सुधार करना चाहती हूं। अभी तक के प्रदर्शन से संतुष्ट हूं, लेकिन आगे और बेहतर करने की गुंजाइश है। बड़े टूर्नामेंट चार साल में एक बार आते हैं, इसलिए मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।'

आगामी बड़े टूर्नामेंट्स को देखते हुए नवनीत कौर पूरी तरह फोकस्ड हैं और भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता दिलाने के लिए प्रतिबद्ध नजर आ रही हैं।

फीफा के टूर्नामेंटों में हिस्सा लेने वाली टीमों को महिला कोच रखना होगा अनिवार्य : फीफा

ज्यूरिख (स्विट्जरलैंड)। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में महिला कोचों की संख्या में वृद्धि को लेकर फीफा ने कुछ नए नियम घोषित किये है। इसके तहत अब फीफा के टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली हर टीम को कम से कम एक महिला मुख्य या सहायक कोच रखना अनिवार्य होगा। हाल ही में हुई एक काउंसिल मीटिंग के बाद फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन (फीफा) ने कुछ नए नियम घोषित किए हैं। इन नियमों का मकसद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में महिला कोचों की संख्या को बढ़ाना है। नए नियमों के अनुसार फीफा के टूर्नामेंट्स में हिस्सा लेने वाली हर टीम के लिए यह जरूरी होगा कि उसके पास कम से कम एक महिला हेड कोच या असिस्टेंट कोच हो। इसके अलावा, टीम के साथ बेंच पर एक और महिला स्टाफ सदस्य का होना भी जरूरी होगा। फीफा की मुख्य फुटबॉल अधिकारी जिल एलिस ने कहा, 'आज कोचिंग के क्षेत्र में महिलाओं की संख्या काफी कम है। हमें इस बदलाव की रफ्तार तेज करने के लिए और अधिक कोशिशें करनी होंगी। हमें महिलाओं के लिए कोचिंग के साफ रास्ते बनाने होंगे, उनके लिए अधिक मौके पैदा करने होंगे, और उन्हें खेल के मैदान के किनारे (साइडलाइन) पर ज्यादा से ज्यादा पहचान दिलानी होगी। फीफा के ये नए नियम और इनके साथ चलाए जा रहे खास डेवलपमेंट प्रोग्राम, महिला कोचों की आज की और आने वाली पीढ़ियों में एक बड़ा निवेश साबित होंगे।'

आज मैं जहां हूं, वहां तक पहुंचने के पीछे कड़ी मेहनत है

एक्टिंग इंडस्ट्री में हर कलाकार की जर्नी अलग होती है। कुछ लोग फिल्मों के जरिए पहला कदम रखते हैं तो कुछ टीवी से अपने करियर की शुरुआत करते हैं, लेकिन एक प्लेटफॉर्म में पहचान बनाकर दूसरे प्लेटफॉर्म में पैर जमाना आसान नहीं होता। अभिनेत्री उल्का गुप्ता के लिए भी टीवी से फिल्मों में कदम रखना चुनौती भरा अनुभव रहा है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की थी और धीरे-धीरे फिल्मों में पहचान बनाने लगी। उल्का गुप्ता ने इंटरव्यू में अपने करियर के अब तक के सफर को याद किया। उल्का गुप्ता ने कहा, ''टीवी से फिल्म इंडस्ट्री तक का सफर तय करना बिल्कुल भी आसान नहीं था। मैंने कई सालों तक छोटे पर्दे पर काम किया है और अभिनय की बारीकियां सीखी हैं, लेकिन जब फिल्मों में आने की बारी आई तो मुझे कई ऑडिशन्स से गुजरना पड़ा और खुद को साबित करना पड़ा। आज मैं जहां खड़ी हूं, वहां तक पहुंचने के पीछे कड़ी मेहनत है।''

बता दें कि उल्का गुप्ता ने अपने करियर की शुरुआत लोकप्रिय टीवी शो 'झांसी की रानी' से की थी। इस शो में उन्होंने रानी लक्ष्मीबाई के बचपन के किरदार 'मणिकर्णिका' की भूमिका निभाई थी। इस किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस शो को लेकर उन्होंने कहा, ''इस शो ने मेरे करियर को एक मजबूत नींव दी है और मेरी एक बेहतर कलाकार बनने में मदद की है।'' उन्होंने अपना फिल्मी सफर 'सिम्बा' से शुरू किया था, जिसमें उन्होंने एक्टर रणवीर सिंह की बहन का रोल निभाया था। 'केरल स्टोरी 2' फिल्म में उन्होंने 'सुरेखा' का किरदार निभाया। इसे लेकर उन्होंने कहा, ''फिल्में समाज का आईना होती हैं। समाज में जो कुछ भी घटित होता है, वही फिल्मों के जरिए दिखाया जाता है। फिल्में समाज की सच्चाई को सामने लाती हैं और कई बार समस्या का हल भी दिखाने की कोशिश करती हैं।''

करण जौहर के 'द ट्रेटर्स सीजन 2' में नजर आएंगी मल्लिका शेरावत!

'बिग बॉस', 'द 50', 'द सोसाइटी' जैसे रियलिटी शोज के बाद अब करण जौहर का 'द ट्रेटर्स सीजन 2' भी आने वाला है। जिसका ऐलान हाल ही में प्राइम वीडियो के एक इवेंट में किया गया था। इसकी शूटिंग इस समय राजस्थान के जैसलमेर में चल रही है, जिसके कंटेस्टेंट्स की लिस्ट ने ध्यान खींचा है। बताया जा रहा है कि इस शो में बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत नजर आएंगी। इस बात की पुष्टि भी अब हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, मल्लिका शेरावत 'द ट्रेटर्स सीजन 2' की शूटिंग के लिए जैसलमेर पहुंच गई हैं। उनका पिछले एक महीने से नाम सामने आ रहा था कि वह इसका हिस्सा बनेंगी और इन अटकलों पर अब फुल स्टॉप लग गया है। हालांकि एक्ट्रेस की तरफ से न तो इस बात की पुष्टि की गई है और न ही खंडन किया गया।

द ट्रेटर्स सीजन 2 की शूटिंग शुरू

'द ट्रेटर्स' के पहले सीजन की तरह इस बार भी शूटिंग आलीशान सूर्यगढ़ पैलेस में हो रही है। यहां हाई-प्रोफाइल इवेंट्स होते हैं। जनवरी, 2023 में किराया आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा की शादी यहीं पर हुई थी। इसका पहला सीजना प्राइम वीडियो पर ही स्ट्रीम हुआ था और दूसरा भी यहीं आएगा। पहले उर्फी जावेद और निकिता लूथर ने इसे जीता था। और करण ने होस्ट किया था।

मल्लिका की फिल्में

मल्लिका शेरावत लंबे समय से विदेश में रह रही हैं। उन्हे आखिरी बार 2024 में राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी स्टारर 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' में देखा गया था। उन्हें 'मर्डर' से पॉप्युलैरिटी मिली थी। इसके बाद उन्होंने अन्य हिंदी फिल्मों में भी काम करके अपनी पहचान बनाई थी। वह ब्रूनो मार्स के साथ 'व्हाटा मैन' के म्यूजिक वीडियो में भी दिखी थीं।

'हीरामंडी द डायमंड बाजार' के बाद करण जौहर के साथ काम करेंगे ताहा शाह बदुशा

यूएई में जन्मे बॉलीवुड अभिनेता ताहा शाह बदुशा अब बहुत प्रसिद्ध हो गए हैं। उन्होंने नेटफ्लिक्स की सीरीज 'हीरामंडी' में नवाब ताजदार का रोल निभाकर अपनी एक अलग पहचान बना ली है। 'हीरामंडी' में उनके किरदार को दर्शकों ने काफी पसंद किया। अब वह जल्द ही करण जौहर की एक सीरीज में नजर आने वाले हैं। वैरायटी की एक खबर के अनुसार, अब ताहा शाह बदुशा करण जौहर की कंपनी धर्मा प्रोडक्शन की नई सीरीज 'नजदीकियां' में मुख्य भूमिका निभाएंगे। यह सीरीज प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। यह सीरीज करण जौहर की पुरानी फिल्म 'कभी अलविदा ना कहना' पर आधारित हो सकती है। उस फिल्म में शाहरुख खान, रानी मुखर्जी, प्रीति जिंटा और अभिषेक बच्चन थे। नई सीरीज में ताहा शाह बदुशा के साथ परेश पाहुजा, आकांक्षा सिंह और निकिता दत्ता भी मुख्य भूमिकाओं में होंगे।

फोर्स के तीसरे सीक्वल के लिए वजन बढ़ा रहे हैं हर्षवर्धन राणे

हर्षवर्धन राणे इन दिनों अपनी फिल्म 'फोर्स' के तीसके सीक्वल को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म के लिए हर्षवर्धन को कड़ी मेहनत करनी पड़ रही है, जिसको लेकर अभिनेता ने सोशल मीडिया पोस्टर के जरिए अपने निर्धारित वजन बढ़ाने के टारगेट के बारे में खुलाया किया है। हर्षवर्धन ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर जिम से अपनी कई तस्वीरें शेयर कीं और साथ ही बताया कि अगले महीने फिल्म में आने वाले एक बड़े एक्शन सीन के लिए उन्हें अपना वजन बढ़ाना पड़ रहा है।

कितना वजह है बढ़ाना

हर्षवर्धन ने लिखा कि पहले फिल्म 'सनम तेरी कसम' और 'एक दीवाने की दीवानियत' के समय उनका वजन 81 किलो था। लेकिन इस फिल्म के लिए उन्हें 92 किलो तक पहुंचना है। अभी उनका वजन 90 किलो है, यानी सिर्फ 2 किलो और बढ़ाना बाकी है।

कब रिलीज होगी 'फोर्स 3'

6 मार्च को 'फोर्स 3' की शूटिंग गुजरात में शुरू हुई। टीम ने पूजा समारोह के साथ काम की शुरुआत की। फिल्म में जॉन अब्राहम (एसीपी यशवर्धन), हर्षवर्धन राणे और तान्या मानिकतला मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसे भव धूलिया निर्देशित कर रहे हैं। यह फोर्स सीरीज की तीसरी फिल्म है और 2027 में रिलीज होने की उम्मीद है।

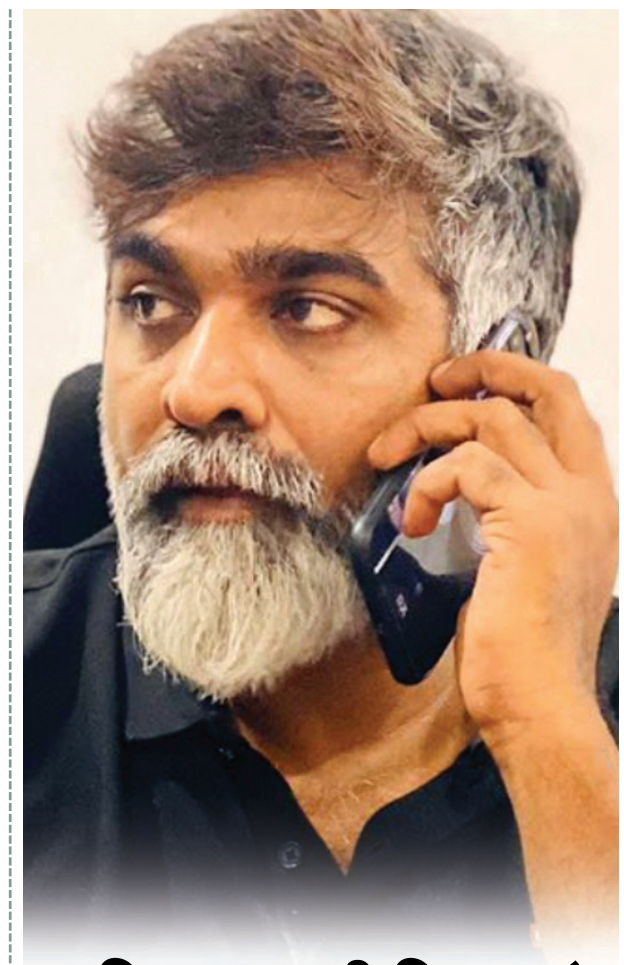

मणिरत्नम की फिल्म में नजर आएंगे विजय सेतुपति, मुख्य अभिनेत्री के तौर पर होगी साई पल्लवी

साउथ अभिनेता विजय सेतुपति इन दिनों अपनी कई फिल्मों की शूटिंग में काफी व्यस्त हैं। विजय जल्द ही मशहूर निर्देशक मणिरत्नम की अगली फिल्म में काम शुरू करने वाले हैं।

यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म होगी। इसमें विजय के साथ साई पल्लवी मुख्य अभिनेत्री के तौर पर नजर आएंगी। विजय की मणिरत्नम के साथ यह दूसरी फिल्म है। इस फिल्म से पहले वह मणिरत्नम के साथ 2018 में फिल्म 'चेक्का चिवंथा वानम' नाम की फिल्म में काम कर चुके हैं, लेकिन इस बार कुछ बिल्कुल अलग और नया करने जा रहे हैं।

कब शुरू होगी शूटिंग

रिपोर्ट के अनुसार, इस फिल्म की शूटिंग इस साल गर्मियों में शुरू हो सकती है। इस फिल्म के म्यूजिक के लिए प्रतिभा साईं अभ्यंकर से बात चल रही है। फिल्म को मद्रास टॉकीज और लाइका प्रोडक्शंस मिलकर बना रहे हैं। हालांकि, अभी इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा होना बाकी है। विजय सेतुपति की आने वाली तमिल फिल्म 'अरसन' है। इसमें सिलंबरासन मुख्य भूमिका में हैं। यह एक गैंगस्टर एक्शन ड्रामा है, जिसका संगीत अनिरुद्ध रविचंदर दे रहे हैं। पहले अफवाहें थीं कि व्यस्तता के कारण विजय इस प्रोजेक्ट से बाहर हो गए, लेकिन अब विजय ने साफ कर दिया है कि वह इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म की शूटिंग जारी है।

पॉकेट नॉवेल में नजर आएंगे विजय

विजय सेतुपति निर्देशक थियागराजन कुमारराजा की फिल्म 'पॉकेट नॉवेल' में काम कर रहे हैं। इसमें मालविका मोहनन और राज बी शेट्टी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म में किशोर भी महत्वपूर्ण किरदार में होंगे। इसकी पटकथा एंड्रयू लुईस ने लिखी है। इसका संगीत इलैयाराजा का है।

इंडियन सोल और अमेरिकन टेक्नीक का मेल है 'डकैत'

अदिवि शेष जल्द ही 'डकैतः ए लव स्टोरी' में नजर आने वाले हैं। फिल्म में उनके साथ मृणाल ठाकुर भी हैं। अदिवि शेष का कहना है कि डकैत, हिंसक बैकड्रॉप में रची गई एक ऐसी प्रेम कहानी है, जिसमें दो किरदारों के बीच प्यार और नफरत का एक बेहद बारीक और गहरा संघर्ष दिखेगा।

यह प्रेम कहानी होने के बावजूद आपने शीर्षक 'डकैत' क्यों चुना?

फिल्म का विचार हमारे सिनेमाई जुनून और पुरानी यादों का मेल है। मैं और मेरे करीबी दोस्त व निर्देशक शनि, हम दोनों ही 'द मैग्निफिसेंट सेवन' और 'द गुड, 'द बैड एंड द अग्ली' जैसी क्लासिक काउबॉय फिल्मों के प्रशंसक रहे हैं। काफी समय से मेरा मन एक प्रेम कहानी पर काम करने का था, लेकिन मैं उसे पारंपरिक रूप में नहीं देखना चाहता था। हमने सोचा, क्या होगा अगर तपते रेगिस्तान, रेल की पटरियों, बंदूकों और खून-खराबे के उस खौफनाक काउबॉय माहौल के बीच एक 'एंग्री लव स्टोरी' बुनी जाए? बस, इसी कल्पना ने 'डकैत' को जन्म दिया। यह असल में डकैती के हिंसक बैकड्रॉप में रची गई एक ऐसी प्रेम कहानी है, जहां दो किरदारों के बीच प्यार और नफरत का एक बेहद बारीक और गहरा संघर्ष चलता है।

क्या लीड पेयर पूरी तरह से डकैती से जुड़ा है?

देखिए जब माहौल ही इतना कठोर हो, तो किरदारों को भी उसी रंग में ढलना पड़ता है। यही वजह है कि यह कहानी एक बिल्कुल अलग और यूनिक संयोजन बनकर सामने आई है। आमतौर पर दर्शक या तो पूरी तरह एक्शन से भरी फिल्म देखते हैं, या फिर एक ऐसी प्रेम कहानी, जहां भावनाएं आंसुओं और गीतों में बहती हैं। लेकिन हमने इस सोच को थोड़ा मोड़ा। हमने तय किया कि इस बार प्यार की बात तो होगी, लेकिन उस नरम, मासूम अंदाज में नहीं, बल्कि गुस्से, टकराव और तीखे जज्बातों के साथ। यानी यह एक ऐसी प्रेम कहानी है, जहां भावनाएं दबी नहीं रहती, बल्कि खुलकर, तेज और कभी-कभी चिल्लाते हुए सामने आती हैं।

इस फिल्म में आपने प्यार का कौन सा अनछुआ पहलू छुआ है?

फिल्म 'डकैत' की प्रेम कहानी पारंपरिक सामाजिक संघर्षों, जैसे जाति, धर्म या अमीरी-गरीबी तक सीमित नहीं है। इसका केंद्र किरदारों की आंतरिक संवेदनाएं और उनके निजी अनुभव हैं। यहां प्रेम को एक बेहद व्यक्तिगत एहसास की तरह दिखाया गया है, जो माता-पिता और संतान के रिश्ते जितना गहरा हो सकता है। जब भावनाएं इतनी निजी हो जाती हैं, तो उनका प्रभाव भी अनोखा बनता है। कहानी इस बात को टटोलती है कि कोई रिश्ता क्यों खास बनता है और टूटने पर भीतर क्या बदल जाता है, यही इसकी असली ताकत है।

' एक्शन और इसकी कोरियोग्राफी आपके लिए कैसी रही?

मैं अपनी एक्शन कोरियोग्राफी के लिए जाना जाता हूं। मैं नियमित रूप से 'मास' फिल्में नहीं करता, बल्कि मुझे 'हाइपर-रियल' एक्शन पसंद है, जो दिखने में असली भी लगे और ग्लैमरस भी। अगर मेरी फिल्म में कोई बंदा हवा में उड़ रहा है, तो उसके पीछे एक तार्किक कारण होना चाहिए। इस फिल्म के निर्देशक सुनील, जो मेरे बहुत अच्छे दोस्त भी हैं, उन्होंने सिनेमैटोग्राफी की थी। वह अब डायरेक्टर बन गया है। हम दोनों की एक्शन को लेकर जो अमेरिकन सेंसिबिलिटी है, उसे हम इस फिल्म में लेकर आए हैं। हॉलीवुड की तकनीक और जिस तरह से वे एक्शन को कट और डायरेक्ट करते हैं, हमने उसे इस्तेमाल किया है।

अनुराग कश्यप से इस प्रोजेक्ट को लेकर पहली बार कब बात हुई?

मेरे दोस्त शोभिता धुलिपाला और नागा चैतन्य की शादी का मौका था, जहां अनुराग कश्यप भी मौजूद थे। मैंने मौका देखते ही अनुराग सर का हाथ पकड़ा और उसी माहौल में उन्हें 'डकैत' की कहानी सुनानी शुरू कर दी। शादी के जश्न के बीच ही मैंने उन्हें फिल्म के लिए पिच किया और इसी तरह वे हमारे इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन गए।

वेडिंग फंक्शन्स में आपको स्टाइलिश दिखाएंगे ये टिप्स

वेडिंग में कई फंक्शन्स होते हैं, जिनके लिए अलग-अलग ड्रेसेस पहनने का मजा ही कुछ और है। इनमें हल्दी फंक्शन का क्रेज लड़कियों के बीच खूब देखा जाता है। हल्दी के दौरान पीले कपड़े पहनने से न सिर्फ फैशन के नजरिए से कॉम्बिनेशन काफी अच्छा लगता है बल्कि पीले रंग के साथ ज्यादातर ज्वैलरी भी अच्छी लगती हैं। आप भी अगर अपनी हल्दी पर स्टाइलिश दिखना चाहती हैं, तो ये टिप्स आपके काम आएंगे।

हल्दी सेरेमनी पीले रंग के कपड़े क्यों पहनें

हल्दी छुड़ाना काफी मुश्किल हो सकता है, इसलिए क्यों न इस दिन पीली ड्रेस ही पहनी जाए। पीले के अलग-अलग शेड्स में से आप चुन सकती हैं। मस्टर्ड येलो, ऐंबर येलो, लेमन येलो में से आप चुन सकती हैं। यदि आपको येलो नहीं पहनना हो, तो आप क्रीम या कोई और लाइट कलर पहन सकती हैं।

हल्दी सेरेमनी के लिए टिप्स

- अगर आपकी हल्दी सेरेमनी है, तो ऐसे में आप स्लीव्स कट सिंपल और प्लेन लहंगा-चोली पहनें, जिसके किनारे पर गोल्डन या सिल्वर कलर का बॉर्डर हो।
- हल्दी सेरेमनी पर पटियाला सलवार के साथ शार्ट कॉटन कुर्ती भी बेहद स्टाइलिश लगेगी। पटियाला सूट के साथ आप अपनी पसंदानुसार एम्ब्रॉयडरी जैकेट या फिर कोई लाइट दुपट्टा कैरी करना अच्छा ऑप्शन रहेगा।
- आपको अगर साड़ी पहननी है, तो पीले रंग की सिम्पल साड़ी पहनें या फिर लाल, नारंगी रंग की साड़ी भी काफी अच्छी लगेगा। इसके साथ मैचिंग पर्ल ज्वैलरी या फूलों की ज्वैलरी भी काफी ट्रेंडिंग लगेगी।

हैवी दुपट्टा

हल्दी के मौके पर दुपट्टा आपके लिए आफत बन सकता है, इसलिए लाइट स्टोल या स्कॉर्फ तक ठीक है लेकिन हैवी दुपट्टा लेने से बचें।

स्टोन, हैवी ज्वैलरी

स्टोन या हैवी ज्वैलरी पर अगर हल्दी लग गई, तो आपके लिए खासी दिक्कत हो जाएगी।

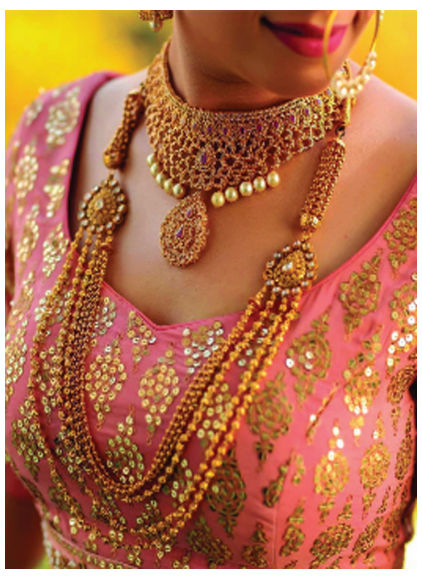

दमकती त्वचा का सपना पूरा करेंगे इन फलों के छिलके

आज तक आपने अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए फलों को डाइट में शामिल करने की सलाह तो कई बार सुनी होगी पर क्या आप जानते हैं फल अगर आपको अच्छी सेहत पाने में मदद करते हैं तो फलों के छिलके आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम भी कर सकते हैं। आइए जानते हैं दमकती त्वचा पाने के लिए कैसे करें फलों के छिलकों का इस्तेमाल।

पपीते का छिलका

चेहरे का रूखापन दूर करके त्वचा का ग्लो बढ़ाने का काम करता है पपीते का छिलका। इसके लिए पपीते के छिलके को सुखाकर बारीक पीस कर इसका पाउडर बना लें। अब दो चम्मच पाउडर में एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर उसका गाढ़ा पेस्ट बनाकर उसे अपने चेहरे पर फेस पैक की तरह लगा लें। पैक सूख जाने पर अपना चेहरा धों लें। चेहरे की टैनिंग हटाने के लिए पपीते के छिलके को पीसकर उसमें नींबू का रस मिला का इस्तेमाल करें।

संतरे का छिलका

चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे, मुहांसों और टैनिंग से निजात पाने के लिए संतरे के छिलके को पीसकर उसका बारीक पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में 2 चम्मच कच्चा दूध और दो चुटकी हल्दी मिलाकर इस पेस्ट को फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं। पैक सूखने पर चेहरे ठंडे पानी से धो लें।

नींबू का छिलका

टैनिंग दूर करने के लिए नींबू के छिलके को पीसकर उसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर फेस पैक की तरह इस्तेमाल करें।

केले का छिलका

टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए आप केले के छिलके के अंदरूनी सफेद भाग को चेहरे पर हल्के हाथों से बीस मिनट तक रगड़ें। इसके बाद चेहरा धो लें। ऐसा करने से चेहरे की चमक बढ़ती है।

आम का छिलका

चेहरे की झुर्रियों को कम करने के लिए आम के छिलके को पीसकर इसका पेस्ट चेहरे पर लगाने से मुहांसों और झुर्रियों को कम करने में मदद मिलती है। इसके लिए आम के छिलके को सुखाकर इसका पाउडर बना कर गुलाब जल के साथ, गेहूं के आटे में मिलाकर चेहरे पर उबटन की तरह इस्तेमाल करें।

कई लोग अपनी हाइट से नाखुश रहते है, उन्हें लगता हैं कि वे थोड़े और लंबे होते तो अच्छा होता। लेकिन अगर कम व अवरेज हाइट होने पर भी सही इ्रस व कपड़ों का चयन करें तो छोटी हाइट को भी लंबा दिखा सकते हैं। आइए, हम आपको कपड़ों के चयन से जुड़ी कुछ ऐसी बातें बताते हैं जो छोटी हाइट को लंबा दिखाने में कारगर साबित होंगी -

छोटी हाइट होने पर कैसे करें कपड़ों का चयन

- ऐसी ड्रेस पहनें जिसमें पैर दिखें तो आप लंबी नजर आएंगी जैसे ऐसी कोई शॉर्ट ड्रेस, जो घुटने तक या उससे ऊपर हो। इस तरह की ड्रेस पहनकर छोटे कद को लंबा दिखाया जा सकता है।
- अगर आपका कद छोटा है तो आप हाई वेस्ट की जींस पहन सकती हैं। इस जींस में आपके पैर लंबे नजर आएंगे जिससे देखने वालों को आपकी लंबाई अधिक होने का एहसास होगा।
- छोटे कद को लंबा दिखाने के लिए ऐसे कपड़ों का चयन करें जो वी नेक के हो, जैसे वी-नेक वाली शर्ट, टी-शर्ट, कुर्ती व ड्रेस आदि। गोल गले के कपड़े पहनने से आपको बचना चाहिए।
- कद को लंबा दिखाने के लिए सर से पैर तक एक ही रंग के कपड़ें पहनें, जैसे टॉप और बॉटम दोनों का एक ही रंग होने पर आपका कद लंबा नजर आएगा। वैसे छोटे कद पर गहरे रंग के कपड़ें भी देखने वालों को लंबा होने का एहसास देते है।
- गाउन पहनकर भी आप लंबी नजर आ सकती हैं।
- कपड़ों के अलावा हाई हील्स पहनकर भी आप हाइट को बढ़ा हुआ दिखा सकती हैं।

ट्रेंडी हैं को-ऑर्ड्स इस समर शॉपिंग लिस्ट में करें शामिल

गर्मियों में कम्फर्टेबल आउटफिट्स खरीदना चाहती हैं तो को-ऑर्ड्स ट्राई करें। ये आउटफिट गर्मियों के लिए फिट होने के साथ बेहद स्टाइलिश भी है। गर्मी के मौसम में को-ऑर्ड्स फैशन जबरदस्त ट्रेंड में है। इसको पहनने के कई फायदे हैं। इन्हें पहनने में झंझट नहीं होता, गर्मियों के हिसाब से कम्फर्टेबल है वहीं स्टाइल के मामले में भी नंबर वन। इन टू-पीस सेट्स के साथ आपको ज्यादा अक्सेसरीज भी कैरी करने की जरूरत नहीं। अगर आप अभी भी इस फैशन को ट्राई करने में झिझक रहे हैं तो बॉलिवुड सिलेब्स से आइडिया ले सकते हैं।

बच्चों की मजबूत इम्युनिटी के लिए जन्म के पांच साल के अंदर जरूरी है ये वैक्सीनेशन

कहते हैं हेल्थ एक प्रोसेस है। आप एक दिन में हेल्दी नहीं होते। कई छोटी-छोटी चीजें आपको मजबूत बनाती हैं। यही बात इम्युनिटी पर भी लागू होती है। मजबूत इम्युनिटी हमारे बचपन के खान-पान पर भी निर्भर करती है। वहीं, बचपन में कुछ ऐसे टीके होते हैं, जिनके लगने से गंभीर बीमारियों से बचाव होता है। आज हम आपको ऐसे टीके बता रहे हैं, जिन्हें पांच साल के अंदर बच्चों को लगवाना बहुत जरूरी है।

ये टीके हैं बेहद जरूरी

- गर्भवती महिला एंव गर्भ मे पल रहे शिशु को टिटेनस की बीमारी से बचाने के लियेटिटेनसटाक्साइड 1 / बूस्टर टीका और दूसरा टीका एक महिने के अंतर में लगवाएं। अगर पिछले तीन वर्ष मे दो टीके लगे हों तो केवल एक टीका लगवा लेना ही काफी होता है।
- हेपेटाइटिस बी वायरस के संक्रमण से लीवर की सूजन आ जाती है, पीलिया हो जाता है और लंबे समय तक संक्रमण के बाद लीवर कैंसर का भी खतरा हो सकता है। यह टीका बेहद जरूरी है जो हिपेटाइटिस बी के संक्रमण से बचाव करता है।
- डीपीटी टीकों की एक श्रेणी होती है, जो इंसानो को होने वाले तीन संक्रामक बीमारियों डिफ्थीरिया, पर्टुसिस (काली खांसी) और टिटनेस से बचाव के लिए दिए जाते हैं।
- पोलियो का टीका पोलियो नामक बीमारी जिसमें बच्चे अपंग हो जाते हैं, से सुरक्षा प्रदान करता है। यह टीका भी बच्चों को जरूर लगवाना चाहिए।
- बच्चे को टीबी से बचाने के लिए अनिवार्य रूप से बी सी जी का टीका लगवा दें। बीसीजी का टीका लग जाने पर शिशु को टीबी की बीमारी से बचाया जा सकता है।
- हिब वेक्सीन का टीका बच्चों को डिफ्थीरिया, काली खांसी, टेटनस, हेपेटाइटिस-बी और एच इन्फलांजी-बी से सुरक्षित रखता है। हिब बेक्टीरिया के संक्रमण से न्यूमोनिया एवं मष्तिष्क ज्वर (मेनिनजाइटिस) जैसी गंभीर बीमारी हो सकती हैं।

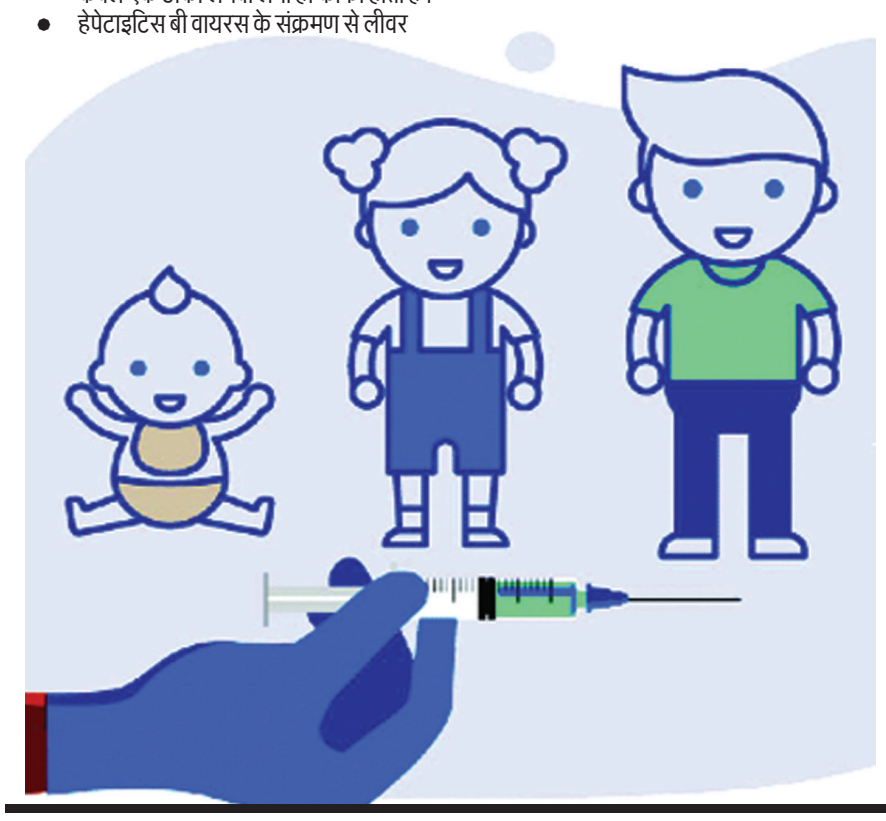

बच्चों से लालच देकर कोई काम न कराएं

'आप अगर खाना नहीं खाओगे, तो रात में भूत आ जाएगा।' क्या आपने भी अपने बच्चे को खाना खिलाने के लिए ऐसा ही कोई बहाना बनाया है? आपका जवाब अगर हां है, तो आपको यह बात समझने की जरूरत है कि कभी-कभी हम बच्चों को अच्छी बातें सिखाने के लिए कुछ ऐसा बोल जाते हैं, जिससे कि उनके मन में कई डर घर कर जाते हैं। इसके अलावा बच्चे अनजाने में ही कई गलत आदतें सीख जाते हैं। इस कारण आपको कुछ बातें याद रखनी चाहिए-

आमतौर अपनी बात मनवाने के लिए माता-पिता बच्चे को कोई लालच देते हैं। जैसे होमवर्क पूरा करने या बाहर न जाने के बदले उसे आइसक्रीम या खिलौने का लालच। ऐसा करना बेहद गलत है क्योंकि इसके बाद भी बच्ची सही बर्ताव करने के बदले आपसे अपनी डिमांड को पूरा करवाने की कोशिश करेगा।

किसी के सामने कोई एक्टिंग करने के लिए कहना

आमतौर पर माता-पिता बच्चों को कोई डांस या एक्टिंग करने के लिए कहते हैं। ऐसा करना शायद एंटरटेनिंग लगे, लेकिन इससे बच्चों के दिमाग पर गलत असर पड़ता है। बार-बार ऐसा कहने पर बच्चे को लगने लगता है कि अगर वह ये सब नहीं करेगा, तो उसके मम्मी-पापा उसे प्यार नहीं करेंगे या फिर मारेंगे।

किसी के सामने बच्चों पर न चिल्लाएं

अधिकतर माता-पिता बच्चों को किसी मॉल में, पब्लिक प्लेस में या फिर किसी पार्क में ही डांटना शुरू कर देते हैं। इस दौरान बच्चा आपकी बातें न सुनकर वो इस बात पर ध्यान देने लगता है कि आसपास के लोग सुन रहे हैं इसलिए हमेशा बच्चे को एकांत में उसके व्यवहार के बारे में बताएं ताकि वे अपने बुरे व्यवहार को छोड़ सके।

दूसरे बच्चों से तुलना

अपना बच्चा सभी को प्यारा लगता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपने बच्चे को फील गुड कराने के लिए उसकी तुलना दूसरों बच्चों से करेंगे। कई बार ऐसा होता है कि बच्चे को मोटिवेट करने के लिए माता-पिता किसी बच्चे को बुरा बताते हुए अपने बच्चे की तुलना करते हैं। ऐसा करने से आपका बच्चा उस दूसरे बच्चे के लिए मन में नेगेटिव इमेज बना लेगा। आगे चलकर यह नेगेटिव चीज उसकी पर्सनैलिटी का हिस्सा भी बन सकती है।

गलती करने पर गुस्सा करना

कभी-कभी मां-बाप अपने ऑफिस का गुस्सा या किसी और बात का गुस्सा अपने बच्चों पर निकाल देते हैं। साथ ही माता-पिता गुस्से में अपने बच्चे को उस गलती की सजा दे देते हैं, जिसे नजरअंदाज किया जा सकता था। बच्चे को अनुशासन सिखाते वक्त अपनी दूसरी समस्याओं और गुस्से को अलग रखें।